वर्ष-31, अंक- 246, पृष्ठ-12 | असाढ़ कृष्ण पक्ष 13, संवत 2082 | डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नंः आरएनआई. 61316/94 | www.rastriyanaveenmail.com

डालटनगंज (मेदिनीनगर)
सोमवार
23 जून 2025

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

₹2.00

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

पेज 12

एक नजर

311 यात्रियों को लेकर ईरान से लौटी एक और स्पेशल फ्लाइट

नई दिल्ली (आईएएनएस)। इजरायल-ईरान के बीच संघर्ष लगातार बढ़ता जा रहा है। इस बीच, भारत सरकार ईरान में फंसे अपने नागरिकों को भी वहां से निकाल रही है। 'ऑपरेशन सिंधु' के तहत 311 यात्रियों को लेकर एक और फ्लाइट दिल्ली पहुंची, जहां उनका स्वागत किया गया। इस दौरान स्वदेश लौटे यात्रियों ने एयरपोर्ट पर ही 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' का उद्घोष किया। 'ऑपरेशन सिंधु' के तहत भारतीय नागरिकों को लेकर अब तक सात फ्लाइट दिल्ली पहुंच चुकी है।

डोनाल्ड ट्रंप की चेतावनी, या तो शांति होगी या त्रासदी

वाशिंटगन (आईएएनएस)। अमेरिका ने भारतीय समयानुसार रविवार की सुबह 4:30 बजे ईरान के तीन प्रमुख न्यूक्लियर साइट्स फोर्डो, नतांज और इस्फाहान पर हमला किया। अमेरिका ने इन न्यूक्लियर साइटों को तबाह करने का दावा किया है। यह एयर स्ट्राइक बी-2 स्टील्थ बॉम्बर से किया गया है। बी-2 स्टील्थ बॉम्बर ने यूक्लियर साइट्स पर बंकर बस्टर बम जीबीयू-57 गिराया है। इस हमले के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश को संबोधित किया। ट्रंप ने बताया कि अमेरिका का मकसद ईरान की 'न्यूक्लियर एनरिचमेंट कैपेसिटी' को तबाह करना था। यूएस चाहता था कि ईरान के परमाणु खतरे को हमेशा के लिए खत्म किया जाए।

व्हाट्सएप से सीधे जुड़ें

1994 से अनवरत हम आपके लिए समाचारों को प्रमुखता की नीति पर कार्य करते रहे हैं। इसे और सुगम बनाने के लिए एक विशेष व्हाट्सएप नंबर **72094 53444** पर आप सीधे अपनी परखी हुई सच्ची खबर फोटो सहित संक्षेप में भेज सकते हैं। आपत्तिजनक बातें भेजने पर आइटी एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई हो सकती है। यदि आपको अखबार की प्रति नहीं मिल पा रही है या विज्ञापन देना चाहते हैं तो इस नंबर पर **72094 03444** संपर्क करें।

आज / कल

झारखंड में पर्यटन व फिल्म निर्माण की असीम संभावनाएं : राज्यपाल

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने सोमवार को लातेहार जिले के नेतरहाट स्थित लोअर घाघरी क्षेत्र में हिंदी फीचर फिल्म "सहिया" के चल रहे शूटिंग स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने फिल्म निर्माण से जुड़ी टीम से मुलाकात कर उनके कार्यों की सराहना की और झारखंड को फिल्म निर्माण के लिए अत्यंत उपयुक्त स्थल बताया।

राज्यपाल ने कहा कि नेतरहाट की वादियां, जलप्रपात, पहाड़ियां और हरियाली न केवल पर्यटन को आकर्षित करती हैं, बल्कि सिनेमाई दृष्टि से भी अनुपम पृष्ठभूमि प्रस्तुत करती हैं। उन्होंने कहा, "यह क्षेत्र फिल्म निर्माण की दृष्टि से असीम संभावनाओं से भरपूर है और निर्माताओं-निर्देशकों को झारखंड की ओर रुख करना चाहिए।"

राज्यपाल ने फिल्म सहिया के निर्माण से जुड़े विषयों की विस्तृत जानकारी ली, जिसमें विषयवस्तु, लोकेशन, तकनीकी पक्ष और स्थानीय कलाकारों की भागीदारी शामिल थी। उन्होंने प्रसन्नता जताई कि फिल्म "सहिया" में झारखंड के स्थानीय कलाकारों, तकनीशियनों और संसाधनों को प्राथमिकता दी जा रही है, जो राज्य की प्रतिभा को मंच देने की दिशा में एक सराहनीय कदम है। राज्यपाल ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से भी फिल्म नीति के तहत फिल्म निर्माताओं को आवश्यक सहायता दी जा रही है, जिससे आने वाले वर्षों में झारखंड देश का प्रमुख फिल्म निर्माण केंद्र बन सकता है।

उन्होंने कहा कि फिल्म निर्माण के साथ-साथ राज्य की संस्कृति, लोक जीवन और पर्यटन स्थलों का प्रचार-प्रसार भी बढ़ेगा, जिससे न केवल स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा, बल्कि झारखंड की एक नई पहचान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित होगी।

फिल्म "सहिया" के निर्माता संजय शर्मा ने राज्यपाल को बताया कि फिल्म की कहानी झारखंड की पृष्ठभूमि पर आधारित है और इसकी शूटिंग पूरी तरह स्थानीय स्थलों और ग्रामीण परिवेश में की जा रही है। फिल्म में शांतनु महेश्वरी, नीरज काबी, रमन गुप्ता और रिंकू राजू जैसे कलाकार अभिनय कर रहे हैं।

नेतरहाट पहुंचने पर राज्यपाल का स्वागत उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता और पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने किया। दोनों अधिकारियों ने राज्यपाल को लोअर घाघरी क्षेत्र की भौगोलिक विशेषताओं और पर्यटन की संभावनाओं की जानकारी दी।

अंत में राज्यपाल ने फिल्म निर्माण दल को शुभकामनाएं देते हुए झारखंड में अधिकाधिक फिल्म निर्माण की अपेक्षा जताई और आशा प्रकट की कि ऐसे प्रयास राज्य की सकारात्मक छवि को मजबूती देंगे।

चुनाव के दौरान बड़ी घटना की थी तैयारी, कई आपराधिक मामलों में वांछित था शंभु सिंह

नवीन मेल संवाददाता

छतरपुर। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर छतरपुर थाना क्षेत्र के तुरीदाग जंगल में चलाए गए पुलिस अभियान के दौरान प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन टीएसपीसी का एक सक्रिय सदस्य शंभु सिंह गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई पुलिस और सुरक्षाबलों की संयुक्त छापेमारी के दौरान हुई, जिसमें मुठभेड़ भी हुई।

पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि टीएसपीसी संगठन का एक दस्ता तुरीदाग के जंगली इलाके में जुटा है और किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहा है। इसके बाद छतरपुर थाना, तकनीकी शाखा, सशस्त्र बल और अन्य इकाइयों के संयुक्त दल ने जंगल में सर्च ऑपरेशन शुरू किया। इस दौरान दोनों ओर से गोलीबारी हुई। मुठभेड़ के बाद एक नक्सली को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार नक्सली की पहचान शंभु सिंह, निवासी पलवा टोला, मोरचवा, थाना छतरपुर के रूप में हुई है। उसके पास से दो मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, शंभु सिंह के खिलाफ हत्या, लूट, रंगदारी, आगजनी, और पुलिस पर हमले जैसे कई गंभीर आपराधिक मामले विभिन्न थानों में दर्ज हैं। वह लंबे समय से टीएसपीसी संगठन से जुड़ा था और छतरपुर क्षेत्र में संगठन के विस्तार में सक्रिय भूमिका निभा रहा था।

गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। अभियान में छतरपुर थाना प्रभारी प्रशांत प्रसाद, एसआई सुशील उरांव, अनिल रजक, सअनि नारायण विश्वकर्मा, तकनीकी शाखा और सशस्त्र बलों के अधिकारी शामिल थे।

पोलडीह में किराना दुकान से भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हुसैनाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत पोलडीह गांव में एक किराना दुकान से भारी मात्रा में अवैध शराब जब्त की गई है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए दुकान से देशी और विदेशी शराब की दर्जनों पेटियां और बोतलें बरामद की हैं। इस संबंध में दुकान संचालक कुंदन सिंह उर्फ छोटन सिंह को गिरफ्तार कर रविवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी ने रविवार को प्रेस वार्ता में बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि पोलडीह गांव स्थित एक किराना दुकान में बड़ी मात्रा में अवैध शराब का संग्रह कर बेचा जा रहा है। सूचना के सत्यापन और निर्देश मिलने के बाद एक छापेमारी दल का गठन कर शनिवार शाम दुकान पर छापा मारा गया। पुलिस को देखकर दुकान के पास खड़े कुछ लोग मौके से भाग निकले। इसके बाद दुकान की तलाशी ली गई, तो एक अलग कमरे से भारी मात्रा में शराब जब्त की गई। बरामद शराब में 30 पेटी टनाका देशी शराब, चार पेटी गॉड फादर बीयर, सात पेटी किंगफिशर बीयर, आरएस ब्रांड की कई शीशियां और बोतलें, ब्लेंडर प्राइड, सिग्नेचर, मेगडोवेल और इम्पीरियल ब्लू जैसी ब्रांड की शराब शामिल हैं। कुल मिलाकर 150 लीटर से अधिक शराब बरामद की गई है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब पांच लाख रुपये बताई गई है। छापेमारी दल में थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी, एसआई मुकेश कुमार सिंह, नर्मदेश्वर सिंह, रमण यादव, टुनटुन कुमार, चालक अखिलेश कुमार समेत कई पुलिसकर्मी शामिल थे। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध हुसैनाबाद थाना कांड संख्या 160/25, दिनांक 21.06.2025 को झारखंड उत्पाद अधिनियम की धारा 47(ए) तथा भादंवि की धारा 274/275 के तहत मामला दर्ज किया गया है। थाना प्रभारी ने कहा कि क्षेत्र में अवैध शराब कारोबारियों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। आगे भी इस तरह की अवैध गतिविधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। पुलिस की इस कार्रवाई से इलाके में अवैध शराब कारोबारियों के बीच हड़कंप मच गया है।

नमन तुम्हें हे हिंद के प्रहरी

राष्ट्रीय नवीन मेल

ममता कर्ण मनस्वी

हमारे देश भारत, हमारे धर्म सनातन पर जिस तरह का संकट आतंकियों ने फैलाया था, जिस तरह से निर्दोषों की निर्मम हत्या की थी, हम भारतवासी जिस तरह से डराए गए, उसका मुंहतोड़ जवाब हमारे वीर सैनिकों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से दे दिया। उन्होंने दुश्मनों को धूल चटा दिया। उनका हम जितना भी आभार प्रकट करें, कम ही होगा। हे वीर सैनिक, कोटि-कोटि नमन आपकी वीरता को। विश्व के सारे सेनाओं में आप उत्तम हैं। सिर्फ हम भारतवासी नहीं, अपितु सारे विश्व की सेनाएं यह बात मान रही हैं। हम एक सौ चालीस करोड़ जनता का जान सुरक्षित है, तो केवल हमारे वीर जाबांज कुशल साहसी सैनिकों की वजह से। हम घर में सोते रहे और आप हमारे लिए लड़ते रहे। हमारी मातृभूमि और उसकी जनता ऋणी है अपने भारत के सैन्य बलों का, जो अपने अदम्य साहस के बल पर हमें सुरक्षित रखते हैं। हमारे देश की अखंडता की रक्षा करती हैं। हमें सुरक्षित रखने के लिए हे वीर सपूतों सौ-सौ नमन है आपको। जय जवान, जय हिंद।

रांची में झमाझम बारिश, जनजीवन अस्तव्यस्त

- **राज्य में 27 जून तक तेज बारिश की संभावना**
- **मौसम विभाग ने जारी किया येलो अलर्ट**

रांची। झारखंड में मॉनसून प्रवेश के बाद से ही कई जिलों में प्रतिदिन बारिश हो ही रही है। मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार, 23 जून से लेकर 27 जून 2025 तक तेज बारिश संभावना जताई गई है। वज्रपात की भी आशंका व्यक्त की गई है। इसे से लेकर मौसम विभाग ने येलो अलर्ट भी जारी किया है। वहीं, रविवार को रांची में तेज हवा के साथ मूसलधार बारिश हुई। आसमानी बिजली भी कड़की, लेकिन देर शाम तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं थी। रांची में रुक रुककर हो रही झमाझम बारिश से आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। मूसलधार बारिश ने नगर व्यवस्था की पूरी तरह से पोल खोल दी। भारी बारिश के कारण राजधानी के कई इलाकों में जलजमाव की स्थिति गंभीर हो गई। रविवार को जलजमाव की चपेट में आम लोगों के साथ वरिष्ठ अधिकारियों के आवास भी आ गए। कर्बला चौक, रातू रोड, मेन रोड, हरमू नदी क्षेत्र, अरगोड़ा, कोकर, बिरसा चौक, स्टेशन रोड समेत कई इलाकों की स्थिति बद से बदतर हो गई है। पानी घरों, दुकानों, कार्यालयों और थाना परिसरों तक में घुस गया। इससे जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया। अरगोड़ा, अपर बाजार, पंचशील नगर के इलाके में कई जगहों पर भारी जलजमाव हो गया था। थानों की हालत भी कम खराब नहीं रही। पुलिस कर्मियों को खुद अपने कार्यालय में घुटनों तक भरे पानी में ड्यूटी करनी पड़ी।

निचले इलाकों की कई बहुमंजिला इमारतों के बेसमेंट जलमग्न हो गए। लोगों को पूरी रात बाल्टी और मोटर के सहारे पानी निकालने में बितानी पड़ी। हरमू नदी का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया है। नदी किनारे बसी बस्तियां जलमग्न हो गई हैं। इधर, स्थानीय निवासियों ने नगर निगम पर लापरवाही का आरोप लगाया। उनका कहना है कि हर साल यही स्थिति बनती है, लेकिन कोई स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा है। खराब ड्रेनेज सिस्टम और अधूरी तैयारियों को इस बदहाली के लिए जिम्मेदार ठहराया। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार शिकायतों के बावजूद रांची नगर निगम ने इस क्षेत्र में स्थायी जल निकासी की सही व्यवस्था नहीं की। इससे परेशानियां बढ़ गई हैं। पहली ही बारिश में चारों ओर सिर्फ पानी ही पानी है। रविवार को रांची के अलावे बोकारो, धनबाद, गुमला, जामताड़ा और लातेहार में भी बारिश हुई। इन जिलों में 23 जून से लेकर 27 जून तक तेज बारिश होने की संभावना है। इधर, भारी बारिश से सब्जी की खेती को नुकसान पहुंचा है। मौसम विभाग ने रविवार को हो रही बारिश को लेकर राजधानी रांची, पाकुड़, साहिबगंज, बोकारो, चतरा, देवघर, धनबाद, पूर्वी सिंहभूम, गोड्डा, जामताड़ा, कोडरमा, लातेहार, पलामू, रामगढ़ और सिमडेगा के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया था। साथ ही, आम लोगों से सावधानी बरतने और बिजली के खंभों व पेड़ से दूर रहने की अपील की। इधर, पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश हजारीबाग के बड़कागांव में 85 मिमी रिकॉर्ड की गई।

पीएम मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति से की बात, हालात पर जताई चिंता

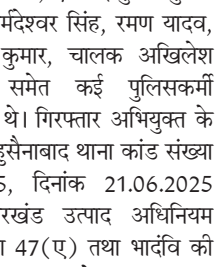

नई दिल्ली (आईएएनएस)। ईरान के तीन प्रमुख परमाणु ठिकानों फोर्डो, नतांज और इस्फाहान पर अमेरिकी एयर स्ट्राइक के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टेलीफोन पर ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से बातचीत की और उन्होंने क्षेत्रीय तनाव को लेकर गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि हमने वर्तमान स्थिति पर विस्तार से चर्चा की है। पीएम मोदी ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट शेयर कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से बात की। हमने मौजूदा स्थिति के बारे में विस्तार से चर्चा की। साथ ही हाल की तनावपूर्ण घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त की। मैंने तत्काल तनाव कम करने, बातचीत और कूटनीति के रास्ते पर चलने तथा क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और स्थिरता की जल्द बहाली के लिए हमारी अपील को दोहराया।

इंडिया

खतरनाक मानसिक गुलामी की ओर मोबाइल की लत

ट्रंककॉल बुक करने के बाद घंटो से लेकर दिन-दिन भर कॉल लगने का इंतजार आज कहानी लगती है क्योंकि विदेशों तक से पलक झपकते फेसबुक लाइव और वीडियो कॉल आज एक सामान्य सी बात हो गई है पर स्मार्ट फोन के इस तेज क्रांति ने जिस तेज गति से हमारे जीवन पर प्रभावित किया है वह खतरनाक बनता जा रहा है। जयपुर में एक मां ने बेटी को मोबाइल की दीवानगी से बचाने के लिए मोबाइल छीन लिया तो बेटी ने उसकी हत्या कर दी। बालाघाट के वारासिवनी में देर रात तक मोबाइल देखने से मना करने पर एक बेटे ने अपने मां-बाप पर सब्बल से हमला कर दिया। सड़क चलते हेडफोन लगाए लोग बतियाते या गाने सुनते एक दूसरी दुनिया में रहते हैं और खतरनाक जगहों पर सेल्फी लेने में कितनों की जान गई उसका हिसाब तक नहीं । झीलों की नगरी रांची के निकट एक फ़ॉल में हाल में एक नामी स्कूल के शिक्षक की जान चली गई । सोशल मीडिया देखने की बेचैनी गाड़ी चलाते समय भी नहीं छूट रही और जान की बाजी लगाने को लोग तैयार हैं । डेटा हड़पने और अश्लीलता या विचारों को दूषित करने से लेकर किसी ख़ास विचारधारा को प्रचारित करने के लिए भारी संख्या में रील और वीडियो सोशल मीडिया में डाले जा रहे हैं । अगले मजेदार वीडियो या दिलचस्प पोस्ट को पढ़ते हुए फोन को स्क्रॉल करने से लोग खुद को नहीं रोक पाते हैं? इसे विशेषज्ञ इस प्रकार बताते हैं कि जब आप कोई लक्ष्य हासिल करते हैं, स्वादिष्ट भोजन करते हैं, या ऑनलाइन शॉपिंग करते हैं, तो आपको उत्साह की लहर महसूस होती है, कुछ अनुभव अच्छे लगते हैं, तो कुछ उदास करते हैं। इन सबके लिए डोपामाइन जिम्मेदार है जो एक रासायनिक संदेशवाहक (न्यूरोट्रांसमीटर) है जो मस्तिष्क और केंद्रीय तंत्रिका तंत्र के बीच संचार की सुविधा देता है। यह आपके तंत्रिका तंत्र के विभिन्न भागों के बीच संदेश भेजता है जिससे आपके शरीर और मस्तिष्क को तालमेल बिठाने में मदद मिलती है।स्वादिष्ट खाना खाने, शराब पीने, सोशल मीडिया पर स्क्रॉल करने या प्यार में पड़ने जैसी चीजों से हमें जो अल्पकालिक खुशी और आनंद मिलता है, उसमें डोपामाइन की भूमिका होती है। डोपामाइन सीखने, ध्यान और एकाग्रता बनाए रखने में भी सहायता करता है, तथा स्मृतियों को संग्रहित करने में

भी। डोपामाइन केवल तब सक्रिय नहीं होता, जब हम कोई आनंददायक काम करते हैं। यह पहले से ही सक्रिय होता है और हमें आनंद की तलाश करने के लिए प्रेरित करता है। मान लीजिए कि आप किसी रेस्तरां में खाना खाते हैं और खाने का स्वाद लाजवाब होता है, तो डोपामाइन का स्तर बढ़ता है और मुझे आनंद की अनुभूति होती है। विकासवादी दृष्टिकोण से वह डोपामाइन ही था, जिसने मनुष्यों को शिकार करने, भोजन तलाशने, आश्रय या सुरक्षा तथा साथी खोजने एवं प्रजनन के लिए प्रेरित किया। लेकिन आधुनिक तकनीक ने डोपामाइन के प्रभाव को बढ़ा दिया है, जिससे नकारात्मक परिणाम सामने आए हैं।सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग, जुआ, शराब पीना, नशीली दवाओं का उपयोग और गेमिंग जैसी गतिविधियां डोपामाइन के स्राव को उत्तेजित कर सकती हैं, जिससे लत और बाध्यकारी व्यवहार का चक्र बन सकता है। डोपामाइन हमारे मस्तिष्क और शरीर के कामकाज के लिए महत्वपूर्ण है, चाहे आनंद का अनुभव हो या न हो, इसलिए मस्तिष्क लगातार डोपामाइन की छोटी मात्रा स्रावित करता रहता है। मस्तिष्क खुद को नियंत्रित करने के लिए कड़ी मेहनत करता है और यह हमें लगातार उच्च डोपामाइन की स्थिति में रहने की अनुमति नहीं देता है। हम अपने शरीर में स्वस्थ तरीके से डोपामाइन को बढ़ा सकते हैं। चलने, दौड़ने, साइकिल चलाने या नृत्य करने से डोपामाइन का स्राव बढ़ सकता है, जिससे मूड बेहतर होता है और प्रेरणा बढ़ती है। संगीत सुनने और अपने प्रिय आत्मीय जनों के साथ बतियाने से भी डोपामाइन का स्तर बढ़ता है।आज के आधुनिक दौर में सोशल मीडिया हमारी जिंदगी का एक अहम हिस्सा बन चुका है। इंस्टाग्राम, एक्स (ट्विटर), फेसबुक और व्हाट्सएप जैसे प्लेटफॉर्म्स ने जहां हमें दुनिया भर से जोड़ा है, वहीं सोशल मीडिया की लत ने दबे पांव हमारे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर बुरा असर डालना शुरू कर दिया है। लगातार स्क्रॉल करना, हर नोटिफिकेशन पर क्लिक करना, और सोशल मीडिया पर दूसरों की फोटो देखकर तुलना करने की आदत अब कई लोगों के लिए तनाव, चिंता और नींद की गंभीर कमी का कारण बन रही है।यह सिर्फ समय की बर्बादी नहीं, बल्कि हमारे ध्यान, प्रोडक्टिविटी और रिश्तों को भी नकारात्मक रूप से प्रभावित कर रही है। यदि आप भी सोशल मीडिया के इस जाल में फंसकर खुद को परेशान महसूस कर रहे हैं, तो 'डिजिटल डिटॉक्स' आपके लिए एक बेहतरीन और जरूरी समाधान हो सकता है। सोशल मीडिया पर लगातार समय बिताने से दिमाग हमेशा सूचनाओं के बोझ तले दबा रहता है। डिजिटल डिटॉक्स आपको इस शोर से मुक्ति दिलाता है। जब आप फोन और सोशल मीडिया से ब्रेक लेते हैं, तो दिमाग को आराम मिलता है, जिससे तनाव और चिंता कम होती है। एक अध्ययन के अनुसार, जो लोग सप्ताह में कुछ घंटे भी डिजिटल डिटॉक्स करते हैं, वे ज्यादा खुश और संतुष्ट महसूस करते हैं।

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

नामकुम में सड़क हादसा, सिविल कोर्ट के पेशकार सहित 3 की मौत

- **एक तेज रफ्तार कार के कारण हुई दुर्घटना**

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राजधानी रांची के नामकुम में सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में रांची सिविल कोर्ट के पेशकार भी शामिल हैं। यह दुर्घटना शनिवार की देर रात हुई। मृतकों में रांची सिविल कोर्ट के पेशकार प्रवीर हांसदा, विकास केंद्र धनबाद के शिक्षक सोम सिन्हा और कार चालक शामिल हैं।

नामकुम थाना प्रभारी के अनुसार, एक तेज रफ्तार कार ने एक स्कूटी सवार और एक पैदल चल रहे व्यक्ति की कुचल दिया और फिर खुद भी अनियंत्रित होकर हादसे का शिकार हो गया। इस दुर्घटना में तीनों लोगों की मौत हो गई।

इस दुर्घटना के संबंध में सोम सिन्हा के परिजनों के अनुसार रात में उन्होंने सोम सिन्हा से बात की थी कि वे पैदल घर लौट रहे थे। जब काफी देर तक सोम घर नहीं पहुंचे, तो वे उन्हें खोजने के लिए निकले लेकिन वे कहीं नजर नहीं आए। उनकी नजर एक सड़क हादसे पर भी पड़ी थी, लेकिन वे आगे बढ़ गए। जब कहीं सोम का पता नहीं चला, तो फिर वे हादसे वाली जगह पहुंचे। वहां उनका चप्पल देख उन्हें पहचाना गया। प्रवीर हांसदा के परिजनों को भी हादसे की जानकारी ब्रिज पर पड़े जूते से मिली। डीएसपी मुख्यालय अमर पांडेय ने रविवार को कहा कि नामकुम में हादसा हुआ है। तेज रफ्तार कार चालक ने पहले प्रवीर हांसदा जो स्कूटी कर सवार थे, उन्हें धक्का मारा। इसके बाद पैदल चल रहे शिक्षक सोम सिन्हा चपेट में आ गए और फिर तेज रफ्तार के कारण वह खुद अनियंत्रित होकर हादसे का शिकार हो गया।

दूध लेने निकले दो मासूम भाइयों की तालाब में डूबने से मौत

रांची रोड व बेलवाटिका के निवासियों में शोक, रविवार सुबह मिला शव

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। शहर थाना क्षेत्र के रांची रोड स्थित रेडमा दशगात्र मंडप के पास और बेलवाटिका से संबंधित दो मासूम मौसेरे भाइयों की तालाब में डूबने से मौत हो गई। मृतकों की पहचान अर्पित दुबे (6 वर्ष) पिता आनंद दुबे एवं आरो दुबे (8 वर्ष) पिता अनुराग दुबे के रूप में हुई है। दोनों शनिवार शाम से लापता थे और रविवार सुबह उनका शव उनके घर के समीप स्थित एक तालाब से बरामद किया गया। जानकारी के अनुसार शनिवार की शाम दोनों भाई दूध लेने के लिए घर से निकले थे, लेकिन देर रात तक जब वे वापस नहीं लौटे तो परिजनों ने खोजबीन शुरू की। रातभर तलाश के बाद रविवार सुबह मोहल्ले के एक तालाब में दोनों के शव मिले। संभावना जताई जा रही है कि दोनों भाई रास्ते में तालाब के पास पहुंचे और नहाने के इरादे से उसमें उतर गए, जहां डूबने से उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही मेदिनीनगर शहर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए एमएमसीएच भेजा। रविवार सुबह आठ बजे दोनों शवों का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया। घटना से पूरे मोहल्ले में मातम पसरा हुआ है और परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह एक हादसा प्रतीत हो रहा है। फिर भी पूरे मामले की जांच की जा रही है ताकि किसी भी प्रकार की आशंका को दूर किया जा सके।

कोयल नदी में डूबे व्यक्ति के परिजन को दी गई आपदा राहत सहायता

बाढ़ के दौरान नदी पार करते समय हुई थी मौत, बीडीओ ने प्रदान की तत्काल सहायता

मोहम्मदगंज। कोयल नदी की बाढ़ में डूबकर जान गंवाने वाले ओम प्रकाश चंद्रवंशी उर्फ डबला के आश्रित परिजनों को प्रशासन की ओर से आपदा राहत सहायता राशि प्रदान की गई है। रविवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी रणवीर कुमार ने पीड़ित परिवार को तत्काल सहायता राशि सौंपी और अन्य सरकारी लाभों के जल्द उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। बताया गया कि मृतक ओम प्रकाश चंद्रवंशी (45 वर्ष) भजनियां गांव के निवासी थे। गुरुवार की सुबह वे घर से निकले थे और रविवारीय बाजार के समीप स्थित कोयल-काशीस्रोत संगम की ओर शौच के लिए गए थे। देर रात तक जब वे घर नहीं लौटे, तो परिजनों ने खोजबीन शुरू की। शुक्रवार सुबह नदी किनारे पानी में तैरता हुआ उनका शव बरामद हुआ। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और उसके बाद शव परिजनों को सौंपा गया। बीडीओ रणवीर कुमार ने तत्परता दिखाते हुए मृतक के आश्रित को आपदा प्रबंधन से जुड़ी तात्कालिक सहायता राशि दी। उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना सहित अन्य योजनाओं के तहत तय मुआवजा दो माह के भीतर उपलब्ध करा दिया जाएगा।

भुईंया टोला में सर्पदंश से मजदूर की मौत

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। प्रखंड के करडंडा गांव स्थित भुईंया टोला में सर्पदंश से सुरेश भुईंया (45 वर्ष) की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार वे रात में जमीन पर सो रहे थे, तभी सांप ने उनकी ऊंगली में डंस लिया। उन्होंने स्वयं चिरा लगाकर उपचार की कोशिश की और जपला स्थित हकीम के पास दवा लेने गए, परंतु उनकी जान नहीं बच सकी। माना जा रहा है कि यदि वे अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचते, तो एंटीवेनम से उनकी जान बचाई जा सकती थी। घटना की सूचना पर बीडीओ रणवीर कुमार के निर्देश पर पुअनि शेख अमानुल्लाह ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा, ताकि आश्रितों को आपदा प्रबंधन की

सहायता राशि मिल सके। मुखिया प्रतिनिधि अरुण कुमार गुप्ता, पंसस प्रतिनिधि विश्वनाथ चौधरी, राजद प्रखंड अध्यक्ष पंचू रजवार व विनोद पासवान ने परिजनों से मुलाकात कर मदद का आश्वासन दिया। मृतक का इकलौता पुत्र घटना के वक्त बाहर था, जो अब लौट आया है।

मुख्य नहर में लाइनिंग कार्य जारी पानी छोड़े जाने में देरी संभावित

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। कोयल नदी के जलस्तर में गिरावट के चलते निचले क्षेत्रों में बाढ़ की आशंका समाप्त हो गई है। कार्यपालक अभियंता विनीत प्रकाश ने बताया कि नदी के 17 गेट खुले रखे गए हैं और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। गुरुवार को जल प्रवाह 2.5 लाख और शुक्रवार को 1.19 लाख क्यूसेक था, जो शनिवार को घटकर 61,925 क्यूसेक रह गया। मुख्य नहर में पानी छोड़े जाने की तैयारी चल रही है, परंतु लाइनिंग कार्य अभी पूर्ण नहीं हुआ है। अधिकारियों के अनुसार, लाइनिंग कार्य पूरा होने के बाद ही खरीफ फसल के लिए पानी छोड़ा जाएगा। अनुमान है कि इसमें एक सप्ताह की देरी हो सकती है, हालांकि निर्धारित तिथि 25 जून ही रखी गई है।

25 जून के निर्धारित शेड्यूल में हो सकता है बदलाव

विवाद में मारपीट, तीन घायल

हुसैनाबाद। थाना क्षेत्र के जेपी चौक पर शनिवार शाम दो पक्षों में मामूली विवाद को लेकर मारपीट हो गई। लाठी-डंडे से हुई झड़प में निखिल कुमार, नितीश कुमार और अमन कुमार घायल हुए। हुसैनाबाद अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद निखिल और नितीश को गंभीर अवस्था में मेदिनीनगर रेफर किया गया। थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी ने बताया कि मामले की जानकारी मिली है, पर लिखित शिकायत नहीं की गई है। शिकायत मिलने पर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

खामडीह रैयतों ने सांसद से मिलकर रेस्ट एरिया भूमि अधिग्रहण रद्द करने की मांग की

आंदोलन की चेतावनी, सांसद ने एनएचएआई से की बात

नवीन मेल संवाददाता

सतबरवा। पलामू खामडीह गांव के दर्जनों रैयतों ने रविवार को पलामू सांसद विष्णु दयाल राम से उनके आवास पर मुलाकात कर पूणार्डीह और रूपौधा क्षेत्र में रेस्ट एरिया निर्माण के लिए प्रस्तावित भूमि अधिग्रहण को रद्द करने की मांग की। रैयतों ने स्पष्ट रूप से कहा कि यह उनकी पुश्तैनी जमीन है और इसी पर उनकी जीविका निर्भर है। उन्होंने आरोप लगाया कि एनएच-39 के फोरलेन निर्माण के लिए दी गई भूमि के अलावा अब लगभग 5 एकड़ अतिरिक्त भूमि रेस्ट एरिया के लिए अधिग्रहित की

जा रही है, जबकि इस पर फसल उपजाकर वे अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं। बिना सहमति की गई अधिग्रहण प्रक्रिया को अन्यायपूर्ण बताते हुए ग्रामीणों ने इसे तत्काल निरस्त करने की गुहार लगाई है। सांसद विष्णु दयाल राम ने रैयतों की मांग को गंभीरता से लेते हुए रांची स्थित एनएचएआई के वरीय अधिकारियों और डीएम से दूरभाष पर वार्ता कर निष्पक्ष समाधान की अपील की। सांसद ने कहा कि किसान अन्नदाता हैं और उनके साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने यह भरोसा दिलाया कि किसानों को हर हाल में न्याय मिलेगा। रैयतों ने चेतावनी दी कि यदि मांग पर शीघ्र सुनवाई नहीं हुई तो वे शांतिपूर्ण आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे। ग्रामीणों ने कहा कि यह सिर्फ जमीन नहीं, बल्कि उनके अस्तित्व और भविष्य का सवाल है। प्रतिनिधिमंडल में समाजसेवी आशीष सिन्हा भी मौजूद थे, जिन्होंने प्रशासन से संवेदनशील रुख अपनाने की अपील की। प्रतिनिधिमंडल में विष्णु साव, राजबली यादव, किशोर साव, सोनू कुमार, अनुज कुमार, मदन साव, मुनेश्वर साव सहित दर्जनों ग्रामीण शामिल थे।

आम की खेती से किसान को हो रही लाखों की आमदनी

पारंपरिक खेती छोड़ आम, अमरूद व नींबू का रुख, 6 लाख तक कमाई की उम्मीद

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। सतबरवा के रजडेरवा गांव के किसान विनोद कुमार ने पारंपरिक खेती को छोड़ आम की बागवानी शुरू की और अब वे सालाना 6 लाख तक की कमाई कर रहे हैं। उन्होंने 5 एकड़ जमीन पर आम के 580 पेड़ लगाए हैं, जिसमें लंगड़ा, दशहरी, आम्रपाली, चौसा समेत 7 किस्में शामिल हैं। मनरेगा की मदद से उन्होंने बागान में महोगनी, नींबू और अमरूद भी लगाए हैं। इस वर्ष अब तक वे 1 लाख रुपये का आम बेच चुके हैं।

तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आने से युवक की मौत

नवीन मेल संवाददाता

सतबरवा। एनएच-39 पर बकोरिया मस्जिद के समीप एक तेज रफ्तार सवारी गाड़ी ने साइकिल सवार मोकीम आलम (35 वर्ष), पिता याकूब अली को कुचल दिया। दुर्घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गया और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक का विवाह एक वर्ष पहले ही हुआ था। घटना के विरोध में ग्रामीणों ने सड़क को आधे घंटे तक जाम रखा। अंचलाधिकारी कृष्ण मुरारी तिर्की ने मुआवजा व कार्रवाई का आश्वासन देकर जाम समाप्त कराया। पुलिस ने वाहन को जब्त कर शव को एमएमसीएच मेदिनीनगर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

घटना के बाद ग्रामीणों ने एनएच-39 किया जाम

घर में ये पौधे लगाकर करें सर्पदंश से बचाव

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। मानसून के मौसम में सांपों से सुरक्षा के लिए घर के आस-पास कुछ विशेष पौधे लगाने की सलाह दी जा रही है। इनमें सर्पगंधा, नागदौना, गेंदा, कैक्टस और स्नैक प्लांट प्रमुख हैं। इन पौधों की गंध से सांप दूर रहते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, इन पौधों को बालकनी, छत, खिड़की के पास गमले में लगाने से यह प्राकृतिक सुरक्षा कवच का काम करते हैं। साथ ही यह घर की सुंदरता भी बढ़ाते हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में भी योग के प्रति बढ़ी जागरूकता

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मोहम्मदगंज प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में भी विशेषकर महिलाओं में योग के प्रति उत्साह और जागरूकता देखने को मिली। इस अवसर पर पंसा पंचायत के अधौरा गांव की जलसहिया शारदा देवी ने नेतृत्व करते हुए स्थानीय महिलाओं के साथ सामूहिक योगाभ्यास किया और स्वास्थ्य लाभ की जानकारी दी। शारदा देवी ने बताया कि नियमित योगाभ्यास से न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक स्वास्थ्य भी बेहतर होता है। उन्होंने महिलाओं को योग को दैनिक जीवन

में अपनाने की सलाह दी। उनके साथ ही जेएसएलपीएस से जुड़ी स्वयं सहायता समूह की दीदियों ने भी योगाभ्यास में हिस्सा लिया और अपने-अपने गांव की अन्य महिलाओं को इसके लिए प्रेरित किया। तारा, रामबांध, कोसीआरा, मोहम्मदगंज और पंसा क्षेत्र में आयोजित इन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में महिलाओं की भागीदारी देखने को मिली। कार्यक्रम में जेंडर सीआरपी बेबी देवी, सेतु दीदी प्रियंका, पूजा और रंभा देवी ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई और योग के प्रति महिलाओं में विश्वास व रुचि बढ़ाने का कार्य किया। ग्रामीण महिलाओं में योग के प्रति यह जागरूकता एक सकारात्मक संकेत है कि स्वास्थ्य और आत्म-सशक्तिकरण की दिशा में अब गांवों की महिलाएं भी गंभीरता से आगे बढ़ रही हैं।

तारा विद्यालय में 25 जून को शिक्षक-अभिभावक गोष्ठी

मोहम्मदगंज। आदर्श प्लस टू राजकीयकृत रहमानिया उच्च विद्यालय, तारा में 25 जून को सुबह 8 बजे शिक्षक-अभिभावक गोष्ठी होगी। प्रधानाध्यापक मनोज कुमार ने बताया कि यह आयोजन विभागीय आदेशानुसार किया जा रहा है। उन्होंने छात्र-छात्राओं के माता-पिता, विद्यालय प्रबंधन समिति और पूरे विद्यालय परिवार से समय पर उपस्थित होने की अपील की है।

सरकारी व गैरसरकारी विद्यालयों में योग दिवस पर उल्लास

छात्रों, शिक्षकों व अभिभावकों ने लिया योग का संकल्प

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मोहम्मदगंज प्रखंड के विभिन्न सरकारी और गैरसरकारी विद्यालयों में विशेष आयोजन हुए। स्थानीय पीएमश्री राजकीयकृत प्लस टू, आदर्श राजकीयकृत प्लस टू रहमानिया उच्च विद्यालय तारा, एवं उत्क्रमित मध्य विद्यालय भजनियां सहित

अन्य संस्थानों में योग दिवस उल्लासपूर्वक मनाया गया। योग अभ्यास में प्रधानाध्यापक राकेश कुमार सिंह, मनोज कुमार, शिक्षक सत्येंद्र कुमार, महेंद्र कुमार, अरविंद कुमार, सुनील कुमार, अजय गोस्वामी व संतोष कुमार सहित विद्यालय प्रबंधन समिति के पदाधिकारी एवं छात्र-छात्राएं शामिल हुए। इस दौरान उपस्थित सभी लोगों ने योग को नियमित जीवनशैली में शामिल करने की बात कही।

गोस्वामी समाज की बैठक में संगठन सशक्तिकरण पर बल

नवीन मेल संवाददाता

पांकी। मंझौली गांव में गोस्वामी समाज की बैठक पूर्व अध्यक्ष रामचंद्र गोस्वामी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में शिक्षा, संगठन निर्माण और सामाजिक सशक्तिकरण पर चर्चा हुई। प्रदेश सचिव श्याम लाल गोस्वामी, मीडिया प्रभारी मुकेश गोस्वामी व जिला अध्यक्ष सुनील गोस्वामी ने समाज को संगठित करने का आह्वान किया। बैठक में प्रखंड कमेटी का गठन किया गया, जिसमें उमेश गोस्वामी को अध्यक्ष और पंकज गोस्वामी को सचिव बनाया गया। बैठक में सैकड़ों समाज के लोगों ने भाग लिया।

सम्मान समारोह छात्र-छात्राओं के लिए प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

हुसैनाबाद के 62 टॉपर्स विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। आचार्य सिद्धेश्वर फाउंडेशन के तत्वावधान में हुसैनाबाद अनुमंडल के मैट्रिक व इंटरमीडिएट परीक्षा के टॉपर्स विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। समारोह का आयोजन जपला-छत्तरपुर रोड स्थित सभागार में किया गया, जिसकी अध्यक्षता अंगद किशोर और संचालन श्रवण अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को किट बैग व प्रशस्ति पत्र भेंट किए गए। शशि कुमार, कुशजी पांडेय, प्रो. शिवकुमार विश्वकर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। इस अवसर पर 62 छात्र-छात्राओं को सम्मान मिला।

घटा, बाढ़ का खतरा टला

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। शनिवार को कोयल नदी का जलप्रवाह घटकर 61925 क्यूसेक पर आ गया है, जिससे निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा समाप्त हो गया है। कार्यपालक अभियंता विनीत प्रकाश के अनुसार फिलहाल 17 गेट खुले रखे गए हैं। पिछले दो दिनों में

जलप्रवाह क्रमशः 2.5 लाख और 1.19 लाख क्यूसेक था, जिसके कारण पहले 38 और फिर 25 गेट खोलने पड़े थे। मुख्य नहर में पानी छोड़ने हेतु जल भंडारण पर्याप्त है, परंतु लाइनिंग कार्य पूरा न होने से इसमें एक सप्ताह की देरी हो सकती है। निर्धारित तिथि 25 जून के आसपास ही पानी छोड़े जाने की संभावना जताई गई है।

लोक लेखा समिति का एमएमसीएच दौरा अनियमितताओं को लेकर जताई गहरी नाराजगी

● दवा वितरण से लेकर एक्सरे जांच तक कई स्तर पर पाई गई लापरवाही

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। लोक लेखा समिति के सभापति और सदस्यों ने शुक्रवार को मेदिनीनगर परिसदन भवन में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। बैठक के बाद समिति ने मेदिनीनगर मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एमएमसीएच) का निरीक्षण किया, जिसमें कई गंभीर अनियमितताएं उजागर हुईं।

निरीक्षण के दौरान समिति के सदस्यों ने इमरजेंसी ओपीडी, वार्ड, दवा वितरण केंद्र और मणिपाल हेल्थ मैप द्वारा संचालित एक्सरे विभाग की जांच की। समिति ने पाया कि डॉक्टर द्वारा लिखी गई जांच रिपोर्ट का अलग से कोई रजिस्टर नहीं है। अस्पताल अधीक्षक को निर्देशित किया गया कि एक अलग रजिस्टर बनाकर मणिपाल हेल्थ मैप की रिपोर्ट से मिलान सुनिश्चित करें, ताकि पारदर्शिता बनी रहे।

समिति ने अस्पताल में लापरवाही और एक्सपायरी दवाओं के वितरण का भी मुद्दा उठाया। सदस्यों ने कहा कि कई मामलों में मरीजों को समय पर जरूरी सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। पलामू सिविल सर्जन न तो बैठक में उपस्थित थे और न ही निरीक्षण के समय मौजूद रहे।

विधायक आलोक चौरसिया ने दौरे के दौरान कहा कि दवा घोटाला और आम सुविधाओं की कमी गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने बताया कि उन्होंने मरीजों से सीधे बातचीत की, जिसमें सामने आया कि ज़रूरी सुविधाएं अस्पताल प्रशासन की ओर से नहीं मिल रही हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि दोषी पदाधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ओपीडी में डॉक्टर नहीं मिले, समिति ने जताई नाराजगी

अस्पताल भ्रमण से कुछ ही देर पहले इमरजेंसी ओपीडी में एक भी डॉक्टर मौजूद नहीं थे। समिति के सदस्यों ने इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए नाराजगी जताई। विधायक आलोक चौरसिया ने भी इस पर चिंता व्यक्त की और व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता बताई।

लोक लेखा समिति ने की समीक्षा विकास योजनाओं की प्रगति पर हुई चर्चा

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिला मुख्यालय स्थित परिसदन भवन में शुक्रवार को लोक लेखा समिति की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बरकट्ठा विधायक अमित यादव और मनोहरपुर विधायक जगत मांझी ने संयुक्त रूप से की। इस अवसर पर डाल्टनगंज विधायक आलोक चौरसिया भी बैठक में उपस्थित रहे।

बैठक में जिला प्रशासन की ओर से उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक सहित सभी विभागों के वरीय अधिकारी मौजूद थे। बैठक के दौरान लोक लेखा समिति के सभापति एवं सदस्यों ने जिले में चल रही विकास योजनाओं की समीक्षा की। खासतौर पर लंबित योजनाओं की स्थिति, कार्यों की गुणवत्ता, समयबद्धता और आम जनता तक लाभ की पहुंच जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

समीक्षा बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, पेयजल, सड़क निर्माण, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, शहरी योजनाएं, मनरेगा और अन्य कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की गहन जांच की गई। जनप्रतिनिधियों ने संबंधित विभागों के अधिकारियों से योजनाओं के बेहतर कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि भविष्य में योजनाओं की प्रगति की निगरानी और जन सहभागिता को बढ़ावा देने के लिए नियमित अंतराल पर समीक्षा की जाएगी।

एसबीआई आरसेटी पलामू में 31 प्रशिक्षणार्थियों को मिला उद्यमिता विकास प्रशिक्षण का प्रमाण-पत्र

● 12 दिवसीय प्रशिक्षण के बाद एनएआर ने किया मूल्यांकन

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। शनिवार को एसबीआई आरसेटी पलामू परिसर में 12 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके 31 प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम के समापन के उपरांत राष्ट्रीय मूल्यांकन एजेंसी द्वारा प्रशिक्षण का आकलन भी किया गया।

प्रमाण पत्र वितरण समारोह में आरसेटी के निदेशक ब्रह्मानंद सह, संकाय सदस्य जितेंद्र मेहता, जयंत चक्रवर्ती, कार्यालय सहायक मणिकांत दुबे, शशिरंजन कुमार, मनोज चौधरी, संजय राम और अमरनाथ सहित सभी 31 प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे। निदेशक ब्रह्मानंद सह ने प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण उन्हें स्वरोजगार की दिशा में मजबूत आधार देगा। ज्ञात हो कि एसबीआई आरसेटी पलामू का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के बेरोजगार युवक-युवतियों और महिलाओं को स्वरोजगार के लिए प्रशिक्षित कर आत्मनिर्भर बनाना है। प्रशिक्षण के बाद कई प्रतिभागी खुद का व्यवसाय शुरू कर चुके हैं और आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर हो रहे हैं। इस अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों ने भी अपने अनुभव साझा किए और संस्थान को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के अंत में सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त करने पर सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

वरिष्ठ नागरिकों को मिला 'आयुष्मान वय वंदना कार्ड', मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज में शिविर आयोजित

सांसद विष्णु दयाल राम ने किया शिविर का उद्घाटन, मौके पर बनाए गए आयुष्मान कार्ड

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू सांसद विष्णु दयाल राम ने शनिवार को मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल परिसर में आयोजित विशेष शिविर का उद्घाटन किया। यह शिविर 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए केंद्र सरकार की 'आयुष्मान वय वंदना योजना' के तहत लगाया गया था। उद्घाटन के बाद सांसद ने कई वरिष्ठ नागरिकों का ऑन द स्पॉट आयुष्मान कार्ड बनवाकर उन्हें मौके पर ही सौंपा।

सांसद ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में देशभर में यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 70 वर्ष से अधिक उम्र के सभी नागरिकों को स्वास्थ्य लाभ सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से 'आयुष्मान वय वंदना कार्ड' जारी किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत पात्र वरिष्ठ नागरिकों को सामाजिक-आर्थिक स्थिति की परवाह किए बिना प्रतिवर्ष 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क स्वास्थ्य बीमा कवर मिलेगा। यह कार्ड लगभग 2000 चिकित्सा प्रक्रियाओं को कवर करता है और सभी पूर्व-विद्यमान बीमारियों के इलाज की सुविधा पहले दिन से देता है।

सांसद ने अपील की कि 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी नागरिक अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र, अस्पताल, आंगनवाड़ी या प्रज्ञा केंद्र में जाकर योजना के लिए पंजीकरण कराएं। इसके अलावा, वेबसाइट या 'आयुष्मान ऐप' के माध्यम से भी स्वयं पंजीकरण किया जा सकता है। जानकारी के लिए टोल-फ्री नंबर 14555 या 1800110770 पर मिस्ड कॉल दी जा सकती है।

उन्होंने यह भी कहा कि यदि सूचीबद्ध अस्पतालों में किसी को योजना का लाभ देने में परेशानी हो, तो वे सीधे उन्हें या भाजपा पदाधिकारियों को सूचित करें, ताकि संबंधित मरीज को लाभ मिल सके। कार्यक्रम में उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी सरकार की 11 वर्षों की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि देश में स्वास्थ्य, कृषि, व्यापार, महिला सशक्तिकरण, विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में ऐतिहासिक कार्य हुए हैं।

इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष अमित तिवारी, सांसद प्रतिनिधि विजय ओझा, सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार सिंह, अस्पताल अधीक्षक डॉ. अजय कुमार, धर्मदेव सिंह यादव, शिव कुमार मिश्रा, छोटू सिन्हा, श्रवण गुप्ता, पंकज तिवारी, भोला पांडेय, नंदलाल प्रसाद, संजय कुमार, विजय कुशवाहा, अलख दुबे, कौशल झा सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ नागरिक उपस्थित थे।

भाजपा का 24 जून को जिला स्तरीय आक्रोश प्रदर्शन, हेमंत सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

● भाजपा के पलामू जिला अध्यक्ष बोले— भ्रष्टाचार, अपराध और जनविरोधी नीतियों के खिलाफ सड़कों पर उतरेगी भाजपा

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। भारतीय जनता पार्टी पलामू जिला अध्यक्ष अमित कुमार तिवारी ने कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति बदहाल हो चुकी है और भ्रष्टाचार चरम पर है। उन्होंने कहा कि 24 जून को प्रखंड स्तर पर जिले भर में जनाक्रोश प्रदर्शन किया जाएगा। तिवारी ने कहा कि पूरे प्रदेश में हत्या, लूट, बलात्कार की घटनाएं बढ़ी हैं और सरकार मूकदर्शक बनी हुई है। आयुष्मान योजना बंद है, अस्पतालों में दवाएं नहीं हैं, विद्यालयों में शिक्षक नहीं हैं। किसानों को धान का मूल्य नहीं मिला और प्रमाण पत्र बनवाने से लेकर म्यूटेशन तक में रिश्वत लेनी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि वृद्धा, विधवा और दिव्यांग पेंशन महीनों से बंद है, आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषण सामग्री की कमी है और सड़कें जर्जर हो चुकी हैं। नगर निकाय चुनाव न होने से शहरी क्षेत्र उपेक्षित हैं। भाजपा की मांग है कि कानून व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाए, थानों को जिम्मेदार बनाया जाए, किसानों को बकाया भुगतान दिया जाए, और भ्रष्टाचार मुक्त प्रमाण पत्र प्रणाली सुनिश्चित हो। पेसा कानून लागू किया जाए, शिक्षकों और चिकित्सकों की नियुक्ति हो, और आयुष्मान योजना को पुनः चालू किया जाए। अमित तिवारी ने कहा कि भाजपा राज्य की दुर्दशा को देखते हुए शांत नहीं बैठ सकती, अब जनहित में निर्णायक लड़ाई लड़ी जाएगी।

आबादगंज में कॉग्निटस संस्थान की शुरुआत, पूर्व मंत्री के. एन. त्रिपाठी बोले –

शिक्षा ही समाज को बदलने की सबसे बड़ी शक्ति है

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। शहर के आबादगंज स्थित मिशन गर्ल्स स्कूल के सामने कॉग्निटस इंस्टीट्यूट का भव्य शुभारंभ फीता काट कर किया गया। उद्घाटन समारोह में बड़ी संख्या में छात्र और अभिभावक मौजूद रहे। मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री के. एन. त्रिपाठी ने संस्थान के उद्घाटन अवसर पर कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है जो समाज में बदलाव ला सकती है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के संस्थानों की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी।

इस अवसर पर कोचिंग संस्थान संघ के अध्यक्ष निरंजन मेहता व अंग्रेजी के अवकाशप्राप्त प्रोफेसर डॉक्टर फैयाज अहमद विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि कॉग्निटस संस्थान पलामू में शिक्षा के क्षेत्र में भविष्य गढ़ेगा।

संस्थान के निदेशक इसर अफज़ल, जो डीआरडीओ में 16 वर्षों तक वैज्ञानिक रहे, ने बताया कि यहां छात्रों को केवल परीक्षा पास कराने के लिए नहीं, बल्कि समस्याओं को हल करने के लिए तैयार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि संस्थान का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को कम शुल्क में उपलब्ध कराना है, ताकि हर वर्ग के छात्र लाभान्वित हो सकें।

संस्थान में गणित, विज्ञान, नीट, जेईई, ओलंपियाड और सीबीएसई फाउंडेशन पाठ्यक्रम के लिए अनुभवी शिक्षक और स्मार्ट क्लासरूम की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। प्रमुख शिक्षकों में मो. ज़ेया अहमद, मो. शब्बीर, नीलेश कुमार और मोहम्मद ज़ीशान शामिल हैं। संस्थापक मो. ज़ेया अहमद ने बताया कि हमारा प्रयास छात्रों को सिर्फ अकादमिक रूप से नहीं, बल्कि सामाजिक रूप से भी जागरूक नागरिक बनाना है।

कार्यक्रम के अंत में कई छात्रों ने उसी दिन नामांकन भी कराया। छात्र और अभिभावक संस्थान की गुणवत्ता और उद्देश्य से प्रभावित दिखे।

कामेश्वर अवध इंटरनेशनल स्कूल में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित

● प्रधानाचार्य एम. पी. मिश्रा ने छात्रों संग किया योग, जीवन में योग के महत्व पर डाला प्रकाश

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शनिवार को कामेश्वर अवध इंटरनेशनल स्कूल परिसर में योग अभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य एम. पी. मिश्रा ने उपस्थित रहकर छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के साथ सामूहिक योगाभ्यास किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानाचार्य मिश्रा ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि यह मानसिक और आत्मिक संतुलन का माध्यम है। नियमित योगाभ्यास से जीवन में अनुशासन, एकाग्रता और सकारात्मक ऊर्जा आती है, जिससे व्यक्ति हर क्षेत्र में सफलता की ओर अग्रसर होता है। योग सत्र में विद्यालय के शिक्षक विजय कुमार दुबे, मुकेश सिंह, अवन सहित अन्य शिक्षकगण, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उत्साहपूर्वक शामिल हुए। सभी ने विभिन्न योगासन कर स्वस्थ जीवन के प्रति जागरूकता और प्रेरणा का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार द्वारा यह निर्णय लिया गया कि वे प्रतिदिन योग को जीवनशैली का हिस्सा बनाएंगे और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे।

आस्था

चियांकी राज पहाड़ी मंदिर का बदला स्वरूप, श्रद्धालु और पर्यटक बड़ी संख्या में कर रहे हैं भ्रमण

प्राचीन गुफा में स्थित शिवलिंग और त्रिदेवियों की पिंडी के प्रति लोगों में गहरी आस्था

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। शहर से लगभग पांच किलोमीटर दूर चियांकी स्थित राज पहाड़ी मंदिर की तस्वीर अब पूरी तरह बदल चुकी है। पर्यटन विभाग द्वारा कराए गए सौंदर्यीकरण कार्यों के बाद यह स्थल न केवल श्रद्धा का केंद्र बना है, बल्कि पर्यटन के दृष्टिकोण से भी लोगों को आकर्षित कर रहा है। पहले जहां सुरक्षा और सुविधा की कमी के कारण लोग इस स्थल पर जाने में हिचकते थे, अब बड़ी संख्या में शहरवासी परिवारों के साथ यहां पहुंच रहे हैं।

राज पहाड़ी पर स्थित प्राचीन गुफा में स्थापित शिवलिंग और त्रिदेवियों की पिंडी के प्रति लोगों की विशेष आस्था है। श्रद्धालुओं का मानना है कि यहां मन्नत मांगने से मनोकामनाएं अवश्य पूरी होती हैं। गुफा के अंदर की शांति और आध्यात्मिकता श्रद्धालुओं को विशेष अनुभव प्रदान करती है।

मंदिर के पुजारी दीपक तिवारी के अनुसार गुफा में स्थित शिवलिंग सैकड़ों वर्ष पुराना है। वर्ष 2017 में बारालोटा निवासी कृष्ण वल्लभ तिवारी ने अपने माता-पिता की स्मृति में यहां एक भव्य शिव मंदिर का निर्माण कराया, जिसमें शिव-पार्वती के साथ राधा-कृष्ण, भगवान गणेश, कार्तिकेय और हनुमान जी की मूर्तियां भी स्थापित की गई हैं।

मंदिर प्रतिदिन सुबह 6 बजे से 11 बजे तक और संध्या 3 बजे से 8 बजे तक श्रद्धालुओं के लिए खुला रहता है। वर्तमान में यह स्थल सेल्फी, वीडियोग्राफी और पारिवारिक सैर के लिए भी लोकप्रिय हो गया है, जिससे मेदिनीनगर के पर्यटन मानचित्र पर एक और खूबसूरत स्थल जुड़ गया है।

पुनर्निर्माण की आवश्यकता

पहले यहां पहुंचने के लिए पथरीले और कठिन रास्तों से गुजरना पड़ता था, लेकिन अब पर्यटन विभाग द्वारा करीब 50 लाख रुपये की लागत से सीढ़ियों, स्टील रेलिंग, सोलर लाइट, सुलभ शौचालय और मंदिर परिसर में फेवर ब्लॉक जैसे सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। कुल 500 मीटर लंबी सीढ़ी और सुरक्षा के लिए लगाए गए डस्टबिन इस स्थल को व्यवस्थित बनाए हुए हैं। हालांकि, मंदिर तक जाने वाली पीसीसी सड़क की स्थिति अभी भी जर्जर है और इसके पुनर्निर्माण की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

जरूरतमंदों को मिल रहा समृद्धि की रोटी अभियान का लाभ

● मिशन समृद्धि संस्था का सेवा भाव बना मिसाल, किसी भी मौसम में नहीं रुकता अभियान

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। जरूरतमंदों की मदद के लिए समर्पित संस्था मिशन समृद्धि द्वारा संचालित 'समृद्धि की रोटी' अभियान लगातार जारी है। यह अभियान हर मौसम, हर परिस्थिति में सेवा कार्य को जारी रखता है। संस्था के सदस्यों की मानें तो यह सिर्फ रोटी बांटने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक सामाजिक संकल्प है— जिससे रोज़ाना कई ज़रूरतमंदों को सम्मानपूर्वक भोजन मिल रहा है। अभियान के तहत रविवार को अंबेडकर पार्क के सामने दोना-पत्तल और दातून बेचने वालों के बीच रोटी-सब्जी का वितरण किया गया। इस अवसर पर संस्था की सक्रिय सदस्य बैजन्ती गुप्ता, वीणा राज, ममता कुमारी, शिल्पी गोस्वामी और बेबी पांडेय ने विशेष योगदान दिया। संस्था की ओर से कहा गया कि यह अभियान न तो मौसम से प्रभावित होता है, न ही किसी अवरोध से। सेवा की यह निरंतरता ही इसकी सबसे बड़ी पहचान है। संस्था ने उन परिवारों का भी आभार जताया जो प्रतिदिन निष्ठापूर्वक रोटियां बनाकर इस अभियान को जीवंत बनाए रखते हैं। मिशन समृद्धि की टीम ने ईश्वर से कामना की है कि यह अभियान भविष्य में भी अनवरत चलता रहे और कोई भी ज़रूरतमंद भूखा न सोए। यह प्रयास सामाजिक सेवा की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल बन चुकी है।

बरसात की पहली बारिश में ही टूट गई 165 करोड़ की नहर, किसानों के समक्ष संकट

नवीन मेल संवाददाता

कांडी। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी सिंचाई योजना ह्यबाई बाकी परियोजनाह्ल के तहत बन रही नहर बरसात की पहली बारिश भी नहीं झेल सकी और टूट गई। करीब 165 करोड़ की लागत से हरदेव कंस्ट्रक्शन द्वारा बनाई जा रही यह नहर कांडी प्रखंड के जमुदहा नाला के पास ध्वस्त हो गई है। इससे कुशहा, सन्नी, रक्सही और भरत पहाड़ी के खेतों में मलबा भर गया है, जिससे किसानों की खेती बर्बाद होने की कगार पर पहुंच गई है। एक तरफ सिंचाई बाधित हो गई है, दूसरी ओर खेतों में कीचड़ भरने से बुआई असंभव हो गई है। ग्रामीणों ने बताया कि परियोजना केवल कागज पर पूरी दिखाई जा रही है, जबकि धरातल पर निर्माण अधूरा है और गुणवत्ता भी बेहद खराब है। सिंचाई विभाग के इंजीनियरों को जानकारी दे दी गई है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

सड़क निर्माण बना ग्रामीणों के लिए जी का जंजाल

नवीन मेल संवाददाता

रमना। बाबुडीह से बुल्का तक निमार्णाधीन 12 किमी लंबी सड़क ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बन गई है। वर्ष 2023 में शुरू हुई इस योजना को 7 मार्च 2025 तक पूरा किया जाना था, लेकिन अब तक कार्य अधूरा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि संवेदक ने लापरवाही से कार्य करते हुए मोरम की जगह दलदली मिट्टी का उपयोग किया है, जिससे हल्की बारिश में ही कीचड़ की स्थिति बन जाती है। ग्रामीण उपेंद्र कुमार ने बताया कि पहले खराब सड़क बेहतर थी, कम से कम उस पर कीचड़ नहीं था। वहीं बिमलेश सिंह ने आरोप लगाया कि जीएसबी में भी मिट्टी मिलाई जा रही है, जिससे सड़क की गुणवत्ता खराब हो रही है। बच्चों के स्कूल जाने में भी कठिनाई हो रही है। इस संबंध में कनीय अभियंता संजीत कुमार ने बताया कि डब्लूएमएम की गुणवत्ता जांची गई है और वह मानक के अनुसार है। उन्होंने बताया कि योजना में देरी का कारण समय पर राशि उपलब्ध न होना और बारिश का शुरूआती असर रहा है। उन्होंने आश्वस्त किया कि बरसात के बाद किनारों पर मोरम डाला जाएगा और ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

105 वर्षीय सहोदर कुंवर का निधन, अंतिम यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

मझिआंव। गढ़वा जिले के मझिआंव प्रखंड अंतर्गत एक सदी से भी अधिक आयु जी चुकी सहोदर कुंवर का सोमवार को 105 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वे वरिष्ठ पत्रकार अमित मेहता की दादी थीं और स्वर्गीय चारीतर मेहता की पत्नी थीं। धार्मिक प्रवृत्ति और संघर्षशील जीवन जीने वाली सहोदर कुंवर ने अपने परिवार को संस्कारों और शिक्षा का मूल मंत्र दिया। उनके निधन से गांव और परिवार में शोक की लहर दौड़ गई है। उनकी अंतिम यात्रा में सैकड़ों ग्रामीणों ने भाग लिया। अंतिम संस्कार कोयल नदी के घाट पर विधिपूर्वक किया गया। पारसनाथ मेहता ने मुखाग्नि दी, जबकि पोते राजू, राजा, अमित, विवेक और उदय ने कंधा दिया। ग्रामीणों का कहना है कि उनके निधन से एक युग का अंत हो गया है।

एनीमिया पर वार: कस्तूरबा विद्यालय में विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित

नवीन मेल संवाददाता

चिनिया। झारखंड सरकार के एनीमिया मुक्त झारखंड सप्ताह अभियान के तहत कस्तूरबा गांधी आवासीय उच्च विद्यालय, चिनिया में विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन हुआ। यह कार्यक्रम रंका के उर्जा उपविकास पदाधिकारी के आदेश और गढ़वा उपायुक्त के निर्देश पर संपन्न हुआ। शिविर में डॉ. मोहम्मद इश्तियाक, डॉ. प्रीति सिंह तिवारी, एएनएम चिंता कुमारी, एमपीडब्ल्यू लाल मोहम्मद अंसारी समेत अन्य स्वास्थ्यकर्मियों ने छात्राओं की जांच की। मुख्य रूप से एनीमिया, मलेरिया और डेंगू जैसी बीमारियों की रोकथाम पर फोकस किया गया। छात्राओं को संतुलित आहार, आयरन फोलिक एसिड सेवन और स्वच्छता के महत्व की जानकारी दी गई।

सगमा के जवान मिथलेश यादव का अंतिम संस्कार, नम आंखों से दी विदाई

नवीन मेल संवाददाता

सगमा। धुरकी थाना क्षेत्र के सगमा गांव निवासी एसआईएसएफ जवान मिथलेश प्रसाद यादव का पार्थिव शरीर रविवार को उनके पैतृक गांव पहुंचा, जहां सैकड़ों ग्रामीणों ने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी। शनिवार को हजारीबाग में ड्यूटी के दौरान दुर्घटनावश रायफल से गोली लगने से उनकी मृत्यु हो गई थी। मृत्यु के बाद हजारीबाग पुलिस प्रशासन द्वारा आवश्यक जांच व प्रक्रिया पूरी कर देर रात जवान का शव परिजनों को सौंपा गया। इसके बाद पार्थिव शरीर को गढ़वा पुलिस लाइन लाया गया, जहां रात्रि में रखा गया। रविवार सुबह पुलिस सम्मान के साथ शव को उनके गांव भेजा गया। जैसे ही शव सगमा पहुंचा, पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। ग्रामीणों की उपस्थिति में पार्थिव शरीर को बंबा डैम किनारे ले जाकर अंतिम संस्कार किया गया। जवान को मुखाग्नि उनके छोटे इकलौते पुत्र ने दी। इस हृदयविदारक दृश्य को देख कर हर आंख नम हो गई। अंतिम संस्कार में विधायक अनंत प्रताप देव, झामुमो के केंद्रीय अध्यक्ष ताहिर अंसारी, प्रखंड अध्यक्ष हरिदास यादव, प्रमुख अजय शाह, उपप्रमुख अर्जुन पासवान, पूर्व उपप्रमुख संजय यादव, भाजपा मंडल अध्यक्ष दिलीप यादव, सगमा मुखिया तेजलाल राम, पूर्व मुखिया नारायणदास यादव, देवचंद यादव, चंद्रिका यादव, परमेश्वर यादव, रविरंजन यादव, बबलू ठाकुर, हनुमंत यादव, वरिष्ठ भाजपा नेता अजय प्रसाद यादव, हजारी प्रसाद यादव, राजेश बैठा, राजेंद्र राम और धर्मजित यादव सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

स्वरोजगार लक्ष्य को लेकर समन्वय समिति की बैठक, प्रशिक्षण तेज करने पर जोर

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान में अग्रणी बैंक प्रबंधक सत्यदेव रंजन की अध्यक्षता में समन्वय समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में जेएसएलपीएस और आरसेटी के अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में निर्देश दिया गया कि 2025-26 के लक्ष्य को पूर्ण करने हेतु प्रत्येक प्रखंड से ग्रामीणों को चिन्हित कर उन्हें विभिन्न ट्रेडों में स्वरोजगार प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाए। कैलेंडर अनुसार प्रशिक्षण सत्र चलाने और प्रतिभागियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने की योजना बनाई गई। जेएसएलपीएस के जिला प्रबंधक नवल किशोर राजू ने कहा कि संस्थान द्वारा उपलब्ध कराए गए प्रशिक्षण कैलेंडर के आधार पर लाभुकों को प्रशिक्षण दिलाकर आत्मनिर्भर बनाया जाएगा। बैठक में संकाय सदस्य मिथिलेश कुमार सिंह, नकुल लोहरा, जोश लकड़ा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मिलिनियम पब्लिक स्कूल में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। विशुनपुर स्थित मिलिनियम पब्लिक स्कूल में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विशेष आयोजन हुआ। निदेशक मो. मुमताज राही और चेयरपर्सन नूरजहां बेगम की उपस्थिति में योगाभ्यास प्रारंभ हुआ। योग शिक्षक नागेंद्र प्रसाद सिंह के नेतृत्व में सूर्य नमस्कार, प्राणायाम, वृक्षासन, त्रिकोणासन समेत अन्य योग क्रियाएं कराई गईं। निदेशक ने योग को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का आधार बताते हुए इसकी दैनिक दिनचर्या में शामिल करने पर बल दिया।

पतंजलि झारखंड प्रभारी का स्वागत, योग को जीवन का आधार बनाने पर जोर

नवीन मेल संवाददाता

मेराल। पतंजलि योग समिति के झारखंड राज्य प्रभारी रामजीवन पांडे रविवार को गढ़वा जिले के दो दिवसीय प्रवास के क्रम में मेराल पहुंचे, जहां कार्यकर्ताओं द्वारा उनका जोरदार स्वागत किया गया। पतंजलि प्रखंड कार्यालय में आयोजित स्वागत समारोह में संरक्षक डॉ. अनिल साह, मुखिया रामसागर महतो, प्रखंड प्रभारी बलराम शर्मा, रविंद्र प्रसाद गुप्ता, वीरेंद्र प्रसाद गुप्ता, शिक्षक विनोद कुशवाहा और रविंद्र कुशवाहा सहित अन्य लोगों ने उन्हें फूलमाला और अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर रामजीवन पांडे ने कार्यकर्ताओं से परिचय प्राप्त कर संगठन को मजबूत बनाने, नियमित योग कक्षाओं के संचालन और स्वयं भी प्रतिदिन योगाभ्यास करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि यदि भगवान हमें कोई एक वरदान दें, तो हमें सदैव स्वस्थ रहने का वरदान मांगना चाहिए, क्योंकि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का वास होता है। उन्होंने कहा कि जीवन में सफल और संतुलित बने रहने के लिए योग को अपनी दिनचर्या में अपनाना अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम में जिला के नवनियुक्त बीएसटी प्रभारी संतोष कुमार चौबे, जिला मंत्री प्रदीप कुमार, अजय विश्वकर्मा, संजय प्रसाद सहित कई अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

भंडरिया में लंगड़ा बीमारी से मवेशियों की मौत, ग्रामीणों में आक्रोश

गढ़वा। भंडरिया प्रखंड के नौका, मरदा, सिकरिया, बंजारी और दुगार्डीह गांवों में लंगड़ा बीमारी के कारण दो दर्जन से अधिक मवेशियों की मौत हो चुकी है। पशु चिकित्सालय में ताला लटका मिला, जिससे किसानों में नाराजगी है। ग्रामीणों का आरोप है कि बीते 10 दिनों से कोई डॉक्टर या स्वास्थ्यकर्मी नहीं आया। जिला प्रशासन से मांग की गई है कि तत्काल इलाज और मृत पशुओं के परिजनों को मुआवजा मिले। चिकित्सा पदाधिकारी रणजीत डे ने बुधवार को विशेष शिविर आयोजित करने की बात कही है।

100 बेड अस्पताल व ट्रॉमा सेंटर को मिली मंजूरी, क्षेत्र में खुशी

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। विधायक अनंत प्रताप देव के प्रयासों से अनुमंडल में 100 बेड के नए अस्पताल और ट्रॉमा सेंटर की स्थापना को मंजूरी मिली है। राज्य सरकार ने इसके लिए 168 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। झामुमो नेताओं ने मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह भवनाथपुर क्षेत्र के लिए बड़ी सौगात है। साथ ही विधायक पावर प्लांट स्थापना के प्रयास में भी जुटे हैं, जिससे स्थानीय रोजगार में वृद्धि की संभावना जताई गई है।

अभ्यास योग से निरोग जीवन की ओर: सरस्वती शिशु मंदिर में विश्व योग दिवस मनाया गया

योग शरीर को निरोग व मन को स्थिर बनाता है : प्राचार्य

नवीन मेल संवाददाता

भवनाथपुर। सरस्वती शिशु मंदिर भवनाथपुर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विशेष योग अभ्यास सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व योग प्रमुख अभिषेक मिश्र और शारीरिक प्रमुख अजय सिंह ने किया। सूर्य नमस्कार, प्राणायाम, सूक्ष्म व्यायाम, ध्यान योग सहित विभिन्न आसनों का अभ्यास कराया गया। प्राचार्य शिव बालक प्रसाद ने कहा कि योग शरीर को निरोग और मन को स्थिर बनाता है। यह केवल व्यायाम नहीं बल्कि जीवनशैली है जिसे हर व्यक्ति को अपनाना चाहिए। उन्होंने बताया कि नियमित योगाभ्यास से शारीरिक और मानसिक संतुलन बेहतर होता है। कार्यक्रम में आचार्य, दीदी, विद्यार्थी, अभिभावक सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे और सभी ने सक्रिय भागीदारी निभाई। विद्यालय परिसर में उत्साहपूर्ण वातावरण में योग दिवस मनाया गया।

झामुमो हरिहरपुर मंडल में अंदरूनी विवाद कार्यकर्ताओं ने दी सामूहिक इस्तीफे की चेतावनी

नवीन मेल संवाददाता

कांडी। हरिहरपुर मंडल में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के अंदर भारी उथल-पुथल मची हुई है। हाल ही में पंचायत अध्यक्ष विकास सिंह के इस्तीफे ने संगठनात्मक विवाद को खुलकर सामने ला दिया है। शनिवार को मझिगवां पंचायत अध्यक्ष रमेश रजवार और सचिव शैलेन्द्र विश्वकर्मा ने प्रेसवार्ता कर कहा कि विकास सिंह को युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष द्वारा सर्वसम्मति से नियुक्त किया गया था और उन्होंने विधानसभा चुनाव में पार्टी के प्रत्याशी के पक्ष में कार्य भी किया। नेता द्वय का आरोप है कि अब पार्टी के कुछ लोग निजी वर्चस्व की लड़ाई में विकास सिंह को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि वरिष्ठ नेता पारदर्शिता नहीं अपनाते, तो मंडल के सभी कार्यकर्ता सामूहिक इस्तीफा देंगे। प्रेसवार्ता में रमेश रजवार, शैलेन्द्र विश्वकर्मा, देवनाथ रजवार, दीपू शर्मा, राहुल सिंह, अनिल साह और मुनिप बैठा समेत कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

धूप निकलते ही सक्रिय हुए किसान, खेतों में तैयारियां तेज

नवीन मेल संवाददाता

खरौंधी। लगातार बारिश के बाद रविवार को निकली धूप ने क्षेत्र के किसानों को बड़ी राहत दी है। खेतों में जमा पानी के सूखने से अब बिचड़ा लगाने की तैयारी शुरू हो गई है। ग्रामीण किसान खेतों की सफाई, मेड़ मरम्मत और बुआई की योजना बनाने में जुटे हैं। मक्का, तिल, अरहर जैसी फसलों की बुआई की भी तैयारी की जा रही है। किसान आशान्वित हैं कि यदि मौसम अनुकूल रहा तो खेती का कार्य समय पर पूरा किया जा सकेगा।

धरती आबा अभियान के तहत भूसुर पंचायत में शिविर आयोजित

जनजातीय समुदाय की समस्याओं के समाधान के लिए ग्रामीणों ने दिए आवेदन

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। सदर प्रखंड अंतर्गत भूसुर पंचायत सचिवालय में रविवार को धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत जनहितकारी शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज कुमार तिवारी, जीप सदस्य विनोद उरांव, झामुमो नेता व समाजसेवी सुशील कुमार यादव, मुखिया सुरेंद्र भगत एवं अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर संयुक्त रूप से किया गया।

उद्घाटन के बाद प्रखंड विकास पदाधिकारी ने शिविर की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि अनुसूचित जनजातीय समुदाय की समस्याओं के समाधान एवं कल्याण के उद्देश्य से यह शिविर आयोजित किया गया है। शिविर में

बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित हुए और अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन जमा किए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सभी प्राप्त आवेदनों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया जाएगा।

इस अवसर पर जीप सदस्य विनोद उरांव ने ग्रामीणों से अपील की कि वे ऐसे शिविरों में भाग लेकर सरकारी योजनाओं का लाभ उठाएं। वहीं झामुमो नेता सुशील कुमार यादव ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनजातीय अधिकारों और विकास के लिए प्रशासनिक प्रयासों की सराहना की।

शिविर में विभिन्न विभागों के स्टॉल भी लगाए गए थे, जहां ग्रामीणों को योजनाओं से संबंधित जानकारी दी गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पुरुषों, महिलाओं एवं युवाओं की भागीदारी देखी गई।

लाधुप पंचायत में धरती आबा उत्कर्ष शिविर का आयोजन सम्पन्न

- **जनजातीय परिवारों को बुनियादी सुविधाएं दिलाने को लेकर लगा शिविर**

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। रविवार को चंदवा प्रखंड के लाधुप पंचायत सचिवालय में जनजातीय गौरव उत्कर्ष धरती आबा जनभागीदारी अभियान के तहत जागरूकता एवं संतृप्ति शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुखिया बिफई मुंडा, पंसस बुधन गंझू और पंचायत सचिव अवतार सिंह ने दीप प्रज्वलित कर संयुक्त रूप से किया। पंचायत सचिव ने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि दुर्गम क्षेत्रों में निवास करने वाले जनजातीय समुदाय को सड़क, जल, स्वास्थ्य, बिजली, राशन कार्ड, आवास, संचार जैसी मूलभूत सुविधाएं दी जाएं। शिविर में आधार कार्ड, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम किसान, विधवा पेंशन, विकलांग पेंशन, जनधन खाता आदि से संबंधित विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए थे। सैकड़ों ग्रामीणों ने शिविर में भाग लिया और अपनी समस्याओं से जुड़े आवेदन जमा किए। मौके पर प्रखंड कर्मी अमित गुप्ता, लव कुमार सहित सभी विभागों के कर्मी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

मनरेगा योजनाओं में भ्रष्टाचार का आरोप, लाभुक ने की जांच की मांग

- **छेचा पंचायत के टिकुआ टोला में अधूरे कुएं निर्माण की उजागर हुई गड़बड़ी**

नवीन मेल संवाददाता

बेतला (लातेहार)। बरवाडीह प्रखंड में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत संचालित योजनाओं में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। स्थानीय ग्रामीणों और लाभुकों का आरोप है कि ईसीबी, दीदी बाड़ी, कुआं निर्माण, मेडबंदी सहित कई योजनाएं सिर्फ कागजों पर पूरी दिखाई गई हैं, जबकि वास्तविकता में कार्य नहीं हुआ।

छेचा पंचायत के टिकुआ टोला में सुमन कुजूर नामक आदिवासी महिला के नाम से वर्ष 2023–24 में एक सिंचाई कुएं की योजना स्वीकृत की गई थी, लेकिन गांव के ही एक बिचौलिए उज्वल प्रसाद ने योजना की जानकारी लाभुक को दिए बिना सिर्फ 5 से 7 फीट खुदाई कर काम अधूरा छोड़ दिया। सुमन कुजूर का आरोप है कि उनके नाम से बिना काम कराए 61 हजार रुपये की फर्जी निकासी कर ली गई। मामले की जानकारी होने पर पूछताछ करने पर आश्वासन तो मिला, पर डेढ़ साल बाद भी कुआं अधूरा है।

टिकुआ टोला के दर्जनों ग्रामीणों ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि बिचौलियों और अधिकारियों की मिलीभगत से मनरेगा में सरकारी धन का दुरुपयोग हो रहा है और असली जरूरतमंद लाभुक योजनाओं से वंचित हैं।

रैयतों के विरोध के बाद शुरू हुआ मगध एनटीपीसी का निर्माण कार्य

- **मुआवजा और नौकरी के आश्वासन के बाद कार्य बहाल, सीओ ने दिया निर्देश**

नवीन मेल संवाददाता

बालूमाथ। प्रखंड अंतर्गत मगध क्षेत्र में कन्वेयर बेल्ट निर्माण कार्य को शनिवार को ग्रामीण भू-रैयतों ने विरोध करते हुए रोक दिया। भू-रैयतों का आरोप था कि सीसीएल और एनटीपीसी कंपनियां बिना मुआवजा और नौकरी दिए जबरन भूमि पर काम करवा रही हैं।

सूचना मिलने पर बालूमाथ अंचलाधिकारी विजय कुमार मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से बातचीत की। ग्रामीणों ने बताया कि अब तक उन्हें न मुआवजा मिला है और न ही किसी को रोजगार दिया गया है। अंचलाधिकारी ने दोनों कंपनियों के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि वे 15 दिनों के अंदर रैयतों को मुआवजा और रोजगार प्रदान करें। इसके बाद ग्रामीणों के सहमति और आश्वासन पर निर्माण कार्य दोबारा शुरू किया गया। मौके पर एनटीपीसी और सीसीएल के अधिकारी, ग्रामीण खेमलाल गंझू, रूपलाल राणा, कृष्णा साव, रामवृक्ष साव, कुलदीप साव, मुकेश कुमार, राहुल कुमार, बसो साव, बसंत साव सहित सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

झामुमो अल्पसंख्यक मोर्चा में नई टीम घोषित इनायत और अबूल को मिली जिम्मेदारी

नवीन मेल संवाददाता

बालूमाथ। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय नेतृत्व ने लातेहार जिला अल्पसंख्यक मोर्चा के लिए नई कार्यकारिणी की घोषणा की है। लातेहार निवासी इनायत करीम को जिला अध्यक्ष और बालूमाथ के अबूल भाई को सचिव की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा पॉल एक्का, मुनाजिर हुसैन, अहद खान, मो. नौशाद को जिला उपाध्यक्ष, जबकि सुमन सुमरीन सोरेन को संगठन सचिव और महबूब आलम को कोषाध्यक्ष बनाया गया है। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने कहा कि वे संगठन को मजबूत करने और अल्पसंख्यकों से जुड़े कल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनावों में संगठन के प्रदर्शन को बेहतर बनाने की रणनीति पर कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर प्रदीप गंझू, औरंगज़ेब खान, नागदेव उरांव, मो. इमरान, शाहिद अंसारी सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

1932 खतियान और स्थानीय नीति पर बोले जयराम महतो

भाषा विवाद व युवाओं के रोजगार पर सरकार को घेरा, सिर्फ वादों तक सीमित हैं नीतियां

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। डुमरी विधायक और झारखंड क्रांति लोक मोर्चा (जेकेएलएम) के केंद्रीय अध्यक्ष जयराम महतो ने शनिवार शाम चंदवा में कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और पत्रकारों से बातचीत में राज्य सरकार पर कई गंभीर सवाल उठाए। वे पलामू से लौटते वक्त इंदिरा गांधी चौक स्थित विश्रामगृह परिसर में रुके थे, जहां पार्टी प्रखंड अध्यक्ष सुदामा प्रसाद के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। जयराम महतो ने कहा कि 1932 खतियान को लेकर सरकार की मंशा स्पष्ट नहीं है। राज्य के बजट सत्र के अंतिम दिन इस मुद्दे को उठाया गया था, लेकिन सरकार का जवाब सिर्फ ₹प्रक्रियाधीन₹ तक ही सीमित रहा। उन्होंने कहा कि यह दर्शाता है कि सरकार जनता के महत्वपूर्ण मुद्दों को लटकाकर रखना चाहती है। भाषा विवाद पर महतो ने कहा कि झारखंड में क्षेत्रवार भाषाएं बदलती हैं, इसलिए एक या दो भाषाओं को आधार बनाकर नीतियां बनाना उचित नहीं है। उन्होंने सर्वे के आधार पर प्रखंड या जिलावार भाषा सूचीकरण की मांग की। रोजगार और स्थानीय नीति को लेकर उन्होंने कहा कि राज्य गठन के 25 वर्ष बाद भी एक स्पष्ट स्थानीय नीति नहीं बन पाई है। आउटसोर्सिंग में भी अब बोलियों से नौकरी बंट रही है और 75% स्थानीय युवाओं को रोजगार का वादा सिर्फ कागजों में सीमित है।

मौके पर पलामू प्रमंडल अध्यक्ष पप्पू यादव, लातेहार जिला सचिव चंदन बड़ाइक, संतोष पासवान, दीपक मुंडा, विश्वकर्मा मुंडा, जितेंद्र कुमार, अशोक उरांव, नीरज यादव और राजवंश यादव समेत दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

साप्ताहिक बाजार में सड़क हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल

कुन्दा (चतरा)। थाना क्षेत्र के बनियाडीह साप्ताहिक बाजार के समीप रविवार को एक सड़क दुर्घटना में सिरका गांव निवासी अमरेश बैगा (पुत्र रोहन बैगा) गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार अमरेश अपने ससुराल डाडू गांव से मोटरसाइकिल द्वारा लौट रहा था। इसी दौरान बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गिर गई, जिससे वह मौके पर ही बेहोश हो गया। आस-पास मौजूद ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए घायल युवक को 108 एंबुलेंस के माध्यम से इलाज के लिए स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। परिजनों ने बताया कि अमरेश अपने रिश्तेदारों से मिलने के लिए ससुराल आया हुआ था और शाम को ही वापस लौट रहा था। घटना के बाद परिजनों के बीच अफरा-तफरी मच गई। फिलहाल उसकी स्थिति पर चिकित्सकों की निगरानी बनी हुई है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से बेहतर इलाज की मांग की है।

लातेहार नगर पंचायत ने चलाया जन-जागरूकता अभियान, नशा छोड़ने की अपील

लातेहार। राज्य सरकार के निर्देश पर जिले में 10 से 26 जून तक चलाए जा रहे मादक पदार्थ निषेध जन-जागरूकता अभियान के तहत लातेहार नगर पंचायत की ओर से वार्ड स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। नगर प्रशासक राजीव रंजन के निर्देश पर वार्डों में महिला समूह की सदस्यों ने लोगों को नशे के दुष्परिणामों के बारे में बताया। अभियान के तहत लोगों को नशीली दवाओं, तंबाकू, खैनी, सिगरेट और शराब के सेवन से होने वाले नुकसान की जानकारी दी गई। समूह की महिलाओं ने कहा कि नशा कैंसर जैसी असाध्य बीमारियों का कारण बन सकता है और इससे व्यक्ति, परिवार और समाज प्रभावित होता है। युवाओं से अपनी ऊर्जा सकारात्मक कार्यों में लगाने और नशे से दूरी बनाने की अपील की गई। यह अभियान आगामी दिनों तक लगातार जारी रहेगा।

भाजपा की बैठक में तय हुए आगामी कार्यक्रमों के एजेंडे

- **आवासीय कार्यालय में हुई बैठक, कार्यक्रमों की सफलता को लेकर दिए गए दिशा-निर्देश**

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। भारतीय जनता पार्टी लातेहार जिला इकाई की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को जिलाध्यक्ष पंकज कुमार सिंह की अध्यक्षता में उनके आवासीय कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक का आयोजन दोपहर करीब एक बजे हुआ, जिसमें विभिन्न आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा और उनकी तैयारी पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में बताया गया कि 23 जून को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर सभी बूथों पर उनकी तस्वीर पर माल्यार्पण किया जाएगा। 24 जून को जिलेभर में व्याप्त भ्रष्टाचार के विरोध में आक्रोश प्रदर्शन का आयोजन किया जाएगा। वहीं 25 जून को आपातकाल पर प्रदर्शनी और सेमिनार, 29 जून को 'मन की बात' कार्यक्रम, और 30 जून को हूल दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित होंगे।

बैठक में इन सभी कार्यक्रमों की सफलता के लिए कार्यकर्ताओं को दिशा-निर्देश दिए गए। मौके पर जिला उपाध्यक्ष उषा देवी, महामंत्री बंसी यादव, सांसद प्रतिनिधि अमलेश सिंह, मीडिया प्रभारी मुकेश पांडेय, कोषाध्यक्ष विष्णु गुप्ता, विधायक प्रतिनिधि अनिल सिंह, जिला मंत्री आशा देवी, मंडल अध्यक्ष प्रमोद गुप्ता और नगर अध्यक्ष विवेक चंद्रवंशी उपस्थित थे।

परसही पंचायत में सड़क निर्माण को लेकर ग्रामीणों में रोष

लातेहार। सदर प्रखंड के परसही पंचायत में एनआरईपी (राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम) के तहत बनाई जा रही पीसीसी सड़क में घटिया निर्माण का आरोप लगाकर ग्रामीणों ने विरोध जताया है। जानकारी के अनुसार, उत्क्रमित मध्य विद्यालय से कृषि फार्म होते हुए जगु भुइयां के घर तक 99.326 लाख की लागत से पीसीसी सड़क का निर्माण कराया जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क निर्माण में जीएसबी (ग्रेडेड सोल बॉन्ड) की परत मानक के अनुसार 6 से 8 इंच की जगह मात्र 2 से 3 इंच ही डाली जा रही है। इस तरह की अनियमितता से निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं। बता दें कि यह परत सड़क की मजबूती का आधार होती है और जल निकासी व भार वितरण के लिए अत्यंत आवश्यक होती है। ग्रामवासियों ने जब विरोध किया, तब विभागीय अभियंता ने स्थल पर जांच कर संवेदक को सुधार का निर्देश भी दिया, लेकिन अभी तक कार्य में कोई सुधार नहीं हुआ है। ग्रामीणों ने कार्य पूर्ण रुकवाने और जांच कराने की मांग की है।

इलाज के अभाव में महिला की मौत प्रेम विवाह बना उपेक्षा का कारण

कुंदा (चतरा)। कुंदा थाना क्षेत्र के बनाशाम गांव में इलाज के अभाव में सुनीता देवी की मौत हो गई। बताया गया कि सुनीता की शादी अवधेश गंझु से प्रेम संबंधों के बाद हुई थी। दंपति के बीच दिसंबर महीने में आपसी विवाद हुआ, जिसके बाद सुनीता देवी आग से जल गई थी। घटना के बाद पति अवधेश उसे बेसहारा छोड़ बाहर चला गया, जबकि मायके पक्ष ने भी साथ नहीं दिया। घायल अवस्था में सुनीता को किसी प्रकार का इलाज नहीं मिल सका, जिससे उसकी स्थिति लगातार बिगड़ती गई और अंततः उसकी मौत हो गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रेम विवाह होने के कारण महिला को न ससुराल का साथ मिला और न मायके का सहारा। इस दर्दनाक स्थिति ने समाज में सामाजिक समर्थन और संवेदनशीलता की कमी को उजागर किया है।

चिरो गांव में बारिश से हुए नुकसान का लिया गया जायजा

- **मजदूर यूनियन के पदाधिकारियों ने उपायुक्त से मुआवजा और सड़क निर्माण की मांग की**

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। झारखंड दैनिक मजदूर यूनियन के अध्यक्ष प्रमोद साहू ने रविवार को बोदा पंचायत के चिरो गांव का दौरा कर भारी बारिश से हुए नुकसान का जायजा लिया। उनके साथ मोहम्मद अलाउद्दीन पप्पू, धनेश्वर तुरी समेत अन्य सदस्य भी मौजूद रहे। दौरे के दौरान देखा गया कि तुरीटोला से गुड़गांवा के बीच की कच्ची सड़क बारिश में पूरी तरह से बह गई है और सड़क किनारे बड़ा गड्ढा बन गया है। इसके कारण ग्रामीणों को आने-जाने में काफी परेशानी हो रही है। प्रमोद साहू ने बताया कि ग्रामीणों ने श्रमदान से जिस सड़क की मरम्मत की थी, वह फिर से नष्ट हो गई है। उन्होंने उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता से गुजारिश की कि चिरो गांव में पीसीसी पथ का निर्माण कराया जाए और जिनका घर बारिश में क्षतिग्रस्त हुआ है, उन्हें जल्द से जल्द आवास योजना का लाभ मिले। उन्होंने विशेष रूप से रवी लोहरा, राजेंद्र लोहरा, फुलदेव तुरी समेत अन्य ग्रामीणों के नाम और स्थानों का उल्लेख करते हुए पथ निर्माण की मांग की। मौके पर प्रताप तुरी, चुन्नू तुरी, दिलीप तुरी, मंगल गंझू, सुनील उरांव समेत कई ग्रामीण उपस्थित रहे।

रामचरितमानस कथा का समापन, श्रद्धा और विश्वास की प्रस्तुति भाव-विभोर कर गई

नवीन मेल संवाददाता

बेतला (लातेहार)। बरवाडीह प्रखंड के केचकी पंचायत स्थित सरईडीह शिव मंदिर के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित श्रीराम कथा का समापन रविवार को हुआ। कथा वाचक पंडित प्रद्युम्न शरण जी महाराज ने अंतिम दिन शिव-पार्वती विवाह, श्रीराम जन्म और विश्वामित्र यज्ञ रक्षा प्रसंगों पर विस्तृत व्याख्यान दिया।

उन्होंने कहा कि श्रद्धा और विश्वास का संगम ही मोक्ष का मार्ग प्रशस्त करता है। कार्यक्रम के दौरान राम नाम के जाप की महिमा बताते हुए कहा गया कि दो बार 'राम' नाम का उच्चारण करने से 108 बार जाप के बराबर फल प्राप्त होता है।

कथा सुनने पोखरी, कुटमू, अखरा और अन्य गांवों से सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित हुए। आयोजन स्थल पूरी तरह धार्मिक वातावरण से सराबोर रहा। इस दौरान आचार्य धर्मेन्द्र मिश्रा ने मंच संचालन किया।

कार्यक्रम में ओमप्रकाश प्रसाद, जोखन साव, नवल प्रसाद, अमरेश प्रसाद गुप्ता सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। आयोजन के अंत में श्रद्धालुओं के लिए भंडारा भी आयोजित किया गया।

विकास योजनाओं में भ्रष्टाचार, मौन हैं जनप्रतिनिधि

मयूरहंड (चतरा)। सिमरिया विधानसभा अंतर्गत मयूरहंड प्रखंड में संचालित विकास योजनाओं में व्यापक भ्रष्टाचार की शिकायतें सामने आ रही हैं। सड़क हो या भवन निर्माण, अधिकतर कार्यों की गुणवत्ता सवालों के घेरे में है। ग्रामीणों का कहना है कि जैसे ही कोई योजना पूर्ण होती है, उसमें दरारें और टूट-फूट शुरू हो जाती है। बताया गया कि तेतरिया मोड़ से मयूरहंड जाने वाली सड़क सहित दर्जनों योजनाओं में लीपापोती के सहारे काम पूरा किया जा रहा है। कार्य अधूरे हैं लेकिन फाइलों में पूर्ण दिखाया जा रहा है। इसके बावजूद न तो विभागीय अधिकारी कार्रवाई कर रहे हैं और न ही जनप्रतिनिधि आवाज उठा रहे हैं। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि जनप्रतिनिधि केवल सामाजिक कार्यक्रमों और शोक सभाओं में शिरकत कर अपनी राजनीतिक उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं, जबकि क्षेत्र में विकास की वास्तविक तस्वीर बदहाल है। ग्रामीणों ने इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए पारदर्शी जांच और कार्रवाई की मांग की है।

बारियातू क्षेत्र के सभी स्कूलों में योग दिवस पर रहा उत्साहपूर्ण आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

बारियातू। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर बारियातू प्रखंड के सभी नौ पंचायतों सहित मुख्यालय क्षेत्र के सरकारी और गैरसरकारी विद्यालयों में योग संगम कार्यक्रम आयोजित किया गया।

परियोजना प्लस टू उच्च विद्यालय, राजकीय आदर्श मध्य विद्यालय, सरस्वती शिशु विद्या मंदिर सहित दर्जनों शिक्षण संस्थानों में योगाभ्यास कर छात्रों और ग्रामीणों ने योग की उपयोगिता को अपनाया। कार्यक्रम में विद्यालयों के शिक्षकों और प्रशिक्षकों की देखरेख में सूर्य नमस्कार, प्राणायाम और विविध योग क्रियाएं कराई गईं।

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत शिक्षकों ने छात्रों को योग के शारीरिक और मानसिक लाभ के विषय में बताया। साथ ही नियमित योग को जीवनशैली में शामिल करने की सलाह दी। कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु साफ-सफाई, उपकरण व्यवस्था और विधि-व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया गया था। प्रशिक्षकों ने कहा कि योग केवल एक दिन का आयोजन नहीं, बल्कि यह हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न अंग होना चाहिए। कार्यक्रम में ग्रामीणों की भी भागीदारी उल्लेखनीय रही।

नौ दिवसीय ऐतिहासिक रथयात्रा मेला की तैयारियां शुरू

● रथ निर्माण कार्य तेज़, झूला-सर्कस व दुकानदार जुटे तैयारियों में

नवीन मेल संवाददाता

भंडरा/लोहरदगा। भंडरा प्रखंड में सैकड़ों वर्षों से चली आ रही ऐतिहासिक रथयात्रा मेला की तैयारियाँ ज़ोर-शोर से शुरू हो चुकी हैं। भव्य रथयात्रा को लेकर भंडरा ठाकुरबाड़ी मंदिर परिसर में रथ निर्माण का कार्य तीव्र गति से चल रहा है। हर वर्ष की भांति इस बार भी मेला को लेकर स्थानीय जनों में उत्साह चरम पर है। रथयात्रा मेला की भव्यता को देखते हुए दूर-दराज से झूला, सर्कस, 'मौत का कुआँ' समेत अन्य मनोरंजन के टेंट लगने शुरू हो गए हैं। वहीं, मिठाई दुकानदारों ने भी मेला को लेकर विशेष मिठाइयाँ तैयार करने का काम प्रारंभ कर दिया है। रथयात्रा मेला आयोजन समिति के राधा मोहन शर्मा ने जानकारी दी कि 27 जून को सैकड़ों श्रद्धालु भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और बहन सुभद्रा की प्रतिमाओं को रथ पर आरूढ़ कर भव्य शोभायात्रा के माध्यम से अखिलेश्वर धाम स्थित मौसीबाड़ी तक लेकर जाएंगे। नौ दिनों तक भगवान के विभिन्न रूपों के दर्शन का सौभाग्य भक्तों को प्राप्त होगा। आयोजन समिति द्वारा मेला में शांति और व्यवस्था बनाए रखने हेतु स्वयंसेवी दल का गठन भी किया जा रहा है। मेला के दौरान श्रद्धालु न केवल दर्शन करेंगे बल्कि भंडारा का प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित करेंगे। भंडरा की यह रथयात्रा न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि सामाजिक मेल-जोल और सांस्कृतिक परंपरा का भी जीवंत उदाहरण है।

15वें वित्त आयोग योजना से मोहल्ला में बनेगी 350 फीट पक्की नाली

● जिला परिषद सदस्य ने किया 5 लाख की पक्की नाली निर्माण योजना का शिलान्यास

नवीन मेल संवाददाता

किस्को (लोहरदगा)। किस्को प्रखंड के हिसरी पंचायत अंतर्गत मुस्लिम मोहल्ला में जल जमाव की समस्या का स्थायी समाधान अब पक्की नाली निर्माण के माध्यम से होगा। अख्तर अंसारी के घर से रज्जाक अंसारी के घर तक 350 फीट लंबी पक्की नाली का शिलान्यास जिला परिषद सदस्य संदीप कुमार ने विधिवत पूजा-पाठ एवं नारियल फोड़कर किया। यह योजना 15वें वित्त आयोग मद से स्वीकृत हुई है, जिसकी कुल लागत 5 लाख रुपये निर्धारित की गई है। शिलान्यास कार्यक्रम में दर्जनों ग्रामीणों की उपस्थिति रही।

मौके पर उपस्थित लोगों ने संदीप कुमार का पुष्पमाला और बुके देकर स्वागत किया। संदीप कुमार ने मौके पर कहा कि, "ग्रामीणों की छोटी-बड़ी समस्याओं के समाधान के लिए मैं हरसंभव प्रयास कर रहा हूं। सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना मेरी प्राथमिकता है।" स्थानीय ग्रामीणों ने नाली निर्माण कार्य को लेकर खुशी जताते हुए कहा कि बरसात के दिनों में जल निकासी की समस्या से काफी परेशानी होती थी। अब पक्की नाली बनने से इस समस्या से निजात मिलेगी। कार्यक्रम में कांग्रेस पार्टी के पंचायत अध्यक्ष शेख सादिक, अनवर अंसारी, जाफीद अंसारी समेत अन्य स्थानीय लोग मौजूद थे।

गगेया स्वास्थ्य उपकेंद्र के सामने जलजमाव बनी परेशानी

स्वास्थ्य व स्वच्छता विभाग की अनदेखी से ग्रामीणों में आक्रोश

● न तो स्वच्छता विभाग और न ही स्वास्थ्य विभाग के कर्मियों ने अब तक कोई ठोस कदम उठाया है

नवीन मेल संवाददाता

सेन्हा। सेन्हा प्रखंड अंतर्गत गगेया स्थित स्वास्थ्य उपकेंद्र के सामने जलजमाव से मरीजों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। लगातार हो रही बारिश के कारण उपकेंद्र के सामने तालाब जैसा दृश्य बन गया है, जिससे मरीजों को कीचड़ और पानी से होकर गुजरना पड़ता है। कई बार तो मरीज इलाज के लिए पहुंच ही नहीं पाते। स्थानीय ग्रामीणों कमलेश उरांव, प्रकाश उरांव, विकास यादव, राजन उरांव, माइकल उरांव, राहुल उरांव और निक्की प्रसाद ने बताया कि यह समस्या कोई नई नहीं है। हर बारिश के मौसम में उपकेंद्र के सामने जलभराव हो जाता है, लेकिन आज तक किसी भी विभाग ने इस पर गंभीरता नहीं दिखाई। ग्रामीणों का कहना है कि न तो स्वच्छता विभाग और न ही स्वास्थ्य विभाग के कर्मियों ने अब तक कोई ठोस कदम उठाया है। ऐसी स्थिति में मरीजों को तैरते हुए या घुटनों तक भरे पानी में होकर उपकेंद्र तक जाना पड़ता है, जो न केवल असुविधाजनक है बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी खतरनाक है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द जलनिकासी की व्यवस्था की जाए ताकि मरीजों को परेशानी से निजात मिल सके और सभी लोग सुरक्षित व सम्मानपूर्वक इलाज प्राप्त कर सकें।

ग्रामीण क्षेत्रों में उपयोगी साबित हो रहा चलन्त संजीवनी क्लिनिक

नवीन मेल संवाददाता

सेन्हा-लोहरदगा। झारखंड सरकार के परिवार एवं कल्याण स्वस्थ्य मंत्रालय के निर्देशानुसार ग्रामीण क्षेत्र में परिवर्तन समाज विकास और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के द्वारा चलन्त संजीवनी क्लिनिक के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण कर प्रखंड क्षेत्र साके, हेसवे,चौकनी, तोड़ार, डोका सहित विभिन्न गांवों में बिपी, सुगर, स्किन इन्फेक्शन, बुखार, सर्दी जुकाम के अलावे अन्य तरह के बीमारियों का निःशुल्क जांच कर दवा दिया जा रहा है.राम भगत, शिवन्ती देवी, दाया भगत, बिनोद महतो, कशिला देवी, घुंसी लोहरा, उषा कुमारी सहित अन्य ग्रामीणों ने स्वास्थ्य सम्बन्धी जांच कराया। वही स्वास्थ्य कर्मी नरेश उरांव ने जानकारी देते हुए बताया कि सर्वे के अनुसार बीस गांवों में चलन्त संजीवनी क्लिनिक के द्वारा ग्रामीणों का स्वास्थ्य जांच कर निःशुल्क इलाज किया जाना है। जिसके लिये पूर्व में ही प्रखंड क्षेत्र के अलौदी,मुर्की तोड़ार,भड़गांव समेत अन्य पंचायतों के गांव में सर्वे कर प्रथम चरण में सेन्हा प्रखंड क्षेत्र के बीस गांव का चयन किया गया है। साथ ही बताया कि 24 जून को पारही विद्यालय के समीप अवर्नेश कैम्प और 25 जून को अलौदी विद्यालय के पास मेगा हेल्थ कैम्प का आयोजन किया जायेगा। जिसमें सभी तरह के बीमारियों से सम्बंधित चिकित्सक मौजूद रहेंगे.मौके पर नरेश उरांव,शुभम निधि एक्का,बिलासी कुमारी,गौरव कुमार समेत अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे।

बारिश में सड़कें बनी तालाब, ग्रामीण बेहाल

नवीन मेल संवाददाता

कैरो/लोहरदगा। प्रखंड मुख्यालय कैरो जामा मस्जिद के सामने स्थित मुहल्ले में सार्वजनिक सड़क पर अवैध कब्जा और निजी निर्माण ने लोगों के लिए मुसीबत खड़ी कर दी है। यह मामला सिर्फ सड़क पर अतिक्रमण का नही है, बल्कि इससे जलनिकासी की पारंपरिक व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है, जिससे बारिश के समय पूरा मुहल्ला जलमग्न हो जाता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कुछ वर्ष पहले तक मस्जिद के बगल से होकर एक सार्वजनिक संपर्क मार्ग गुजरता था, जो कैरो मेन रोड को जोड़ता था। यह सड़क छोटी जरूर थी, लेकिन शत-प्रतिशत उपयोगी थी — न केवल लोगों के आवागमन के लिए, बल्कि बारिश के समय जल निकासी का भी एकमात्र रास्ता थी। अब इस रास्ते को अतिक्रमण कर पूरी तरह बंद कर दिया गया है। नतीजतन, बारिश के पानी की निकासी रुक जाती है और पूरा मोहल्ला तालाब में तब्दील हो जाता है। विगत दिनों हुई तेज बारिश के बाद की तस्वीरें इसकी भयावहता बयां कर रही हैं वहीं हाल हाल हर बारिश के बाद सड़क की हो जाती है।कई घरों तक मे बारिश का गंदा पानी घुस जाता है।वहीं इस सड़क से रोजाना सैकड़ों स्कूली बच्चे, नमाजी और मकतब के विद्यार्थी गुजरते हैं, लेकिन अब उन्हें कीचड़ और गंदे पानी से होकर निकलना पड़ता है। जलभराव के कारण डेंगू, मलेरिया और अन्य जलजनित बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। विडंबना यह है कि जिन लोगों ने इस सार्वजनिक रास्ते पर निर्माण कर इसे नक्शे से ही गायब कर दिया, उन्हें भी इसी जलजमाव से होकर गुजरना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का सवाल है कि क्या सड़क पर अवैध कब्जे पर कोई कार्रवाई नहीं होगी? क्या ऐसे मुद्दे जिनका सीधा संबंध आम जनता के जीवन से है, उस पर प्रशासन और जनप्रतिनिधि चुप रहेंगे? अब सवाल यह है — आखिर जनता कब तक इस अराजकता का खामियाजा भुगतती रहेगी?

बूटी झखरा में 12 घंटे का हरिकीर्तन भक्ति भाव से सम्पन्न, भव्य भंडारे का भी हुआ आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

सेन्हा (लोहरदगा)। सेन्हा प्रखंड अंतर्गत बूटी झखरा गांव में आयोजित 12 घंटे के अखंड हरिकीर्तन कार्यक्रम का समापन भक्ति भाव और उत्साह के वातावरण में हुआ। इस भव्य आयोजन में आसपास के पाँच गांव—घाघरा, आदर, तोड़ार, झखरा और सीठयो—की कीर्तन मंडलियों ने भाग लिया और पूरे गांव को भक्ति में सराबोर कर दिया। कार्यक्रम के दौरान महिलाएं, पुरुष और बच्चे भगवान के नाम में लीन होकर जमकर झूमे। गांव में चारों ओर भक्ति की गूंज सुनाई दे रही थी। हरिकीर्तन के समापन के बाद भव्य भंडारे का आयोजन भी किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस कार्यक्रम में जय श्रीराम समिति के जिलाध्यक्ष सुनील अग्रवाल के नेतृत्व में समिति के सभी पदाधिकारी शामिल हुए। अपने संबोधन में सुनील अग्रवाल ने कहा, "हरिकीर्तन में भाग लेकर ऐसा लगा जैसे मैं भक्ति की गंगा में डुबकी लगा रहा हूं। चारों ओर सिर्फ आनंद और सुख की अनुभूति हो रही है। यही सच्चा आध्यात्मिक अनुभव है।" मौके पर पुरोहित प्रेम कुमार मिश्रा, आयोजनकर्ता नारायण जायसवाल व विकास जायसवाल उर्फ दीपू, जय श्रीराम समिति के संरक्षक अजय सोनी, ओम महतो, महामंत्री प्रदीप साहू, कोषाध्यक्ष विक्की कसेरा, उपाध्यक्ष विनोद प्रसाद, रक्त संग्रह अध्यक्ष जीवन मेहता सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और श्रद्धालु मौजूद रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए गांववासियों और समिति द्वारा संयोजन की सराहना की गई। आयोजन से न केवल धार्मिक वातावरण निर्मित हुआ, बल्कि आपसी भाईचारा और सामूहिक एकता का परिचय भी मिला।

सेवा भारती के स्वास्थ्य शिविर में 51 लोगों ने उठाया लाभ

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। सेवा भारती लोहरदगा के द्वारा चुन्नीलाल उच्च विद्यालय के प्रांगण मे लगातार 158 वाँ सप्ताह के रविवार को सुबह 7:30 बजे से निशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 51 लोग अपने स्वास्थ्य की जांच करवा कर लाभान्वित हुए। हीमोग्लोबिन,यूरिक एसिड,ब्लड ग्रुप, शुगर, बी.पी,वजन,हार्ट बीट,ऑक्सीजन लेवल आदि का निशुल्क जांच किया गया,एवं अन्य सभी प्रकार की स्वास्थ जांच पैथोलॉजी के माध्यम से आधे ख़र्च में ही कराई जाती है। जिला अध्यक्ष दीपक सर्राफ ने कहा की मानव सेवा हमारा धर्म है और जीवों की रक्षा करना हमारा कर्तव्य है,सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है,जरूरतमंदों एवं असहायों की जीतनी भी मदद की जाए कम है। डॉ कुमुद अग्रवाल ने कहा कि बदलते मौसम बरसात पर स्वास्थ्य के प्रति खास ध्यान देने की आवश्यकता है। घरों के आसपास गंदे पानी का जमाव होने ना दे, मच्छरों के प्रकोप से बचें और मच्छरदानी का इस्तेमाल करें,उपाध्यक्ष अवधेश मित्तल, सुबोध प्रसाद महतो ने कहा की प्रत्येक सप्ताह इस स्वास्थ्य शिविर में लोग अपना स्वास्थ चेकअप करवा कर अपने उक्त बीमारियों का यहाँ डॉक्टर से इलाज करवाते हुए उनकी सलाह से स्वस्थ हो रहे हैं,यह निशुल्क स्वास्थ्य शिविर निरंतर प्रत्येक रविवार को सुबह एक घंटे के लिए लगाई जाती हैं। इस शिविर में पैथोलॉजी के आशीष अग्रवाल भी अपना समय दे रहे हैं। शिविर में जिला अध्यक्ष दीपक सर्राफ,डॉ कुमुद अग्रवाल,अवधेश मित्तल,अंजलि सर्राफ, आशीष अग्रवाल, गुप्तेश्वर प्रसाद गुप्ता,प्रभु दयाल साहू, सुंदर देवी, तपेश्वर अग्रवाल, फुलवंती देवी आदि उपस्थित थे।

सरना और सनातन — राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की सदस्य ने लोहरदगा प्रवास के दौरान कही महत्वपूर्ण बात

सरना-सनातन को अलग करने की साजिश, टीम बनाकर काम करने की जरूरत

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर गुमला में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर लौटते हुए राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की सदस्य आशा लकड़ा ने शुक्रवार को लोहरदगा के सर्किट हाउस में एक घंटे का प्रवास किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय लोगों से मुलाकात की और आदिवासी समाज से जुड़े ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा की। इस मुलाकात के दौरान भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष अजातशत्रु द्वारा जिले में तेजी से बदलते सामाजिक परिवेश और सरना धर्म को सनातन धर्म से अलग करने की सुनियोजित साजिश को लेकर गंभीर चिंताएं व्यक्त की गईं। उन्होंने बताया कि किस प्रकार कुछ तत्व आदिवासी समाज को बरगलाकर उन्हें उनके मूल धर्म से भटका रहे हैं, जिससे क्षेत्र में जनसांख्यिकीय परिवर्तन (डेमोग्राफिक चेंज) की स्थिति उत्पन्न हो रही है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए आशा लकड़ा ने कहा, "आदिवासी समाज आदि काल से शिवभक्त और प्रकृति पूजक रहा है। हमारे पूर्वजों ने न केवल भारत की आज़ादी में अपूर्व योगदान दिया, बल्कि सनातन धर्म की रक्षा के लिए भी बलिदान दिए हैं। सरना और सनातन धर्म मूल रूप से एक हैं, इसे अलग करने का षड्यंत्र दुर्भाग्यपूर्ण है।"

उन्होंने चेताया कि झारखंड और आसपास के क्षेत्रों में कुछ स्वार्थी तत्व, राजनीतिक महत्वाकांक्षा से प्रेरित होकर भोले-भाले आदिवासियों को गुमराह कर रहे हैं। ऐसे में यह जरूरी है कि समझदार सनातन और आदिवासी समाज के लोग मिलकर एक टीम बनाएं, और गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक करें। उन्होंने कहा, आज आवश्यकता है तार्किक संवाद की, जिससे आदिवासी समाज को बताया जा सके कि सरना और सनातन सदियों से एक ही परंपरा के अंग रहे हैं। आशा लकड़ा ने यह भी जानकारी दी कि झारखंड में हो रहे डेमोग्राफिक परिवर्तन को लेकर एक शोधपरक पुस्तक भी प्रकाशित की गई है, जो जल्द ही ऑनलाइन माध्यमों पर भी उपलब्ध होगी। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद सह लोहरदगा चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष रितेश कुमार, भारतीय युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष बाल्मीकि कुमार, भाजपा जिला महामंत्री पशुपतिनाथ पारस, भाजपा ओबीसी मोर्चा के अजय पंकज समेत कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

न्यूज बॉक्स

क्रॉस कंट्री रेस, साइकलिंग और कबड्डी का आयोजन आज

लोहरदगा। अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक दिवस (23 जून 2025) के अवसर पर खिलाड़ियों को ओलंपिक के मूल्यों से अवगत कराने एवं खेल के प्रति जागरूकता कराने हेतु जिला खेल पदाधिकारी, लोहरदगा द्वारा क्रॉस कंट्री रेस, साइकलिंग एवं कबड्डी का आयोजन किया जा रहा है। क्रॉस कंट्री दौड़ 23 जून 2025 दिन सोमवार को सुबह 6:00 बजे पूर्वाह्न से समाहरणालय मैदान से शुरू होकर कचहरी चौक, पावरगंज ,बड़ा तालाब से भट्टी चौक होते हुए नगर पालिका से बरवाटोली बीएस कॉलेज चौक से जुरिया होते हुए नदिया- मैना बगीचा से समाहरणालय मैदान में समापन किया जायेगा। वहीं साइकिल रेस 6:30 बजे पूर्वाह्न से समाहरणालय मैदान से शुरू होकर कचहरी चौक, पावरगंज चौक, बरवाटोली चौक से बीएस कॉलेज चौक होते हुए सीठियो कोयल पुल से वापस बीएस कॉलेज चौक से जुरिया,नदिया होते हुए मैना बगीचा ,समरहरणाल मैदान में समाप्त होगी। इसके बाद उसी दिन कबड्डी प्रतियोगिता 9:00 बजे पूर्वाह्न एमएम उच्च विद्यालय महादेव आश्रम, लोहरदगा में आयोजित की जाएगी। उक्त जानकारी जिला खेल पदाधिकारी उपवन बाड़ा ने दी।

पुल से नीचे गिरा 18 चक्का ट्रेलर चालक-खलासी बाल-बाल बचे

लोहरदगा। जिले के कुडू थाना क्षेत्र अंतर्गत टोरी-चंदवा मुख्य मार्ग पर महादेव मंडा के पास एक बड़ा हादसा टल गया। बीती रात्रि लगभग 3 बजे एक 18 चक्का ट्रेलर वाहन अनियंत्रित होकर पुल से नीचे गिर गया। घटना के समय ट्रेलर ओड़िशा से उत्तराखंड जा रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा, जिससे ट्रेलर सीधे पुराने पुल के नीचे जा गिरा। हालांकि ट्रेलर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, लेकिन राहत की बात यह रही कि चालक और खलासी दोनों सुरक्षित हैं और उन्हें किसी प्रकार की चोट नहीं आई है। घटना की सूचना मिलते ही कुडू थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी। पुलिस द्वारा आवश्यक कानूनी प्रक्रिया अपनाई जा रही है और वाहन को हटाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह एक बड़ा हादसा हो सकता था, लेकिन समय रहते वाहन की गति कम होने के कारण जानमाल की क्षति नहीं हुई। फिलहाल पूरे मामले की जांच की जा रही है।

मोटरसाइकिल चालक ने साइकिल सवार युवक को मारा टक्कर,घायल

सेन्हा-लोहरदगा। थाना क्षेत्र के झलजमीरा पंचायत अन्तर्गत उत्क्रमित उच्च विद्यालय गगेया के समीप अज्ञात मोटरसाइकिल चालक युवक ने साइकिल सवार युवक को धक्का मारा जिसे युवक गिर कर घायल हो गया.घटना रात्रि लगभग आठ बजे का बताया जा रहा है.वही घायल युवक का पहचान गुमला जिला के घाघरा थाना क्षेत्र अन्तर्गत घोड़ा टांगर निवासी बिरसा उरांव के रूप में किया गया बताया जाता है.की बिरसा उरांव लोहरदगा जिला के भंडरा थाना क्षेत्र अंतर्गत टोटो मेहमानी आया था.जो रात को साइकिल से टोटो जा रहा था.उसी दौरान अज्ञात मोटरसाइकिल चालक युवक साइकिल सवार बिरसा उरांव को धक्का मार कर फरार हो गया.घायल बिरसा उरांव को ग्रामीण युवकों द्वारा इलाज के लिये समदायिक स्वास्थ्य केंद्र सेन्हा पंहुचाया गया.इलाज के पश्चात चिकित्सकों बताया कि युवक फिलहाल खतरे से बाहर है।

बाल संरक्षण पदाधिकारी ने कैरो में बाल विवाह रुकवाया

लोहरदगा। जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी ने चाइल्ड हेल्पलाइन द्वारा प्राप्त बाल विवाह की सूचना पर त्वरित संज्ञान लेते हुए संभावित बाल विवाह को प्रतिषेध किया। विदित हो कि बृहस्पतिवार को चाइल्ड हेल्पलाइन लोहरदगा को 1098 (टॉल फ्री नंबर) पर अज्ञात सूत्रों के माध्यम से ज्ञात हुआ कि जिले के कैरो प्रखंड अंतर्गत 20 वर्षीय बालक का बाल विवाह उसके अभिभावक द्वारा कराया जा रहा है । जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी द्वारा मामले को गंभीरता लेते हुए अविलंब उक्त मामले की सूचना बाल विवाह निषेध पदाधिकारी-सह- बीडीओ को दी। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने अपने अधीनस्थ कर्मियों को वस्तुस्थिति का सत्यापन करते हुए बाल विवाह को प्रतिषेध करने का आदेश जारी किया गया। चाइल्ड हेल्पलाइन की तत्परता एवं प्रखंड कार्यालय कैरो की संयुक्त सहयोग से संभावित बाल विवाह को प्रतिषेध किया गया।बालिका के अभिभावक द्वारा CMPOs को वचनपत्र दिया गया कि 'हमलोग अपने पुत्र का विवाह 21 वर्ष पूर्ण होने के पश्चात ही करेंगे।' बाल विवाह प्रतिषेध करने में सम्मिलित जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी-विरेंद्र कुमार ,संरक्षण पदाधिकारी (संस्थानिक देखरेख) अनुरंजन कुमार एवं पंचायत सचिव- शशि सविता कुजूर , चाइल्ड हेल्पलाइन के परियोजना समन्वयक- रवि कुमार , सुपरवाइजर- देव कुमार ,सोशल वर्कर- अखिलेश्वर पांडे, एलजीएसएस के जिला समन्वयक- जितेन्द्र कुमार , मुखिया और पंचायत प्रतिनिधि की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

डायन बिसाही को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट, दोनों ओर से केस दर्ज

कैरो/लोहरदगा। कैरो थाना क्षेत्र के चीपो गांव में डायन बिसाही को लेकर दो पक्षों के बीच गाली-गलौज और मारपीट की घटना सामने आई है। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर डायन कहकर अपमानित करने और हमला करने का आरोप लगाया है। कैरो थाना में दोनों ओर से प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और पुलिस अग्रतर कार्रवाई में जुट गई है। पहली शिकायत गांव की जटी उरांव, पति एतवा उरांव ने दर्ज कराई है। उन्होंने गांव के मन्ती उरांव (पति स्व. सुनील उरांव), करण उराँव एवं किरण उरांव (दोनों पिता स्व. सुनील उरांव) पर डायन कहकर अपशब्द कहने, गाली-गलौज करने और मारपीट का आरोप लगाया है। इस मामले में कैरो थाना कांड संख्या 36/25 दर्ज किया गया है। प्राथमिकी में झारखंड डायन बिसाही प्रथा प्रतिषेध अधिनियम की धारा 5 बी एन एच समेत धारा 126, 115, 351(2), 352(3) शामिल की गई है। दूसरी ओर, मन्ती उरांव, पति स्व. सुनील उरांव ने भी जटी उराँव, पति एतवा उरांव तथा एतवा उरांव, पिता स्व. मंगरा उराँव के विरुद्ध यही आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है। इसमें भी गाली-गलौज, मारपीट और डायन कहने का आरोप है। इस मामले में कैरो थाना कांड संख्या 37/25 दर्ज किया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि दोनों पक्षों की शिकायत पर संज्ञान लेते हुए मामले की जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी और किसी को भी अंधविश्वास के आधार पर कानून हाथ में लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी। डायन प्रथा जैसे अंधविश्वास पर आधारित मामलों से निपटने के लिए समाज को भी सजग और शिक्षित होना होगा। प्रशासन और पंचायत स्तर पर जागरूकता अभियान की आवश्यकता है।

जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक संपन्न

गुमला। जिला प्रशासन द्वारा पेयजल एवं स्वच्छता को जन-जन तक पहुँचाने के संकल्प को लेकर शनिवार को समाहरणालय सभाकक्ष में उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित की अध्यक्षता में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं एवं जल जीवन मिशन की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त ने गांव, टोले एवं घरों में अब तक लगाए गए नल कनेक्शनों की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली और कहा कि जिन चिन्हित गांवों में अभी तक एक भी नल नहीं लगाया गया है, वहां प्राथमिकता के आधार पर कार्य शुरू किया जाए। उपायुक्त ने बताया कि गुमला जिले में अब तक 1,45,320 (67.68%) घरों को नल-जल योजना से आच्छादित किया जा चुका है, जबकि 147 ग्रामों में शत-प्रतिशत घरों में टैप वाटर की सुविधा उपलब्ध है। शेष बचे घरों में भी कार्य तेजी से जारी है। समीक्षा के क्रम में सर्वोदय पोर्टल पर प्राप्त जनशिकायतों एवं आवेदनों की भी गहन समीक्षा की गई। उपायुक्त ने विभागीय अधिकारियों को समयबद्ध निस्तारण करने का निर्देश दिया। बैठक में पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता, तथा अन्य विभागीय अधिकारी व तकनीकी कर्मी उपस्थित थे।

राज्यपाल संतोष गंगवार ने किया विकास भारती बिशुनपुर का दौरा

जनजातीय उत्थान व पर्यावरण संरक्षण के कार्यों की सराहना की

नवीन मेल संवाददाता

बिशुनपुर (गुमला)। झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार रविवार को जनजातीय सेवा कार्यों के लिए देशभर में ख्याति प्राप्त स्वयंसेवी संस्था विकास भारती बिशुनपुर के केन्द्रीय कार्यालय पहुंचे। उनका सौजन्यपूर्ण स्वागत संस्था के संस्थापक सचिव पद्मश्री अशोक भगत एवं विकास भारती परिवार के सदस्यों द्वारा पारंपरिक अंदाज़ में किया गया। अपने दौरे की शुरुआत में राज्यपाल ने संस्था के मुख्य द्वार पर स्थापित झारखंड के वीर सपूत, स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने बिरसा मुंडा के बलिदान को झारखंड की आत्मा और पहचान बताया। राज्यपाल गंगवार ने विकास भारती के 'सृजन परिसर' का गहन भ्रमण किया, जिसमें ग्रामीण नवाचार, कारीगर पंचायत, कृषि विज्ञान केंद्र, महिला मंडल, पारंपरिक औषधीय बागवानी (भेषज उद्यान), गौशाला, एवं अन्य आत्मनिर्भरता आधारित इकाइयों के स्टॉल शामिल थे। उन्होंने प्रत्येक स्टॉल पर जाकर स्थानीय महिला समूहों, कारीगरों और वैज्ञानिकों से संवाद किया और उनके कार्यों की सराहना की। परिसर में स्थित महात्मा गांधी सभागार के समक्ष मौलश्री के पौधे का रोपण कर राज्यपाल ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा की स्वस्थ पर्यावरण का निर्माण करना केवल शासन का कार्य नहीं, बल्कि यह जनभागीदारी से ही संभव है। स्वच्छ, हरित और संतुलित प्रकृति ही भावी पीढ़ी के लिए सर्वोत्तम विरासत होगी।

सभी नागरिकों को वन, नदियाँ, पर्वत, जैव विविधता जैसे प्राकृतिक उपहारों की रक्षा हेतु सामूहिक रूप से प्रयास करना चाहिए।

राज्यपाल ने छात्रावास का लोकार्पण कर छात्रों को दिया प्रेरणादायक संदेश

गुमला। झारखंड के महामहिम राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार रविवार को अपने एक दिवसीय दौरे पर गुमला पहुंचे, जहां उन्होंने रायडीह प्रखंड के भलमंडा स्थित बिंदेश्वरी लाल साहू कन्या छात्रावास का लोकार्पण किया। जिले के प्रशासनिक अधिकारियों ने राज्यपाल का बुके देकर स्वागत किया, जिसके बाद गुमला पुलिस द्वारा उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने सरस्वती शिशु विद्या विकास समिति के कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा की यह संस्था देश के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में 213 विद्यालयों का संचालन कर रही है और विशेष रूप से अनुसूचित जाति व जनजाति के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने का सराहनीय कार्य कर रही है।

सैकड़ों ग्रामीणों ने सरकारी योजनाओं का उठाया लाभ

● मरासीली में धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

भरनो (गुमला)। भरनो प्रखंड अंतर्गत मरासीली पंचायत भवन में भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत एकदिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जनजातीय समुदाय के सैकड़ों ग्रामीणों ने भाग लेकर सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाया। कार्यक्रम में सभी विभागों के स्टॉल लगाए गए थे, जहां बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति रही। लोग उत्साहपूर्वक पंजीकरण कर योजनाओं से जुड़े और आवश्यक प्रमाणपत्र प्राप्त किए। शिविर में लाभान्वित लोगों की संख्या 458 इस प्रकार रही, आधार कार्ड 13,प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना 5,आयुष्मान भारत कार्ड 23,किसान क्रेडिट कार्ड 29, प्रधानमंत्री किसान निधि योजना 12,पेंशन योजना 69,पीएम विश्वकर्मा योजना 3,पीएम मातृ वंदना योजना 26सिकल सेल टेस्टिंग 70,जाति प्रमाण पत्र 14,राशन कार्ड 22,डोमिसाइल प्रमाण पत्र 11,मनरेगा योजना 48, प्रधानमंत्री जनधन योजना 17 प्रधानमंत्री जीवन बीमा योजना 30, पोषण अभियान 16, पेंशन योजना के लाभुकों के बीच पीपीओ कार्ड का वितरण प्रखंड प्रमुख पारसनाथ उरांव, बीडीओ अरुण कुमार सिंह, सीओ अविनाश कुजूर और मुखिया सुकेश उरांव द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें बीएओ रामकृष्ण ओहदार, सीडीपीओ नीलम केरकेट्टा, बीएचओ डॉ. अमरेश नारायण सिंहा, महिला पर्यवेक्षिका उर्मिला देवी, मंदीप महली, सुभानी उरांव समेत कई जनप्रतिनिधि एवं विभागीय कर्मी शामिल थे।

जाम मुक्त गुमला के लिए प्रशासन सख्त

बस स्टैंड से तय स्टॉपेज पर ही रुकेगी बसें, उल्लंघन पर 107 की कार्रवाई

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। शहर में बढ़ते ट्रैफिक जाम और अव्यवस्था से निजात दिलाने के लिए प्रशासन ने कड़ा कदम उठाया है। रविवार की शाम 5 बजे गुमला बस स्टैंड में थाना प्रभारी महेंद्र करमाली की अध्यक्षता में बस एसोसिएशन एवं चेंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारियों के साथ अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि अब शहर में बसें निर्धारित स्टॉपेज पर ही यात्रियों को चढ़ाएंगी और उतारेंगी। स्टॉपेज इस प्रकार तय किए गए हैं – लोहरदगा रोड में एम मार्ट, पालकोट रोड में शक्ति मंदिर, सिसई रोड में छठ तालाब तथा जशपुर रोड में स्टेडियम के पास। इन तय स्थानों के बीच कहीं भी बस रुकने पर

जुर्माना लगाया जाएगा, साथ ही भारतीय दंड संहिता की धारा 107 के तहत कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। बैठक में यह भी तय हुआ कि बसों के आगे चलकर सवारियां चढ़ाने वाले एजेंटों की व्यवस्था पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। थाना प्रभारी महेंद्र करमाली ने साफ कहा कि निर्देशों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही आम लोगों से अपील की गई है कि वे सड़क पर हाथ देकर वाहन रोकने जैसी आदतें त्यागें और यातायात व्यवस्था में सहयोग करें। सड़क किनारे दुकान लगाने वालों को भी चेताया गया है – पहली बार चेतावनी, फिर होगी जुर्माने की कार्रवाई। शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती भी की जाएगी। सड़क दुर्घटनाओं में वृद्धि को देखते हुए सभी बाइक चालकों को हेलमेट पहनना अनिवार्य किया गया है।

भरनो में लिटिल चैंप व सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता शुरू

भरनो (गुमला)। भरनो प्रखंड मुख्यालय स्थित प्लस हाई स्कूल भरनो के खेल मैदान में शिक्षा विभाग के तत्वावधान में लिटिल चैंप और सुब्रतो कप प्रखंड स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हुआ। उद्घाटन समारोह में प्रमुख पारसनाथ उरांव, बीडीओ अरुण कुमार सिंह, बीपीओ सूरज लकड़ा, कांग्रेस अध्यक्ष आशीषनाथ शाहदेव, जिला कांग्रेस सचिव जहांगीर आलम एवं अल्पसंख्यक अध्यक्ष अफजल खान ने दीप प्रज्वलित कर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और प्रतियोगिता की विधिवत शुरुआत की। सुब्रतो कप अंडर-15 एवं अंडर-17 वर्ग में प्रखंड के 18 विद्यालयों ने भाग लिया। लिटिल चैंप अंडर-12 प्रतियोगिता में 22 विद्यालयों की टीमों ने हिस्सा लिया। उद्घाटन मैच अपग्रेड हाई स्कूल कानारावां बनाम प्लस टू हाई स्कूल भरनो के बीच खेला गया, जिसमें प्लस टू हाई स्कूल भरनो ने 1-0 से जीत दर्ज की। इस अवसर पर बीडीओ अरुण कुमार सिंह ने कहा कि झारखंड सरकार की खेल योजनाओं के तहत ऐसे आयोजन ग्रामीण प्रतिभाओं को निखारने का मंच प्रदान करते हैं। प्रमुख पारसनाथ उरांव ने कहा कि गुमला जिला खेल नगरी के रूप में जाना जाता है। भरनो की सुमति कुमारी जैसे खिलाड़ी देशभर में नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से प्रेरणा लेने की अपील की और कहा कि प्रशासन ग्रामीण खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का पूरा अवसर दे रहा है। कार्यक्रम में बीपीओ सूरज लकड़ा, भूषण केशरी, पूनम कुमारी सहित कई शिक्षक-शिक्षिकाएं और ग्रामीण मौजूद रहे।

भरनो में ब्लॉक स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक संपन्न

भरनो (गुमला)। शनिवार को प्रखंड कार्यालय भरनो में बीडीओ अरुण कुमार सिंह की अध्यक्षता में ब्लॉक लेवल बैंकर्स कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सभी विभागों के प्रधान एवं सभी बैंक शाखाओं के प्रबंधक मौजूद रहे। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा बैंकों से जुड़ी समस्याओं को सामने रखा गया, जिनका समाधान तत्काल करने हेतु संबंधित बैंक प्रबंधकों को निर्देशित किया गया। लीड जिला प्रबंधक पवन कुमार ने बैंक मैनेजरों को सख़्त निर्देश दिया कि खाताधारकों और लाभुकों को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए। इस अवसर पर नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक रवि शंकर ने सभी बैंकर्स को निर्देश दिया कि किसानों को केसीसी से आच्छादित करने में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी या दौड़भाग न हो, विशेष रूप से खरीफ फसल सीजन को देखते हुए समयबद्ध तरीके से कार्य हो।

भरनो समेत चार प्रखंडों के नागरिकों ने रखी अपनी समस्याएं, कई मामलों का हुआ ऑन द स्पॉट समाधान

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। जिले में उपायुक्त के निर्देशानुसार उप विकास आयुक्त दिलेश्वर महत्तो की अध्यक्षता में साप्ताहिक ई-जनशिकायत निवारण दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भरनो, जारी, डुमरी, विशुनपुर एवं घाघरा प्रखंडों के नागरिकों ने ऑनलाइन माध्यम से जुड़कर अपनी विभिन्न समस्याओं को सीधे प्रशासन के समक्ष रखा। करीब 40 आवेदकों ने सड़क, पुल, जलमीनार, पेयजल, सिंचाई सुविधा, मनरेगा, राशन कार्ड, मंईया सम्मान योजना, आधार कार्ड सुधार, केसीसी लोन जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी समस्याएं साझा कीं। इनमें से कई मामलों का समाधान तत्काल स्तर पर संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारियों द्वारा किया गया। उप विकास आयुक्त ने सभी आवेदकों की शिकायतों को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

पति ने कुल्हाड़ी से युवक की कर दी हत्या

पालकोट (गुमला)। पालकोट थाना क्षेत्र अंतर्गत टेंगरिया गांव के हरिजन टोला में शनिवार की रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहाँ अवैध संबंध के शक में एक युवक की बेरहमी से कुल्हाड़ी से हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान 25 वर्षीय बिट्टू नायक के रूप में हुई है। वह गांव का ही निवासी था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, गांव के ही कुंवर नायक को अपनी पत्नी और बिट्टू नायक के बीच पिछले एक वर्ष से अवैध संबंध की जानकारी पहले से थी, जिसे लेकर वह मानसिक रूप से परेशान था। शनिवार की रात इसी विवाद को लेकर कुंवर नायक ने आवेश में आकर बिट्टू नायक पर कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ वार कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी पति कुंवर नायक एवं उसकी पत्नी दोनों घर छोड़कर फरार हो गए। रविवार सुबह ग्रामीणों की सूचना पर पालकोट पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु गुमला सदर अस्पताल भेज दिया। फिलहाल पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और फरार दंपती की तलाश तेज कर दी गई है। गांव में इस घटना के बाद दहशत का माहौल है।

चुनाव | पार्टी की मजबूती को लेकर कांग्रेस ने की बैठक

नवचयनित कार्यकर्ताओं को किया सम्मानित

● निर्वाचित कार्यकर्ताओं को पार्टी ही जिम्मेदारी निष्ठापूर्वक निभाने की बात कही। कार्यकर्ता ही पार्टी को मजबूती दे सकते हैं

गांडेय,गिरिडीह। गांडेय प्रखंड के गिरनिया मोड़ स्थित आम बगीचा में रविवार को कांग्रेस प्रखंड कमेटी की बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष मो अकबर अंसारी ने की। बैठक में मुख्य अतिथि के रुप में पहुंचे पार्टी के जिलाध्यक्ष धनंजय सिंह , कार्यकारी अध्यक्ष सतीश केडिया उपस्थित थे। बैठक में प्रखंड

स्तर में पार्टी की मजबूती सहित अन्य विषयों पर चर्चा किया गया। बैठक में नव चयनित कार्यकर्ताओं को नियुक्ति पत्र वितरण किया गया जिसमें 2 उपाध्यक्ष और 9 महासचिव का चुनाव पर्यवेक्षक मंजूर अंसारी के नेतृत्व में किया गया था जिसमें उपाध्यक्ष के रुप में मो अख्तर और मो गुलाम हैदर का चुनाव किया गया जबकि महासचिव के रुप में मो बलाल , कैलास मोदी , मो तोसीफ आलम , नईम खान , मो मुमताज , मो जुनाब , मो समसुल अंसारी , मो सुलेमान और नुनू लाल तुरी का चयन किया गया। इस विषय में जिलाध्यक्ष धनंजय सिंह ने कहा कि पार्टी के प्रदेश कमेटी के आदेश अनुसार पार्टी सृजन कार्यक्रम 2025 चलाया जा रहा है उक्त कार्यक्रम के तहत गिरिडीह जिले के सभी प्रखंडों में प्रखंड कमेटी का विस्तार किया जा रहा है। जिलाध्यक्ष के द्धारा सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। पार्टी के जिलाध्यक्ष सहित अन्य लोगों ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी साथ ही पार्टी ही जिम्मेदारी को निष्ठापूर्वक पालने करने की बात कही। मौके पर कैलास पाठक मो अख्तर , कैलाश मोदी,मो मनोवर,मो शमीम,सहित अन्य कांग्रेस के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

न्यूज बॉक्स

सिसई के कुदरा पंचायत में शिविर का हुआ आयोजन

सिसई (गुमला)। जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत शनिवार को सिसई प्रखण्ड के कुदरा पंचायत भवन में एक दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए थे। जिनके माध्यम से ग्रामीणों को मौके पर ही योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। शिविर के दौरान पेंशन योजना से संबंधित लाभुकों के बीच पीपीओ कार्ड का वितरण अंचल अधिकारी नितेश रोशन खलखो द्वारा किया गया। मौके पर उपस्थित अधिकारियों ने लाभुकों को योजनाओं की जानकारी देते हुए आवश्यक मार्गदर्शन भी प्रदान किये। साथ ही पंचायत भवन में कुदरा बगीचा टोली के लक्ष्मण उरांव की 20 वर्षीय पत्नी गर्भवती महिला तारा कुमारी का गोद भराई रस्म निभाया गया। इस मौके पर मुखिया प्रकाश उरांव ने गर्भवती महिला को हरी साग सब्जियां भेंट किए और कहा कि इस अवस्था में स्वस्थ्य रहने के लिए हरी साग सब्जियों व फलों का सेवन करना बहुत ही उपयोगी होता है। वहीं बीडीओ और अंचल अधिकारी ने महिला को अपना आशीर्वाद प्रदान करते हुए स्वस्थ जच्चा बच्चा की ईश्वर से प्रार्थना की।

सिसई प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों में मनाया गया योग दिवस

सिसई (गुमला)। 11 वां अंर्तराष्ट्रीय योग दिवस के शुभ अवसर पर योग गुरु गजराज महतो जी ने आयुष मंत्रालय के प्रोटोकॉल के अनुसार योगाभ्यास कराया। बी. एन. जालान महाविद्यालय सिसई, आश्रम बालिका विद्यालय कुम्हार मोड़ सिसई एवं कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय पंड़रानी सिसई में सभी छात्र छात्राओं एवं शिक्षक शिक्षिकाओं को योग करने की शपथ दिलाई। उन्होंने योगी जनों से कहा कि, योग को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाऐं। प्रतिदिन सुबह नित्य क्रिया से निवृत्त होकर सपरिवार कम से कम आधा घंटा योग, आसन, प्राणायाम अवश्य करें। सुबह का वातावरण बिल्कुल शुद्ध होता है। खासकर ब्रह्म मूहूर्त काल का समय। इस पवित्र समय में हम अपने अंदर के दिव्य दृष्टि से स्वयं कर आत्म साक्षात्कार करते हैं। जिससे ईश्वर की सानिध्यता प्राप्त होती है। योग गुरु जी ने पुनः अपने संबोधन में कहा कि, हमारा मूल दायित्व है कि, अपने तन- मन को सदा निरोगी, दिर्घायु व आनंदमय बनाए रखें। सभी से आग्रह करते हुए कहा कि हर कोई को योग से जोड़ें। जिससे परिवार, समाज, व हमारा भारत देश स्वस्थ, निरोगी , व समृद्ध भारत बनकर आने वाले कुछ वर्षों में विकसित भारत व विश्व गुरु बने और समस्त संसार का प्रतिनिधित्व करे।

कायस्थ समाज की आमसभा में संगठन सुदृढ़ीकरण पर जोर

गुमला। स्थानीय चित्रगुप्त भवन सभागार में रविवार को कायस्थ समाज चित्रगुप्त महापरिवार की आमसभा का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी विश्वनाथ प्रसाद 'नरेश' ने की। सभा की शुरुआत समाज के अध्यक्ष शशिरंजन अखौरी द्वारा अतिथियों के स्वागत एवं वर्तमान सामाजिक संगठन को सशक्त बनाने के आह्वान के साथ हुई। उन्होंने कहा कि बदलते समय में समाज को एकजुट कर संगठित रूप से आगे बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है। बैठक में अखिल भारतीय कायस्थ महासभा से संबद्धता पर भी गंभीर चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर जुड़ाव से समाज को नई दिशा व पहचान मिलेगी। इसके अलावा चित्रगुप्त भवन के ऊपरी तल पर अधूरे आवासीय निर्माण कार्य को शीघ्र पूर्ण कराने पर भी चर्चा की गई। सभा में जुलाई माह में प्रस्तावित वन महोत्सव सप्ताह के दौरान किसी विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प लिया गया, जिससे समाज की सहभागिता पर्यावरण संरक्षण में भी हो। इस मौके पर एनएमपी श्रीवास्तव, विनय अखौरी, देवभूषण प्रसाद, विजय शंकर दास, आर.के. वर्मा सहित कई सदस्यों ने समाजहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन समाज के सचिव स्वप्न कुमार रॉय ने किया और अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ सभा की विधिवत समाप्ति की घोषणा की गई।

64वीं सुब्रोतो मुखर्जी कप फुटबॉल प्रतियोगिता संपन्न

संत इग्नासियुस व संत पात्रिक विद्यालय की टीमों ने मारी बाज़ी

नवीन मेल संवाददाता

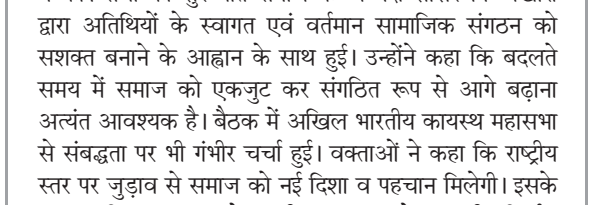

गुमला। प्रखंड स्तरीय 64वीं सुब्रोतो मुखर्जी कप फुटबॉल प्रतियोगिता 2025 का सफल आयोजन संत इग्नासियुस उच्च विद्यालय, गुमला के जुबली स्टेडियम में संपन्न हुआ। इस अवसर पर अंडर-17 बालक, अंडर-17 बालिका तथा अंडर-15 बालक वर्ग की रोमांचक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें गुमला प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों की टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी प्रीति कुजूर, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी ओमप्रकाश दास एवं विद्यालय के प्रधानाध्यापक फादर मनोहर खोया ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि—"यह प्रतियोगिता छात्रों की छुपी प्रतिभा को मंच प्रदान करने का सशक्त माध्यम है। ऐसे आयोजनों से न केवल उनका शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है, बल्कि अनुशासन, समर्पण और टीम भावना जैसे मूल्य भी दृढ़ होते हैं। प्रतियोगिता में (अंडर-17 बालक वर्ग) संत इग्नासियुस उच्च् विद्यालय विजेता तथा संत पात्रिक उच्च विद्यालय उप विजेता रहीं। वहीं अंडर-17 बालिका वर्ग में संत पात्रिक उच्च विद्यालय विजेता और संत पात्रिक उच्च विद्यालयउ उपविजेता रही। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर विजेता व उपविजेता टीमों को ट्रॉफी, मेडल व प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। खिलाड़ियों की ऊर्जा, टीम भावना और तकनीकी कौशल ने दर्शकों को खूब प्रभावित किया। मैचों के दौरान खेल भावना और अनुशासन का अद्भुत समन्वय देखने को मिला। कार्यक्रम के सफल संचालन में प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी ओमप्रकाश दास की अगुवाई में सुजीत झा, एमआईएस दीपक कुमार, अशोक कुमार, बालकृष्ण, विजय गौतम, शुभम कुमार राय, विकास कुमार, वीणा केरकेट्टा, कुमुद एक्का, सरोज बाखला, जगतपाल उरांव तथा संदीप साहू की सक्रिय भूमिका सराहनीय रही। यह प्रतियोगिता न केवल उभरती प्रतिभाओं को मंच देने में सफल रही, बल्कि विद्यालयों के बीच सौहार्दपूर्ण प्रतिस्पर्धा और खेल संस्कृति को प्रोत्साहित करने की दिशा में भी एक प्रेरक प्रयास साबित हुई।

सुप्रभात

विचार प्रवाह

"वह अच्छा और बुद्धिमान है जो हमेशा सच बोलता है, धर्म के अनुसार काम करता है और दूसरों को उत्तम और प्रसन्न बनाने का प्रयास करता है।" - **स्वामी दयानंद सरस्वती**

संपादकीय

मौसम का बदलाव ऐसे नहीं हुआ

विश्व के साथ भारत बदल रहा है और साथ ही बदल रहा है इसका मौसम जो अब आश्चर्य या कौतूहल का विषय नहीं मात्र एक सूचना है क्योंकि हमें इसके बारे में सोचने की फुर्सत नहीं है। भारत में इन दिनों जलवायु परिवर्तन के चलते मौसम का पैटर्न बदल रहा है। मूसलाधार बारिश ने मई में मौसम को ठंडा बना दिया। ठीक उसी तरह, जिस तरह फरवरी में अचानक जाड़े के बाद वसंत ऋतु की जगह गर्मी आ गई थी। जून में बारिश के पीछे हीट वेव आ गई। ऐसे मौसमों का उलट-पलट होना जलवायु परिवर्तन से झुलस रहे भारत की तस्वीर बयान कर रही है। मई में लू के थपेड़ों की जगह ठंडी हवाओं का लुत्फ उठाकर यह लग रहा था कि इस साल मौसम बहुत मेहरबान है। तपिश की जगह बौछारें हमारे हिस्से में आ गईं। बाद में मानसून की प्रगति रुक गई। इसके लिए जिम्मेदार पश्चिमी विक्षोभ की आवृत्ति कम हो गई। जून के पहले हफ्ते से पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों और पूर्वी राजस्थान, दक्षिण उत्तर प्रदेश और उत्तर-पश्चिमी मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों को भयंकर लू का सामना करना पड़ा। दिल्ली में भारत मौसम विभाग (आईएमडी) को 14 जून तक लगातार पांच दिनों तक रेड अलर्ट जारी करने की नौबत आ गई, जिसके बाद अब पूर्वोत्तर भी हीट वेव की चपेट में आ गया है। कॉपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस (सी3एस) ने जून 2023 में यह एलान कर दिया था कि कई दिनों तक औसत वैश्विक तापमान पूर्व-औद्योगिक स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक था। 2024 में फिर यह बात दोहराई कि ग्लोबल वार्मिंग इस साल 1.5 डिग्री की लक्ष्मण रेखा पार कर गई। एक हालिया स्टडी शिफ्टिंग जोनस ऑफ ऑक्युरेंस ऑफ एक्सट्रीम वेदर इवेंट-हीट वेव्स के मुताबिक, अब भयंकर लू सिर्फ राजस्थान या विदर्भ तक सीमित नहीं रही। अरुणाचल प्रदेश, केरल और जम्मू-कश्मीर जैसे पारंपरिक रूप से ठंडे माने जाने वाले राज्यों में भी पिछले दो दशकों में ऐसी लू देखी गई है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) की रिपोर्ट भी इस बात की पुष्टि करती है। हाल ही में किए गए आकलन के अनुसार, उत्तराखंड के पहाड़ों में खाद्यान्न और तिलहन 27 फीसदी फसल भूमि नष्ट हो गई, उपज में 15 फीसदी की कमी आई। आलू का उत्पादन पांच वर्षों में 70 फीसदी तक गिर गया, जिसमें सबसे बड़ी गिरावट अल्मोड़ा और रुद्रप्रयाग में आई। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के पूर्व महानिदेशक डॉ. केजे रमेश के अनुसार, जलवायु परिवर्तन के कारण दक्षिण-पूर्वी वायुमंडल में नमी का स्तर बढ़ गया है। तापमान में हर एक डिग्री की वृद्धि के साथ, हवा की जलवाष्प धारण करने की क्षमता में सात फीसदी की वृद्धि हुई है। सभी पहाड़ी राज्यों में दो से चार डिग्री तापमान वृद्धि देखी गई है। आईपीसीसी की रिपोर्ट में वेट-बल्ब तापमान का जिक्र किया गया है, जो मूल रूप से तापमान रीडिंग की गणना करते समय गर्मी और उमस को जोड़कर देखता है। एक आम इन्सान के लिए, 31 डिग्री सेल्सियस का वेट-बल्ब तापमान बेहद खतरनाक है। 35 डिग्री सेल्सियस में तो छाया में आराम कर रहे किसी स्वस्थ वयस्क के लिए भी लगभग 6 घंटे से अधिक समय तक जीवित रहना मुश्किल हो जाएगा। नए शोध बताते हैं कि दक्षिण भारत में तेज हवाएं नमी को बेहतर तरीके से फैला रही हैं। ये हवा के बड़े पैमाने पर हो रहे बदलाव का संकेत हैं, जो शायद मानसून प्रणाली की चाल को भी प्रभावित कर रहे हैं। अब जरूरत है प्रभावी हीट एक्शन प्लान, मजबूत अर्ली वॉर्निंग सिस्टम और शहरों के लिए क्लाइमेट-रेजिलिएंट इन्फ्रास्ट्रक्चर की।

मौसमों का उलट-पलट होना जलवायु परिवर्तन से झुलस रहे भारत की तस्वीर बयान कर रही है।

पहाड़ों के बीच से गुजरती उम्मीदों की ट्रेन

जून के एक खुशगवार दिन, गेंदे के फूलों और राष्ट्रीय गौरव से लदी हुई वंदे भारत एक्सप्रेस ने श्री माता वैष्णो देवी कटरा से श्रीनगर तक अपनी पहली यात्रा शुरू की। प्रधानमंत्री द्वारा झंडी दिखाए जाने के बाद, यह क्षण एक हाई-स्पीड ट्रेन के शुभारंभ से कहीं ज़्यादा महत्वपूर्ण बन गया था। यह एक सदी पुराने सपने की परिणति थी – जो चट्टानी इरादों, दूरदर्शिता और दृढ़ संकल्प से बुनी गयी थी। और वह संकल्प था - कश्मीर का शेष भारत के साथ रेल एकीकरण। इस ट्रेन में यात्रा कर रहे लोगों के खुशनुमा चेहरों से यह साफ़ दृष्टिगोचर हो रहा है। अल्ट्रा आधुनिक यात्रा अनुभव के साथ कश्मीर जाने वाली यह ट्रेन हमारे इंजीनियरों के परिश्रम की ठोस नींव पर आधारित है। यात्रा के समय में कमी लाते हुए, यह हाई स्पीड वंदे भारत ट्रेनें दिन में दो बार, सप्ताह में छह बार दोनों तरफ़ से चल रही हैं। ये न केवल घाटी में स्थानीय आर्थिक विकास के लिए आवश्यक प्रोत्साहन दे रही हैं, बल्कि देश भर के पर्यटकों के लिए भी वरदान साबित हो रही हैं। अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ तीन घंटे के कम समय की इस मनमोहक यात्रा ने वास्तव में पर्वतीय कश्मीर को सभी मौसमों में शेष भारत के साथ एकीकृत कर दिया है। सड़क मार्ग से इस यात्रा में छह से सात घंटे लग जाते हैं। दशकों से, कश्मीर की कहानी संघर्ष और दूरी के नजरिये से सुनी जाती रही है। यह देखना अब उत्साहजनक है कि यह इबारत बुनियादी ढांचे - पुल, सुरंग और पहाड़ों के बीच से गुजरती रेल लाइनों की भाषा में फिर से लिखी जा रही है। केंद्र में प्रधानमंत्री के शासन के 11 साल पूरे होने की पूर्व संध्या पर, विशेष ट्रेनें और कनेक्टिंग लिंक कश्मीर में स्थानीय लोगों की नियति बदलने के लिए कमर कसकर तैयार हैं। राष्ट्र की सेवा के अपने 172 साल के इतिहास में, भारतीय रेल ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। रेल से जुड़ी, पुरुषों और महिलाओं की समर्पित पीढ़ियों ने संपर्क और परिवहन को रोजमर्रा की हकीकत बनाने के लिए कड़ी मेहनत की है। लेकिन यह एक विख्यात भारतीय विज्ञापन की एक मशहूर पंक्ति को चरितार्थ भी करती हैः भारतीय रेल सिर्फ पटरियां नहीं बनाती–यह राष्ट्रीय एकता का ताना-बाना भी बुनती है! अलगाव से एकीकरण तक ऐतिहासिक रूप से देखें तो कश्मीर का अलगाव केवल रूपक भर नहीं था, बल्कि यह भौगोलिक और कष्टदायी रूप से वास्तविक भी था। हिमालय की ऊंचाइयों पर बसा और अक्सर हफ्तों तक बर्फ से ढका रहने वाला यह क्षेत्र न केवल पहुंच में बल्कि अनुभव में भी दुर्गम था। सड़कें खतरनाक थीं, हवाई यात्रा सीमित थी और लंबे समय से किया जा रहा पूर्ण रेल संपर्क का वायदा एक मृगतृष्णा बनकर रह गया था। कश्मीर रेल लिंक के लिए ब्रिटिश काल का प्रस्ताव दशकों तक ड्राइंग बोर्ड पर सीमित रहा, जो जटिल भू-राजनीतिक चुनौतियों से बाधित था। विचार-विमर्शों, व्यवहार्यता अध्ययनों, तकनीकी मूल्यांकनों और घरेलू तथा अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों के साथ परामर्शों के अनगिनत दौर के बाद, उधमपुर- श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) को आधिकारिक तौर पर 1994 में मंजूरी दी गई थी। उत्तरी और दक्षिणी अनुभागों में जहां निरंतर प्रगति होती रही और एक दशक के भीतर वे प्रभावी रूप से पूरे भी हो गए, कटरा से बनिहाल तक के केंद्रीय अनुभाग में हिमालय से जुड़ी कई इंजीनियरिंग और सुरक्षा चुनौतियां सामने आईं। वर्षों तक पहाड़ों की खाई से गुजरती यह रेल लाइनें दो अलग-अलग खंडों के रूप में बाधित रहीं। लेकिन यह खाई केवल भौतिक भूभाग से ही जुड़ी नहीं थी, बल्कि यह किसी और चीज की भी प्रतीक थी।

यूएसबीआरएल परियोजना को पूरा करने का अंतिम ठोस प्रयास तब हुआ जब सरकार ने इसे राष्ट्रीय प्राथमिकता घोषित किया। दृढ़ संकल्प और अत्याधुनिक तकनीक के समन्वय से काम करने के बाद आखिर इस परियोजना ने वास्तव में आकार ले ही लिया। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बिलकुल सटीक टिप्पणी की; यह एक परिवहन पहल भर नहीं थी, बल्कि राष्ट्र निर्माण का एक प्रयास थी। जहां आसमान पर छाया है इस्पात यूएसबीआरएल परियोजना शायद आज़ादी के बाद की सबसे महत्वाकांक्षी रेल पहल है। उधमपुर और बारामूला के बीच 272 किलोमीटर का यह हिस्सा 40 सुरंगों और 900 से ज़्यादा पुलों से होकर गुज़रता है। और इस सबके बीच में कीर्तिमान स्थापित कर रहा है - चिनाब ब्रिज - जो नदी के तल से 359 मीटर ऊपर विश्व का सबसे ऊंचा रेलवे ब्रिज है। इंजीनियरिंग का यह चमत्कार 260 किलोमीटर प्रति घंटे की हवा की रफ़्तार और भूकंपीय क्षेत्र-V के झटकों को झेलने में सक्षम है। इसके बगल में अंजी खाद ब्रिज है, जो भारत का पहला केबल-स्टेड रेलवे ब्रिज है। यह घाटी में असमान रूप से फैला हुआ है, सिंगल पायलन इसका आधार है और यह 96 केबलों द्वारा समर्थित है। पीर पंजाल रेंज से गुजरने वाली 11 किलोमीटर लंबी टी-80 (बनिहाल - काजीगुंड) सुरंग सहित अन्य सुरंगों का निर्माण डायनामाइट और इन्सानी क्षमता के जरिये चट्टान को तराश कर किया गया है। भौतिक सर्वेक्षण घोड़े पर सवार होकर किए गए, जबकि ड्रोन और सैटेलाइट इमेजिंग ने हवाई सर्वेक्षण में सहायता प्रदान की। श्रमिकों ने हाड़ कंपकपाती सर्दियों, आकस्मिक भूस्खलनों और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी हमलों के मंडराते खतरे के बावजूद अनथक काम किया। आज, 190 किलोमीटर से अधिक सुरंगों और हजारों टन स्टील लगने के बाद, यह लाइन पूरी तरह से तैयार है। यह एक ऐसी उपलब्धि है, जो सटीक इंजीनियरिंग को विजन की एक निश्चित साहसिकता के साथ जोड़ती है। यह घाटी को देश के बाकी हिस्सों से विशिष्ट प्रकार से जोड़ती है, जिसका एक महान सांकेतिक महत्व है। उम्मीद से भरी ट्रेन कई मायनों में, वंदे भारत एक्सप्रेस सिर्फ़ एक ट्रेन नहीं है - यह एक रूपक है। यह घास के मैदानों और घाटियों से चुपचाप गुज़रती है, वास्तविक और मनोवैज्ञानिक दोनों तरह की दूरियों को पाटती है और यह ऐलान करती है कि कश्मीर अब दूर नहीं रहा! इसने श्रीनगर और कटरा के बीच यात्रा के समय को लगभग छह घंटे से घटाकर सिर्फ़ तीन घंटे कर दिया है। जो कभी भूस्खलन, खतरनाक मोड़ और अप्रत्याशित मौसम के बीच एक दुर्गम सड़क यात्रा थी, वह अब सुरंगों और पुलों के माध्यम से एक अविश्वसनीय सुगम यात्रा बन गयी है। यह न केवल शहरों को, बल्कि जीवनों को भी जोड़ती है। दूर-दराज के गांवों के बच्चे अब जम्मू और दिल्ली के विश्वविद्यालयों के बारे में बात कर रहे हैं। स्थानीय कारीगर, सेब उत्पादक और कालीन बुनकर अब अपने ताज़ा उत्पादों को त्वरित गति से घाटी से परे दूरदराज के बाज़ारों तक पहुंचते हुए देख रहे हैं। श्रीनगर में एक युवा दुकानदार ने कहा, "जहां पहले चेकपॉइंट होते थे और उससे खासी देरी होती थी, वहां अब ट्रेन की आवाज़ गूंज रही है। ऐसा लगता है कि अब हम देश के बाकी हिस्सों के आने का इंतज़ार नहीं कर रहे हैं - हम उसके साथ चल रहे हैं।" एक नई यात्रा, विकास प्रक्रिया अभी भी जारी इसका मतलब यह बताना नहीं है कि एक ट्रेन कश्मीर की जटिल समस्याओं का समाधान कर देगी। बुनियादी ढांचा इतिहास को मिटा नहीं सकता या घावों को तुरंत ठीक नहीं कर सकता - सुरक्षा संबंधी चिंताओं पर अभी भी ध्यान देने की आवश्यकता होगी। लेकिन यह - शाब्दिक और प्रतीकात्मक - दोनों तरह से दरवाजे खोल सकता है और आर्थिक, सामाजिक और अंततः भावनात्मक एकीकरण की नींव रख सकता है। औपनिवेशिक कार्यालयों में ड्राइंग बोर्ड पर कभी एक सपने के रूप में जो आरंभ हुआ, वह हिमालय की चट्टानों के साथ मिलकर और स्टील से बनी रेलगाड़ियों के रूप में आज एक वास्तविकता बन गया है। कश्मीर तक रेल लाइन एक ऐसे देश की कहानी है जिसने भूभाग, आतंक या समय की सीमा की परवाह नहीं की। पहाड़ों की छाया से लेकर सूरज की रोशनी से जगमगाते स्टेशनों तक, अब एक नई यात्रा शुरू हो गई है!

आज की बात

जया वर्मा सिन्हा
एक्स सीईओ और चेयरमैन, रेलवे बोर्ड

सरल भाषा के रचनाकार विष्णु प्रभाकर

विष्णु प्रभाकर हिंदी साहित्य का एक बहुत बड़ा नाम है। लगभग दो दर्जन पुस्तकों के लेखक रहे। साहित्य की विभिन्न विधाओं में एक साथ प्रयोग किए- कहानी, उपन्यास, एकांकी, स्केच और रिपोर्ताज़ आदि में विभिन्न रचनाएँ सर्वथा नई भाव भूमि से परिचित कराती हैं। यह भाव भूमि यथार्थ आदर्श और स्वाभाविकता की टकराहट से उपजी हुई प्रतीत होती हैं। विष्णु जी की कृतियाँ इसलिए महत्वपूर्ण भी हैं क्योंकि इन तीनों प्रवृत्तियों की सीमाएं एक छोर पर आकर मिलती हुई सी साफ दिखाई देती हैं। इनका जन्म 21 जून 1912 में उत्तरप्रदेश के मुजफ्फरनगर जनपद के मीरनपुर गाँव में हुआ। पंजाब से स्नातक करने के पश्चात ही हिंदी लेखन के क्षेत्र में प्रवेश कर गए थे। इनकी धर्मपत्नी विदुषी सुशीला प्रभाकर (1938-1980) थीं। विष्णु जी हमलोगों के बीच से 11 अप्रैल 2009 को चले गए। इनकी कहानियों में हमें कोमल क्षणों की मार्मिक वेदना मिलती है तो कहीं कहीं दुरूहता भी। उनकी कहानियां रोचक होने के साथ संवेदनशील भी हैं। चरित्र चित्रण में कहीं कहीं आदर्शवादी वृत्ति खटकती अवश्य है लेकिनकहानी के प्रवाह को अवरुद्ध नहीं करती। उपन्यासों में से ढलती रात या स्वप्नमयी, दोनों में रोमानी तत्व और कुछ मिथ्या आदर्शवादी तत्व मिलकर एक अच्छी कथावस्तु को उनकी संभावनाओं के विकसित होने से रोकते हैं। विष्णु जी के उपन्यासों को पढ़ने से ऐसा लगता है कि जैसे उनका शिल्प कम और कवि मन अधिक जागरूक है। एकांकी नाटकों में हमें विष्णु जी के कुशल कहानी लेखक और नाटक लेखन के समान दर्शन होते हैं। कहानी की मार्मिकता नाटकों में उभर कर आ जाती है। एकांकी नाटकों में तो विष्णु जी मानवीय अनुभूति के सत्य के अन्वेषण में तत्पर मिलते हैं। स्केच और संस्मरण में विष्णु जी की सफलता यह है कि किसी भी व्यक्तित्व के भीतर उसकी व्यापक वाह्य विरुद्धता के बाबजूद,जो कोमल है, मानवीय है, उसको पकड़ने की चेष्टा बराबर बिना किसी आरोप के मिलती है। इनकी शैली और इनकी भाव-व्यंजना में इनकी मूल प्रकृति से स्रोतस्विनी की भांति फूटता है जिसमें न अधिक भावुकता है और न ही कटुता। रिपोर्ताज़ में विष्णु जी के पास तटस्थ दृष्टि है, जो एकदम निरपेक्ष भाव से किसी वस्तु को देखकर उसे अक्षरों में लिपिबद्ध कर सके। मार्मिक,सुन्दर ,सफल और विवेचनात्मक हैं। वे जीवनी- आवारा मसीहा से जनमानस में प्रसिद्ध हुए,उनके प्रकाशित ग्रन्थों में आदि और अन्त, संघर्ष के बाद,ढलती रात,स्वप्नमयी,नव प्रभात, डॉक्टर, जाने-अनजाने चर्चित रहे। इस सरस्वती पुत्र,हिंदी साहित्य के मूर्धन्य हस्ताक्षर को विनम्र श्रद्धांजलि और नमन।

आपकी बात

डॉ प्रशान्त करण

ओलंपिक दिवस : समरसता, साहस और सपनों की संकल्प-यात्रा

जब दुनिया की धड़कनें तनाव, विभाजन और असहिष्णुता की आँधी में थम-सी जाती हैं, तब एक लौ चुपके से जल उठती है-ओलंपिक की मशाल। यह सिर्फ़ आग नहीं, बल्कि मानवता का संकल्प है, जो सीमाओं को तोड़ता है, दिलों को जोड़ता है और एक स्वर में कहता है कि खेल सिर्फ़ मैदान की जीत नहीं, बल्कि जीवन की उड़ान है। 23 जून को मनाया जाने वाला अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस इस ज्योति को हर दिल तक पहुँचाता है। यह दिन केवल खेलों का उत्सव नहीं, बल्कि समानता, साहस, समरसता और सपनों का महाकुंभ है। यह वह पल है जो हमें याद दिलाता है कि एक रेस में दौड़ने वाला हर इंसान, चाहे वह हारे या जीते, अपने भीतर की असीम संभावनाओं को जीत लेता है। यह दिन हमें प्रेरित करता है कि हम न सिर्फ़ मैदान पर, बल्कि जीवन के हर मोड़ पर उत्कृष्टता, मैत्री और सम्मान के ओलंपिक मूल्यों को जिएं। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने 1948 में ओलंपिक दिवस की नींव रखी, जो 23 जून 1894 को बैरन पियरे डी कूबर्तिन द्वारा पेरिस के सोरबोन विश्वविद्यालय में देखे गए आधुनिक ओलंपिक के सपने से प्रेरित थी। यह सपना आज 200 से अधिक देशों को एक मंच पर लाता है, जहाँ खेल न केवल प्रतिस्पर्धा, बल्कि समानता, एकता और समावेशिता का प्रतीक है। 2025 की थीम "खेल के मैदान को समान बनाना, सबको साथ लेकर चलना" इस भावना को और गहरा करती है, जो हर व्यक्ति, चाहे वह किसी भी पृष्ठभूमि का हो, को खेल के माध्यम से जोड़ने और सशक्त बनाने का आह्वान करती है। आईओसी का लक्ष्य खेल को हर जीवन का हिस्सा बनाना और इसके मूल्यों-सम्मान, मित्रता, उत्कृष्टता-को विश्व भर में फैलाना है। यह दिवस "मूव, लर्न, डिस्कवर" के संदेश के साथ लाखों लोगों को प्रेरित करता है। 2024 की थीम "लेट्स मूव एंड सेलिब्रेट" ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के साथ मिलकर लोगों को रोज़ाना 30 मिनट की शारीरिक गतिविधि के लिए प्रोत्साहित किया, क्योंकि डब्ल्यूएचओ के अनुसार, 1.4 बिलियन लोग अपर्याप्त शारीरिक गतिविधि के कारण मोटापा, डायबिटीज और हृदय रोग जैसी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस

समावेशिता और एकता का प्रतीक है। ओलंपिक के पाँच रंगीन छल्ले-नीला, पीला, काला, हरा, लाल-पाँच महाद्वीपों को जोड़ते हैं, नस्ल, धर्म, लिंग की सीमाओं को तोड़कर सपनों को उड़ान देते हैं। 2024 पेरिस ओलंपिक में भारत ने 117 खिलाड़ियों के साथ 6 पदक जीते-नीरज चोपड़ा का भाला फेंक रजत, मानु भाकर के दो निशानेबाज़ी कांस्य, स्वप्निल कुसाले का राइफल कांस्य, हॉकी टीम का कांस्य और अमन सहरावत का कुश्ती कांस्य। टोक्यो 2020 के 7 पदकों (1 स्वर्ण, 2 रजत, 4 कांस्य) ने भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दिखाया, जिसमें नीरज, मीराबाई चानू, पी.वी. सिंधु और हॉकी टीम चमके। पेरिस में विनेश फोगाट का अयोग्य ठहराया जाना और कई चौथे स्थान निराशाजनक रहे, पर भारत की 65% युवा आबादी भविष्य की उम्मीद है। ओलंपिक 2024 का मंत्र "हार्मनी इन डाइवर्सिटी" भारत को बेहतर सुविधाओं और प्रशिक्षण के साथ विश्व मंच पर और ऊँचाइयाँ छूने की प्रेरणा देता है। यह दिन हमें सिर्फ़ खेलों की बात नहीं करता, बल्कि जीवन की समग्रता की बात करता है। आज जब मानसिक तनाव, डिप्रेशन और जीवनशैली रोग युवाओं को घेर रहे हैं, खेल एक ऐसा माध्यम है जो शारीरिक और मानसिक दोनों स्तरों पर हमें मज़बूत बनाता है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, नियमित शारीरिक गतिविधि से मानसिक तनाव 40% तक कम हो सकता है। खेल हमें आत्मविश्वास, समय प्रबंधन, नेतृत्व और टीम वर्क जैसे गुण सिखाते हैं, जो जीवन के हर क्षेत्र में काम आते हैं। भारत की प्राचीन धरोहर योग, जो अब ओलंपिक आयोजनों में शामिल होने की दिशा में है, इसका जीवंत उदाहरण है। योग न केवल शारीरिक लचीलापन बढ़ाता है, बल्कि मन को शांति और संतुलन भी देता है। भारत जैसे देश के लिए यह दिन एक क्रांति का आह्वान है। यहाँ प्रतिभा की कमी नहीं, लेकिन अवसरों और संसाधनों की कमी अक्सर सपनों को पंख लगने से रोकती है। ग्रामीण क्षेत्रों में खेल सुविधाओं का अभाव, लड़कियों के लिए सामाजिक बाधाएँ और खेल को करियर के रूप में कम महत्व देना कुछ ऐसी चुनौतियाँ हैं जिन्हें हमें दूर करना होगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

देश की बात

प्रो. आरके जैन

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस

फेसबुक वॉल से

एक्स से

आज का दोहा

चातक से तकते रहे चंदा का मुंह और।
पी स्वाती की बूंद वह, चला गया किस ठौर।।

सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत या इस पेज के लिए आर्टिकल कृप्या भेजें artical.rnmail@gmail.com

कॉल/व्हाट्सएप 8292553444

संपादक

वैश्विक परिप्रेक्ष्य में योग दर्शन की प्रासंगिकता

21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में पूरी दुनिया एक ऐसे आध्यात्मिक-वैज्ञानिक अभ्यास को सम्मान देती है, जो न केवल शरीर को निरोग बनाता है, बल्कि आत्मा को भी जाग्रत करता है। योग भारत की वह अमूल्य देन है, जो आज समस्त विश्व को मानसिक शांति, शारीरिक संतुलन एवं जीवन के गूढ़ रहस्यों से जोड़ रहा है। यह मात्र व्यायाम नहीं, अपितु एक जीवन-पद्धति है। संस्कृत धातु 'युज्' से निकला शब्द योग का अभिप्राय है – 'जोड़ना'। यह आत्मा का परमात्मा से, शरीर का मन से, और व्यक्ति का ब्रह्मांडीय चेतना से संबंध स्थापित करने का माध्यम है। योग एक दार्शनिक प्रक्रिया है, जो जीवन के चार पुरुषार्थों – धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त करती है। योग का इतिहास वैदिक काल से आरंभ होता है। ऋग्वेद, यजुर्वेद, अथर्ववेद और सामवेद में योग के अनेक मंत्र उल्लेखित हैं। श्वेताश्वतर उपनिषद, भगवद्गीता, महाभारत, हठयोग प्रदीपिका, योगवासिष्ठ और पतंजलि योगसूत्र जैसे ग्रंथ योग के शास्त्रीय स्रोत हैं। भगवान कृष्ण गीता में कहते हैं "योगः कर्मसु कौशलम्" – (गीता 2.50) अर्थात् कर्म में दक्षता ही योग है। भारतीय संस्कृति में अनेकों ऋषि-मुनि हुए जिन्होंने योग की विभिन्न शाखाओं का विकास कियाः पतंजलि ऋषि – अष्टांग योग के प्रवर्तक। उन्होंने योगसूत्र के माध्यम से योग को व्यवस्थित किया। गोरखनाथ हठयोग के सिद्धांतों का प्रचार किया। महर्षि वशिष्ठ 'योगवासिष्ठ' ग्रंथ के माध्यम से अद्वैत योग का विवेचन किया। कबीर, रामकृष्ण परमहंस, योगानंद, विवेकानंद ध्यान, प्राणायाम और भक्ति योग को जनमानस तक पहुँचाया। योग केवल शारीरिक अभ्यास नहीं, बल्कि विभिन्न मानसिक, आध्यात्मिक और नैतिक दिशाओं में व्यक्तित्व को विकसित करने वाला मार्ग है। योग के प्रमुख प्रकार हैंः राजयोग-ध्यान और आत्मसंयम का मार्ग (पतंजलि द्वारा प्रतिपादित अष्टांग योग)। हठयोग–शारीरिक नियंत्रण एवं प्राणायाम आधारित साधना। ज्ञानयो–आत्मज्ञान, विवेक और वैराग्य का मार्ग। भक्ति योग- ईश्वर प्रेम और समर्पण आधारित साधना। कर्मयोग–निष्काम कर्म और कर्तव्य का मार्ग। मंत्रयोग–ध्वनि और मंत्र शक्ति द्वारा साधना। लययोग–मन को परमात्मा में लीन करने की प्रक्रिया। पतंजलि योग दर्शन–अष्टांग योग। ऋषि पतंजलि ने योग को आठ अंगों में बांटाः 1. यम (सत्य, अहिंसा, अस्तेय, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह) 2. नियम (शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय, ईश्वर प्रणिधान) 3. आसन (स्थिरता और सुखद स्थिति) 4. प्राणायाम (श्वास नियंत्रण) 5. प्रत्याहार (इंद्रियों पर नियंत्रण) 6. धारणा (एकाग्रता) 7. ध्यान (गहन चिंतन) 8. समाधि (अंतर्मन की पूर्ण एकाग्रता और ब्रह्मानुभूति)। आज की तनावपूर्ण जीवनशैली, अनियमित खानपान, मानसिक अवसाद, मोटापा, डायबिटीज, ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियों से विश्व त्रस्त है। योग इन रोगों का सरल, सस्ता और प्रभावी समाधान है। तनाव और अवसाद का शमन ध्यान और प्राणायाम मानसिक शांति प्रदान करते हैं। हृदय रोग–नियमित योग से ब्लड प्रेशर और हृदय गति संतुलित होती है। मधुमेह नियंत्रण – विशेष योगासनों द्वारा शुगर स्तर नियंत्रित किया जा सकता है। रीढ़, गर्दन, जोड़ों का दर्द – आसनों द्वारा लचीलापन और शक्ति आती है। वैश्विक स्तर पर योग की मान्यता 2014 में भारत के पीएम के प्रस्ताव पर संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया। यह वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है, जो ऊर्जा और संतुलन का प्रतीक है। विश्व के प्रमुख देशों में योग को अपनाया गया है जिसमें अमेरिका के करोड़ों लोग योग को जीवनशैली का हिस्सा बना चुके हैं। यूरोप में योग स्टूडियो, रिसर्च सेंटर सक्रिय हैं। चीन, जापान, रूस के देशों में मानसिक अनुशासन और स्वास्थ्य लाभ हेतु योग अपनाया जा रहा है। विश्व के अनेक देशों में आज के युवाओं में मानसिक असंतुलन, आक्रोश, अवसाद, आत्महत्या की प्रवृत्ति बढ़ रही है। योग से अनुशासन, संतुलन और संयम की भावना विकसित होती है। विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों में योग को शिक्षा का अंग बनाना समय की माँग है। धार्मिक ग्रंथों में योग को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। भगवद्गीता में योग को जीवन का मूल बताया है। उपनिषद् में आत्मा और ब्रह्म के योग की बात करते हैं। "योग भारत का नहीं, मानवता का है। इसका उद्देश्य न संप्रदाय है, न सीमा; बल्कि समत्व है–समभाव का दर्शन, समग्रता की अनुभूति और समाधान की सिद्धि।"

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

अलग बात

डॉ. दीपक प्रसाद
सांस्कृतिक शोधकर्ता, रंगकर्मी, निर्देशक, सहायक आचार्य एवं योग साधक

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI.61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', स्थानीय संपादक : राणा अरुण सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नं.- 0651-3553943, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

सर्वार्थ सिद्धि योग में भोलेनाथ की आराधना से होंगे सब कार्य सिद्ध

एजेंसी। नई दिल्ली

आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि, जो भोलेनाथ को समर्पित 'प्रदोष व्रत' का दिन है, इस बार विशेष संयोग लेकर आ रही है। 24 जून को सोमवार के दिन पड़ रहा यह प्रदोष व्रत शिव भक्तों के लिए अत्यंत शुभ माना जा रहा है। इस दिन आर्द्रा नक्षत्र के साथ धृति और शूल योग का निर्माण हो रहा है। वहीं, चंद्रमा वृषभ राशि में और सूर्य मिथुन राशि में स्थित रहेंगे।

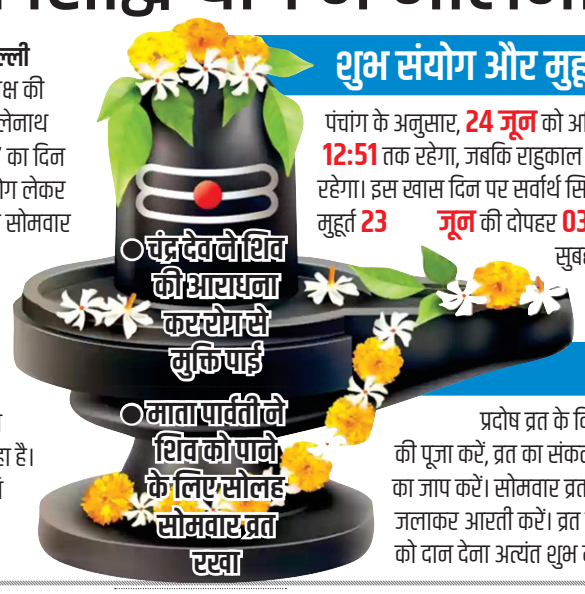

शुभ संयोग और मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, **24 जून** को अभिजीत मुहूर्त सुबह **11:55** से दोपहर **12:51** तक रहेगा, जबकि राहुकाल सुबह **07:09** से **08:54** बजे तक रहेगा। इस खास दिन पर सर्वार्थ सिद्धि योग भी बन रहा है, जिसका शुभ मुहूर्त **23 जून** की दोपहर **03:16** से शुरू होकर **24 जून** की सुबह **05:25** तक रहेगा। मान्यता है कि इस योग में किए गए कार्य निश्चित रूप से सफल होते हैं।

व्रत की विधि

प्रदोष व्रत के दिन सूर्यास्त से पहले स्नान कर शिव की पूजा करें, व्रत का संकल्प लें और "ॐ नमः शिवाय" मंत्र का जाप करें। सोमवार व्रत कथा का पाठ करें और अंत में दीपक जलाकर आरती करें। व्रत पूर्ण होने पर गरीबों और जरूरतमंदों को दान देना अत्यंत शुभ माना जाता है।

पूजा-विधि और उपाय

इस दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करें, पूजा स्थल को स्वच्छ करके गंगाजल का छिड़काव करें। एक चौकी पर सफेद कपड़ा बिछाकर भगवान शिव और माता पार्वती की प्रतिमा स्थापित करें और गंगाजल, बिल्वपत्र, चंदन, फल, फूल और अक्षत अर्पित करें। ध्यान रहे, एकादशी तिथि पर शिव को अक्षत अर्पित नहीं करना चाहिए। शिव पुराण के अनुसार, सोमवार के दिन भगवान शिव को जल, दूध और घी अर्पित करने से मानसिक और आर्थिक परेशानियों से मुक्ति मिलती है। साथ ही सफेद चीजों जैसे चावल, चीनी और दूध का दान करना पुण्यदायी माना गया है। शिवलिंग पर आक का फूल, दूर्वा और बिल्वपत्र चढ़ाने से विशेष फल की प्राप्ति होती है।

धार्मिक महत्व

शिव पुराण के अनुसार, सोमवार का दिन चंद्र देव से जुड़ा हुआ है, जिन्होंने भगवान शिव की आराधना करके क्षय रोग से मुक्ति पाई थी। माता पार्वती ने भी भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने हेतु सोलह सोमवार का व्रत किया था। इसलिए सोम प्रदोष का यह विशेष योग भक्तों के लिए अत्यंत फलदायी माना जाता है।

छत्तीसगढ़ के दोकड़ा में 27 जून को निकलेगी जगन्नाथ रथ यात्रा, तैयारियां जोरों पर

एजेंसी। छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ के दोकड़ा स्थित जगन्नाथ मंदिर में रथ यात्रा की तैयारियां जोरों पर हैं। यह रथ यात्रा 27 जून को बड़े धूमधाम से निकाली जाएगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उनकी पत्नी कौशल्या साय को शनिवार को गजपति महाराज की पारंपरिक भूमिका सौंपी गई और संबंधित अनुष्ठान संपन्न कराए गए। श्री जगन्नाथ मंदिर समिति द्वारा विशाल और आकर्षक रथ का निर्माण पुरी धाम की शैली में किया जा रहा है। भगवान श्री जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की मूर्तियों को विशेष रूप से सुसज्जित रथ में विराजमान कर नगर भ्रमण कराया जाएगा, रथ खींचने की परंपरा में हजारों श्रद्धालु भाग लेंगे। ओडिशा के संबलपुर से आमंत्रित पुरोहितों ने बगिया स्थित मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर धार्मिक परंपराओं का पालन करते हुए गजपति की रस्मों को संपन्न कराया। यह परंपरा पुरी धाम की तर्ज पर निभाई जाती है, जिसमें गजपति महाराजा को रथ यात्रा का मुख्य संरक्षक माना जाता है। इस वर्ष रथ यात्रा में ओडिशा के प्रसिद्ध कीर्तन मंडलियां, भक्ति रस से सराबोर गीतों एवं वाद्य यंत्रों के साथ शामिल होंगी। साथ ही विभिन्न धार्मिक, सांस्कृतिक और पौराणिक झांकियों की भी प्रस्तुति की जाएगी, जो इस आयोजन की शोभा को बढ़ाएगी।

पहलगाम के आतंकियों को शरण देने वाले दो व्यक्ति एनआईए के हत्थे चढ़े

एजेंसी। नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में आतंकियों को पनाह देने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की ओर से यह जानकारी दी गई है।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के अनुसार, पहलगाम में हुए आतंकी हमले के पीछे पाकिस्तानी लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों को पनाह देने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इस हमले में 26 मासूम लोग मारे गए थे। आरोपियों ने हमले से पहले आतंकवादियों को पनाह दी थी और उनकी पहचान बताई थी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बताया है कि इस मामले में आगे की जांच की जा रही है।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले की जांच के सिलसिले में दो स्थानीय कश्मीरियों, परवेज अहमद जोथर और बशीर अहमद जोथर को गिरफ्तार किया है। इन दोनों पर आरोप है कि उन्होंने हमले में शामिल तीन पाकिस्तानी आतंकवादियों को पनाह दी थी। ये आतंकवादी प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से जुड़े थे। हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे, और यह हमला बैसरन घाटी में हुआ था, जिसे "मिनी स्विटजरलैंड" के नाम से जाना जाता है।

एनआईए के मुताबिक उन्होंने जांच में पाया कि परवेज अहमद जोथर और बशीर अहमद जोथर ने पहलगाम के हिल पार्क में मौसमी ढोक (झोपड़ी) में तीन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के पाकिस्तानी आतंकवादियों को जानबूझकर शरण दी थी। उन्होंने आतंकियों को भोजन, आश्रय और रसद सहायता प्रदान की।

ऑपरेशन सिंदूर: भारत ने आतंक के खिलाफ दिखाई ताकत

22 अप्रैल को हुए हमले में आतंकियों ने धार्मिक पहचान के आधार पर पर्यटकों को निशाना बनाकर 26 लोगों की हत्या कर दी थी, जो पहलगाम में अब तक का सबसे भीषण आतंकवादी हमला था। एनआईए ने दोनों को गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम, 1967 की धारा 19 के तहत गिरफ्तार किया है। मामले में आगे की जांच जारी है।

बता दें कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर चलाकर बदला लिया था। भारतीय सैनिकों ने एयर स्ट्राइक कर पाकिस्तान में 9 आतंकी ठिकानों को तबाह किया था।

पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाले दो संदिग्धों को पंजाब पुलिस ने किया गिरफ्तार

अमृतसर। पंजाब में अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने आईएसआई के लिए काम करने वाले दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार ये दोनों पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के लिए मुखबिरी कर रहे थे। पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने रविवार को अपने एक्स हैंडल पर यह बात कही और साथ ही दो आरोपियों की पहचान भी बताई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी फौजी और साहिल मसीह उर्फ शाली के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गुरप्रीत सिंह आईएसआई हैंडलर के सीधे संपर्क में था। गुरप्रीत पर पेन ड्राइव के माध्यम से संवेदनशील और गोपनीय जानकारी साझा करने का संदेह है। डीजीपी ने अपने पोस्ट में कहा कि मामले में शामिल प्रमुख आईएसआई हैंडलर की पहचान राणा जावेद के रूप में हुई है। डीजीपी ने दावा किया कि "व्यापक जासूसी-आतंकवादी नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए जांच चल रही है। पंजाब पुलिस राष्ट्र की संप्रभुता और अखंडता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ सभी आवश्यक कार्रवाई करेगी।" इससे पहले एक अभियान में पंजाब पुलिस ने आईएसआई से संबंध रखने वाले एक जासूस और पाकिस्तान स्थित खालिस्तानी समर्थक गोपाल सिंह चावला को गिरफ्तार किया था। आरोपी गगनदीप सिंह को 2 जून को तरनतारन में गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों के अनुसार, वह सैन्य तैनाती और रणनीतिक स्थानों के विवरण सहित संवेदनशील जानकारी लीक कर रहा था, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को गंभीर खतरा पैदा हो रहा था। पुलिस

● आईएसआई हैंडलर से सीधे सम्पर्क का आरोप

टीमों ने आरोपी के कब्जे से दो मोबाइल बरामद किए, जिसमें संवेदनशील खुफिया जानकारी थी, जिसे उसने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों के साथ साझा किया था। साथ ही 20 से अधिक आईएसआई संपर्कों का विवरण भी था। इससे पहले डीजीपी गौरव यादव ने पाकिस्तान समर्थित आतंकी मॉड्यूल बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के दो संदिग्धों को पकड़ने का भी दावा किया था। उन्होंने कहा ," 21 जून को एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने ब्रिटेन स्थित हैंडलर धरम सिंह उर्फ धर्मा संधू द्वारा संचालित किए जा रहे बीकेआई को ध्वस्त कर दिया और एक स्थानीय कार्यकर्ता को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से छह अत्याधुनिक विदेशी पिस्तौल भी बरामद की। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान अमृतसर के जलालुसमा गांव निवासी ओंकार सिंह उर्फ नवाब के रूप में हुई है। भारत-पाकिस्तान सीमा पार से ड्रोन के जरिए तस्करी किए गए हथियारों में चार 9एमएम ग्लॉक पिस्तौल और दो 30 बोर पीएक्स 5 पिस्तौल शामिल हैं।

बिहार चुनाव से पहले निर्वाचन आयोग का बड़ा कदम

घर-घर जाकर मतदाता सूची की जांच पर विचार

एजेंसी। नई दिल्ली

बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर चुनाव आयोग (ईसीआई) मतदाता सूची के पुनरीक्षण के दौरान घर-घर जाकर व्यापक सत्यापन अभियान चलाने पर विचार कर रहा है। यह कदम मतदाता सूचियों की स्पष्टता सुनिश्चित करने और फर्जी या अपात्र नामों को हटाने की दिशा में एक अहम प्रयास माना जा रहा है। चुनाव आयोग को लंबे समय से विभिन्न नागरिक संगठनों, राजनीतिक दलों और एजेंसियों की ओर से मतदाता सूची में नामों के अनुचित जोड़-घटाव को लेकर चिंता जताई जाती रही है। आयोग ने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि केवल वैध और पात्र नागरिकों को ही मतदाता सूची में शामिल करना उसकी प्राथमिकता है। भारत के

संविधान का अनुच्छेद 326 और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 16 इस संबंध में मतदाता पंजीकरण की पात्रता और अपात्रता को स्पष्ट रूप से परिभाषित करते हैं। चुनाव आयोग के अनुसार, मतदाता सूची के निरंतर अद्यतन की आवश्यकता कई कारणों से होती है। विवाह, नौकरी, शिक्षा या पारिवारिक कारणों से लोग लगातार एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित होते हैं। वर्ष 2024 में ही 46.26 लाख लोगों ने अपने पते में बदलाव किया, 2.32 करोड़ ने सुधार के लिए आवेदन दिया और 33.16 लाख ने पहचान पत्र बदलने का अनुरोध किया। मृतकों के नाम अक्सर परिवारजन द्वारा हटवाए नहीं जाते, जिससे सूची में त्रुटियां बनी रहती हैं। वहीं, 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले नए मतदाताओं का नाम जोड़ना और नाम, फोटो, पता आदि में सुधार करना भी शामिल है।

निर्वाचन आयोग ने हाल ही में प्रति मतदान केंद्र मतदाताओं की सीमा 1,500 से घटाकर 1,200 कर दी है। साथ ही प्रयास है कि कोई भी मतदाता 2 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय न करे। विदेशी अवैध प्रवासियों की पहचान और नामों की छंटनी करना भी एक बड़ा टास्क होता है।चुनाव आयोग ने बताया कि पूरी प्रक्रिया के दौरान राजनीतिक दलों को दावे, आपत्तियां और अपील दाखिल करने का पूरा अवसर दिया जाता है।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में नक्सलियों ने की आत्मसमर्पित नक्सली सहित दो की हत्या

एजेंसी। बीजापुर

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में पामेड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत नक्सल प्रभावित ग्राम सेंड्राबोर और एमपुर में नक्सलियों ने शनिवार देर रात दो ग्रामीणों को अपहरण के बाद मुखबिरी का आरोप लगाकर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि इनमें एक समैय्या पहले नक्सली था, उसने 2025 में आत्मसमर्पण कर दिया था, वहीं वेको देवा ग्रामीण है। इन्हें मिलाकर बीजापुर जिले में एक सप्ताह में यह 5वीं हत्या है। लगातार नक्सलियों द्वारा की जा रही हत्या की वारदात से गांव में इतनी दहशत है कि कोई भी ग्रामीण घटना को लेकर कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है। बीजापुर

● बीजापुर जिले में नक्सलियों ने एक सप्ताह में 5वीं हत्या को दिया अंजाम

एसपी जितेंद्र यादव ने बताया कि ऐसी घटना की जानकारी उनको मिली है, इसकी पुष्टि के लिए तस्दीक कारवाई जा रही है। शनिवार रात बड़ी तादाद में हथियारबंद नक्सली सेंड्राबोर और एमपुर पहुंचकर आत्मसमर्पित नक्सली समैय्या और ग्रामीण वेको देवा का अपहरण कर ले गए। इस दौरान दोनों को नक्सलियों ने बेरहमी से पीटा, उनपर मुखबिरी का आरोप लगाते हुए दोनों की बेरहमी से हत्या कर दी।

आतंकवाद को खत्म करने के लिए संकल्पित : पीयूष गोयल

मुंबई। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को कहा कि सरकार आतंकवाद और नक्सलवाद को खत्म करने के लिए संकल्पित है। उन्होंने कहा कि भारत हर चुनौती का करारा जवाब देने में सक्षम है। वह रविवार को मीडिया से बातचीत करने के दौरान एनआईए की कार्रवाई और जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। मोदी सरकार पूरी ताकत से आतंकवाद और नक्सलवाद से लड़ने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

आज का राशिफल

मेष : पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी।

वृष : अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी।

मिथुन : रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। अपने संघर्ष में स्वयं के आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी।

कर्क : उच्चमनोबल रखकर कार्य करें, सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी।

सिंह : सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी।

कन्या : घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। श्रम अधिक करना पड़ सकता है।

तुला : वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। शांतिपूर्वक नित्य कार्य करें। संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कलह विवाद का डर बना रहेगा। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है।

वृश्चिक : अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी।

धनु : बुद्धि और धन का दुरुपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। आज का परिश्रम आगे लाभ देगा।

मकर : आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे।

कुंभ : बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग हैं।

मीन : जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा।

बिहार के विकास के लिए एनडीए सरकार संकल्पित : सम्राट चौधरी

एजेंसी। पटना

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में राज्य सरकार की उपलब्धियों और योजनाओं का जिक्र करते हुए विपक्ष पर जोरदार निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 20 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार का दौरा किया और लगभग 6,000 करोड़ रुपए की परियोजनाओं को राज्य की जनता को समर्पित किया। इसके बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत बड़ा ऐलान किया। इस योजना में सामाजिक सुरक्षा पेंशन राशि को 400 रुपए से बढ़ाकर 1,100 रुपए कर दिया गया, जिसके लिए 13,000 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। पिछले तीन दिनों से हर किसी को लग रहा होगा कि यह बिहार के लिए ऐतिहासिक पल है। लगातार बारिश हो रही है और साथ ही विकास योजनाओं की झड़ी भी लगी है।सम्राट चौधरी ने बताया कि 'महिला संवाद' कार्यक्रम के तहत 1.60 करोड़ महिलाओं से संवाद के बाद 70,000 केंद्रों पर बैठकें आयोजित की गईं। महिलाओं की प्रतिक्रिया के आधार पर सरकार ने कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए। इनमें प्रत्येक पंचायत में कन्या विवाह भवन निर्माण का फैसला शामिल है, जिनका संचालन जीविका दीदी करेंगी। जीविका दीदी के कैडर कर्मचारियों के मानदेय को दोगुना करने का भी ऐलान किया गया।

उन्होंने बताया कि बिहार सरकार मां जानकी के जन्मस्थान पर भव्य मंदिर निर्माण की योजना पर काम कर रही है। इसके अलावा, भारत सरकार ने 52 योजनाओं के तहत

'चारा चोर' व 'राजकुमार' नहीं चलेंगे बिहार में

पटना। बिहार के उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता सम्राट चौधरी ने राजद नेता तेजस्वी यादव के बयान 'जेडीयू के टिकट भी अमित शाह ही बांटेंगे' पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि एक अति पिछड़े समाज का बेटा प्रधानमंत्री बन गया है और उन्हें इसी बात की बहुत तकलीफ है। तेजस्वी यादव के बयान पर उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा, "कुछ लोगों को इस बात से तकलीफ हो रही है कि एक अति पिछड़े समाज का बेटा प्रधानमंत्री बन गया है। वह भी ऐसे परिवार से जिसकी कोई राजनीतिक पृष्ठभूमि नहीं है। फिर भी, वे हर दिन प्रधानमंत्री को गाली देते हैं। मैंने उन्हें दीवार फिल्म याद करने की सलाह दी है।

मुजफ्फरनगर में पुलिस भर्ती पेपर लीक का आरोपी पकड़ा गया

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में पुलिस भर्ती पेपर लीक मामले में बड़ी कार्रवाई हुई है. यहां शनिवार को शाहपुर थाना पुलिस ने साल 2024 की यूपी पुलिस कॉन्स्टेबल भर्ती पेपर लीक केस में फरार चल रहे शातिर आरोपी अजय उर्फ पप्पन को गिरफ्तार कर लिया है. आरोपी को कुटबा गांव स्थित नहर पुलिया के पास से पकड़ा गया। इस मामले में यूपी एसटीएफ ने 2024 में शाहपुर थाने में मामला दर्ज कराया था, जिसके बाद से आरोपी फरार चल रहा था. उसके खिलाफ कोर्ट की ओर से एनबीडब्ल्यू वारंट जारी किए गए थे, बाद में धारा 82 और 83 के तहत भी कार्रवाई हुई, लेकिन आरोपी लंबे समय तक पुलिस की पकड़ से बाहर रहा. इस पर मुजफ्फरनगर पुलिस ने उस पर 10 हजार का इनाम घोषित किया था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने बताया कि आरोपी अजय उर्फ पप्पन शामली जिले के ग्राम भाभीसा का रहने वाला है. वह काफी समय से पुलिस को चकमा देता आ रहा था।

कौन बनेगा भाजपा का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष?

दिल्ली में 4 जुलाई से आरएसएस प्रांत प्रचारक बैठक, शताब्दी समारोह प्रमुख एजेंडा

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सभी शीर्ष अधिकारी अपनी क्षेत्रीय इकाइयों के पदाधिकारियों के साथ वार्षिक प्रांत प्रचारक बैठक के लिए जुलाई के पहले सप्ताह में राष्ट्रीय राजधानी में होंगे। 4 जुलाई से शुरू होने वाली तीन दिवसीय बैठक की अध्यक्षता आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और महासचिव दत्तात्रेय होसबोले करेंगे। परंपरागत रूप से, प्रांत प्रचारक बैठक वह जगह होती है जहां संघ पूर्णकालिक प्रचारकों की भूमिकाओं की समीक्षा करता है, और कभी-कभी उन्हें भाजपा में प्रतिनियुक्त करता है - हालांकि ऐसा काम किए हुए कुछ समय हो गया है। बैठक का समय महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह ऐसे समय में हो रही है जब भाजपा द्वारा अपने नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की घोषणा किए जाने की उम्मीद है। यह उच्च स्तरीय बैठक संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा, आंतरिक समन्वय को मजबूत करने और भविष्य की पहल की योजना बनाने पर केंद्रित होगी। एक प्रमुख एजेंडा संघ के शताब्दी समारोह की तैयारी होगी, जिसमें देश भर में बड़े पैमाने पर भागीदारी की योजना बनाई गई है। बैठक में 11 क्षेत्रीय प्रमुख, 46 प्रचारक और विभिन्न प्रांतों से वरिष्ठ आरएसएस स्वयंसेवक भाग लेंगे। इसमें मई और जून में आयोजित प्रशिक्षण सत्रों का भी मूल्यांकन किया जाएगा और अगले वर्ष के कार्यक्रमों की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया जाएगा। इसका लक्ष्य आंतरिक समन्वय को तेज करना और आगामी संगठनात्मक मील के पत्थर और सामाजिक-राष्ट्रीय पहलों के लिए रणनीति को बढ़ाना है।

मंदिर का निर्माण अयोध्या राम मंदिर की तर्ज पर ही पुनौरा धाम में होगा मां जानकी मंदिर का निर्माण

भव्य मां जानकी मंदिर का डिजाइन फाइनल : नीतीश

● पुनौराधाम में मंदिर निर्माण सभी बिहारवासियों के लिए गौरव और सौभाग्य की बात है।

एजेंसी। पटना

बिहार में सीतामढ़ी जिले के पुनौरा धाम में भव्य मां जानकी मंदिर का डिजाइन फाइनल हो गया है। मुख्यमंत्री नीतीश ने रविवार को स्वयं एक्स पर इसकी जानकारी दी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सुबह सुबह बताया कि मां जानकी मंदिर का डिजाइन फाइनल हो गया है और अयोध्या राम मंदिर की तर्ज पर ही मां जानकी मंदिर का निर्माण होगा।

मिथिला की धरा से उदित माता सीता

मिथिला की पावन कथा से जुड़ा इतिहास-पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, वैशाख शुक्ल नवमी को जब मिथिला के राजा जनक बारिश की कामना में हल चला रहे थे, तभी उनका हल एक मिट्टी के बर्तन या कलश से टकराया। उसे बाहर निकालने पर एक कन्या शिशु प्राप्त हुई। जिसे उन्होंने सीता नाम दिया। इसी कारण यह स्थान हिंदू धर्म में विशेष पवित्रता और आस्था का केंद्र है। कालांतर में इसी पावन स्थल के नाम पर नगर का नाम सीतामड़ई, फिर सीतामही और अंतत: सीतामढ़ी पड़ा।

मुख्यमंत्री ने इसके साथ ही अपने सोशल मीडिया पर फाइनल डिजाइन की तस्वीरें भी साझा की हैं। मुख्यमंत्री नीतीश ने कहा, "मुझे बताते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि जगत जननी मां जानकी की जन्मस्थली पुनौराधाम, सीतामढ़ी को समग्र रूप से विकसित किए जाने के लिए भव्य मंदिर सहित अन्य संरचनाओं का डिजाइन अब तैयार हो गया है, जिसे आपके साथ साझा किया जा रहा है। इसके लिए एक ट्रस्ट का भी गठन कर दिया गया है ताकि निर्माण कार्य में तेजी आ सके। हमलोग पुनौराधाम, सीतामढ़ी में भव्य मंदिर निर्माण शीघ्र पूरा कराने के लिए कृतसंकल्पित हैं। पुनौराधाम में मां जानकी के भव्य मंदिर का निर्माण हम सभी बिहारवासियों के लिए गौरव और सौभाग्य की बात है। मिथिला की पुण्य भूमि सीतामढ़ी में स्थित पुनौराधाम को माता सीता की जन्मस्थली माना जाता है। बिहार के सीतामढ़ी जिले के पुनौरा गांव में स्थित जानकी जन्मभूमि मंदिर को श्रद्धालु पुनौराधाम के नाम से भी जानते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यहीं त्रेता युग में राजा जनक के खेत जोतने के दौरान माता सीता धरती से प्रकट हुई थीं। प्रमुख धार्मिक स्थल-सीतामढ़ी के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है। हलेश्वर स्थान जो भगवान शिव को समर्पित मंदिर है। मान्यता है कि इस मंदिर का निर्माण स्वयं राजा जनक ने करवाया था। यह स्थान श्रद्धालुओं और पर्यटकों दोनों के लिए आस्था और ऐतिहासिकता का संगम है।

परमाणु सयंत्रों पर हमला अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर का उल्लंघन : ईरान

तेहरान / तेल अवीव । एजेंसी

ईरानी विदेश मंत्री सईद अब्बास अराघची ने रविवार को अमेरिका द्वारा ईरान की परमाणु सुविधाओं पर किए गए हमलों की तीखी आलोचना की, और गंभीर परिणामों की चेतावनी दी। अराघची ने इन हमलों को अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र चार्टर और परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) का स्पष्ट उल्लंघन बताया। एक्स पर अपने बयान में, उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य अमेरिका पर 'शांतिपूर्ण परमाणु प्रतिष्ठानों' को निशाना बनाकर आपराधिक कृत्य करने का आरोप लगाया। ईरानी विदेश मंत्री ने एक पोस्ट में कहा, 'आज सुबह की घटनाएं अपमानजनक हैं और इसके अनंत परिणाम होंगे। संयुक्त राष्ट्र के प्रत्येक सदस्य को इस बेहद खतरनाक, कानूनविहीन और आपराधिक व्यवहार से चिंतित होना चाहिए।

वैश्विक समुदाय को इस ओर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान करते हुए, ईरानी विदेश मंत्री ने कहा कि वाशिंगटन द्वारा की गई ये 'खतरनाक और अवैध' कार्रवाइयां संयुक्त राष्ट्र के हर सदस्य को चौंकाने वाली होनी चाहिए।

क्या असीम मुनीर ने इसके लिए ट्रंप के साथ लंच किया था?

ईरान पर यूएस ने बरसाए बम तो पाकिस्तान पर भड़के ओवैसी

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने ईरान के तीन परमाणु संयंत्रों पर अमेरिकी हमले और इजरायल व ईरान के बीच चल रहे संघर्ष पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर का उल्लंघन है। ऐसा करके, मुझे यकीन है कि ईरान आने वाले पांच सालों में एक परमाणु शक्ति संपन्न देश बन जाएगा। हमले से पहले, ईरान ने अपना भंडार स्थानांतरित कर लिया होगा। यह कोई निवारक नहीं होगा। कई अरब देश सोचेंगे कि उन्हें परमाणु क्षमता की आवश्यकता है। ओवैसी ने कहा कि हमें यह भी याद रखना चाहिए कि खाड़ी और मध्य पूर्व में 16 मिलियन से ज़्यादा भारतीय रहते हैं और अगर उस क्षेत्र में युद्ध छिड़ जाता है, जिसकी दुर्भाग्य से बहुत संभावना है, तो इसका वहां रहने वाले भारतीयों पर बहुत बुरा असर पड़ेगा। भारतीय कंपनियों ने इन सभी अरब देशों या खाड़ी देशों में जो निवेश किया है, और विदेशी निवेश का एक बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से आता है। और अंत में, ईरान के पास परमाणु हथियार होने के बारे में यह हौवा खड़ा किया गया है, या यह और वह, यही चीज इराक में इस्तेमाल की गई थी, सामूहिक विनाश के हथियार। कुछ नहीं, कुछ भी नहीं निकला। ओवैसी ने कहा कि हमें पाकिस्तानियों से पूछना चाहिए कि क्या वे चाहते हैं कि ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार मिले।

पाकिस्तान ने की अमेरिकी हमले की निंदा, बोला- ईरान के पास आत्मरक्षा का अधिकार

नई दिल्ली (आईएएनएस)। पाकिस्तान ने ईरान पर अमेरिकी हवाई हमले की निंदा की है। क्षेत्र में तनाव बढ़ने की आशंका जताते हुए पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि ईरान के पास आत्मरक्षा का अधिकार है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने रविवार को अपने बयान में कहा, " इजरायल के बाद अमेरिका की ओर से ईरान की न्यूक्लियर फैसिलिटी पर किए हमलों की पाकिस्तान निंदा करता है। हम इस क्षेत्र में तनाव के और बढ़ने की आशंका से बेहद चिंतित हैं। हम दोहराते हैं कि यह हमले अंतरराष्ट्रीय कानून के सभी मानदंडों का उल्लंघन करते हैं। ईरान को संयुक्त राष्ट्र चार्टर के तहत खुद का बचाव करने का वैध अधिकार है। बयान में आगे कहा गया, "ईरान के खिलाफ चल रहे आक्रमण के कारण तनाव और हिंसा में वृद्धि बेहद परेशान करने वाली है। तनाव बढ़ने से क्षेत्र और उससे परे गंभीर रूप से हानिकारक प्रभाव पड़ेंगे। हम लोगों के जीवन और संपत्तियों का सम्मान करने और संघर्ष को तुरंत खत्म करने की अनिवार्य आवश्यकता पर जोर देते हैं। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने कहा, "सभी पक्षों को अंतरराष्ट्रीय कानून, विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का पालन करना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों और उद्देश्यों के अनुरूप संवाद और कूटनीति ही इस क्षेत्र में संकट का समाधान निकालने का एकमात्र व्यावहारिक मार्ग है।"अमेरिका ने भारतीय समय के अनुसार रविवार सुबह 4.30 बजे ईरान के तीन प्रमुख न्यूक्लियर साइट्स पर हमला किया। इनमें फोर्डो, नतांज और एस्फाहान शामिल हैं।

कच्चे तेल की कीमत व महंगाई बढ़ सकती है

इजरायल-ईरान युद्ध से भारत का 3.6 लाख करोड़ रुपए का धंधा खतरे में

नई दिल्ली। एजेंसी

ईरान -इजरायल युद्ध में अमेरिका के भी कूद जाने से हालात खराब हो गये हैं। इसके कारण भारत के लगभग 3.6 लाख करोड़ रुपये के व्यापार पर असर पड़ने लगा है। क्योंकि इराक, जॉर्डन, लेबनान, सीरिया , यमन जैसे पश्चिम एशियाई देशों के साथ भी भारत का व्यापार प्रभावित होने लगा है।भारत से ईरान व इजरायल को होने वाला निर्यात तो पहले से ही प्रभावित होने लगा था। अमेरिका की ओर से ईरान पर किए गए हमलों ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। इससे कच्चे तेल (क्रूड) की कीमतें बढ़ सकती हैं और महंगाई भी बढ़ सकती है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) का कहना है कि इस तनाव से भारत के 8.6 अरब डॉलर के निर्यात और 33.1 अरब डॉलर के आयात पर असर पड़ सकता है। यानी लगभग 3.6 लाख करोड़ रुपये का व्यापार खतरे में है। ईरान व इजराइल के बीच युद्ध और बढ़ने की संभावना है। इस कारण पश्चिम एशिया के कई देशों के साथ भारत का व्यापार प्रभावित हो सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस युद्ध का असर भारत के निर्यात पर पहले से ही दिखने लगा है।रविवार को अमेरिका ने ईरान के तीन ठिकानों पर हमला किया। इससे इजरायल के साथ उसका युद्ध और बढ़ गया है। अमेरिका का उद्देश्य ईरान के परमाणु कार्यक्रम को खत्म करना है। वह अपने पुराने दुश्मन को कमजोर करना चाहता है। ईरान ने अमेरिका पर 'खतरनाक युद्ध' शुरू करने का आरोप लगाया है। इन हालात के कारण मुंबई के

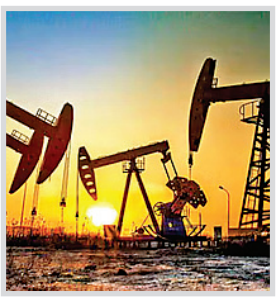

निर्यातक और टेक्नोक्राफ्ट इंडस्ट्रीज इंडिया के संस्थापक चेयरमैन शरद कुमार सराफ ने कहा, 'इस युद्ध के कारण अब हम बड़ी मुसीबत में फंस गए हैं। इसका पश्चिम एशियाई देशों के साथ भारत के व्यापार पर व्यापक असर पड़ेगा।' सराफ ने यह भी कहा कि उनकी कंपनी ने ईरान और इजरायल को भेजे जाने वाले सामान को रोक दिया है।

टेक्नोक्राफ्ट इंडस्ट्रीज ड्रम क्लोजर, नायलॉन और प्लास्टिक प्लग, कैपसील क्लोजर और क्लैंप बनाती है। एक और निर्यातक ने बताया कि भारतीय व्यापारी पहले से ही इजरायल-हमास के संघर्ष से परेशान हैं। लाल सागर में यमन के हूतियों की ओर से मालवाहक जहाजों पर हमले हो रहे हैं। इस वजह से भारत से जाने वाले जहाजों को अफ्रीका के केप ऑफ गुड होप से होकर जाना पड़ रहा है, जो कि एक लंबा रास्ता है।अब ईरान-इजरायल युद्ध के कारण एक और महत्वपूर्ण व्यापार मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य भी प्रभावित हो रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य एक बहुत ही महत्वपूर्ण समुद्री रास्ता है जिससे तेल के जहाज गुजरते हैं।सराफ ने कहा, 'यह मार्ग तेल टैंकर की आवाजाही को प्रभावित करेगा। मुझे लगता है कि तेल टैंकर नए मार्ग खोज लेंगे, लेकिन इससे कच्चे तेल की कीमतें बढ़ेंगी। इसका महंगाई पर प्रभाव पड़ेगा क्योंकि कच्चे तेल की कीमतें अन्य उत्पादों के दाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।' जीटीआरआई के संस्थापक अजय का कहना है कि पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से भारत के व्यापार पर बुरा असर पड़ेगा। इराक, जॉर्डन, लेबनान, सीरिया और यमन के साथ भारत का व्यापार खतरे में पड़ सकता है। इन देशों को भारत 8.6 अरब डॉलर का निर्यात करता है और 33.1 अरब डॉलर का आयात करता है।श्रीवास्तव का कहना है- 'इस गलियारे में माल ढुलाई लेन, बंदरगाह तक पहुंच या वित्तीय प्रणालियों में कोई भी व्यवधान भारत के व्यापार प्रवाह को बुरी तरह प्रभावित करेगा, माल ढुलाई व बीमा लागत बढ़ाएगा और भारतीय व्यवसायों के लिए नए सप्लाई चेन रिस्क पैदा करेगा।' इसका मतलब है कि यदि इन देशों में सामान भेजने व प्राप्त करने में कोई दिक्कत होती है तो भारत के व्यापार पर बहुत बुरा असर पड़ेगा।बीते वित्त वर्ष (2024-25) में ईरान को भारत से निर्यात 1.24 अरब डॉलर था। इसमें बासमती चावल (75.32 करोड़ डॉलर), केला (5.32 करोड़ डॉलर), सोया मील (7.06 करोड़ डॉलर), बंगाल चना (2.79 करोड़ डॉलर) और चाय (2.55 करोड़ डॉलर) शामिल हैं। बीते वित्त वर्ष में ईरान से भारत का आयात 441.8 अरब डॉलर था। वित्त वर्ष 2024-25 में इजरायल के साथ भारत का निर्यात 2.1 अरब डॉलर और आयात 1.6 अरब डॉलर रहा।यदि युद्ध और बढ़ता है तो भारत व इजरायल , भारत व ईरान के बीच व्यापार करना मुश्किल हो जाएगा।

रूस में निर्मित युद्धपोत 'तमाल' भारतीय नौसेना में होगा शामिल

नई दिल्ली । रूस के कालिनिनग्राद में नवीनतम स्टिल्थ मल्टी-रोल फ्रिगेट 'तमाल' भारतीय नौसेना में शामिल होगा। 'तमाल' यानी भारतीय नौसेना का नया युद्धपोत 1 जुलाई को नौसेना में कमीशन किया जाएगा। भारतीय नौसेना इसके लिए पूरी तरह से तैयार है। 'तमाल' भारत द्वारा रूस से प्राप्त की गई क्रिवाक क्लास फ्रिगेट्स की श्रृंखला का आठवां और तुशील क्लास का दूसरा युद्धपोत है। तुशील क्लास, पूर्ववर्ती तलवार और टेग क्लास (प्रत्येक में तीन-तीन जहाज) का उन्नत संस्करण है। इस परियोजना के तहत भारत में भी गोवा शिपयार्ड लिमिटेड में रूसी तकनीक और डिजाइन सहयोग से त्रिपुट क्लास के दो फ्रिगेट्स का निर्माण किया जा रहा है।

एयर इंडिया का बड़ा फैसला

उड़ानों की संख्या घटाई, 15 जुलाई तक स्थगित

नई दिल्ली । एजेंसी

ईरान, इराक, इजरायल हवाई मार्ग बंद

एयर इंडिया के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, "खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच, एयर इंडिया समूह पुष्टि करता है कि हमारी उड़ानें वर्तमान में ईरान, इराक और इजरायल के हवाई क्षेत्रों से होकर नहीं गुजरती हैं। एक सक्रिय उपाय के रूप में, हम आने वाले दिनों में फारस की खाड़ी के ऊपर कुछ हवाई क्षेत्रों के उपयोग से बचेंगे, इसके बजाय यूएई, कतर, ओमान और कुवैत सहित गंतव्यों के लिए उड़ानों के लिए वैकल्पिक मार्गों का चयन करेंगे। इस समायोजन से इन सेवाओं के लिए उड़ान अवधि में वृद्धि हो सकती है। एयर इंडिया हमारे बाहरी सुरक्षा सलाहकारों के साथ निरंतर परामर्श कर रही है और विकसित हो रही स्थिति की सतर्कतापूर्वक निगरानी कर रही है।

एयर इंडिया ने रविवार को कहा कि वह 19 मार्गों पर संकरे आकार के विमानों से संचालित 118 साप्ताहिक उड़ानों को अस्थायी रूप से कम करेगी और तीन मार्गों पर सेवाएं निलंबित करेगी।

टाटा समूह के स्वामित्व वाली इस एयरलाइन ने कुछ दिनों पहले कहा था कि वह चौड़े आकार के विमानों से संचालित अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में अस्थायी रूप से 15 प्रतिशत की कटौती करेगी। एयरलाइन ने एक बयान में कहा कि वह अपने कुल संकरे आकार के बेड़े में पांच प्रतिशत से कम की अस्थायी कटौती करने जा रही है। बयान के मुताबिक, ''इस स्वैच्छिक निर्णय से एयर इंडिया की सेवाओं का तीन मार्गों पर अस्थायी निलंबन होगा और 19 मार्गों पर फेरों में कमी आएगी।

जेल से छूटे बदमाशों की हिमाकत, एयरपोर्ट के पास की आगजनी

भुवनेश्वर । ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर के सबसे सुरक्षित इलाकों में गिने जाने वाले एयरपोर्ट के पास हुई आगजनी की एक घटना ने पूरे शहर को चौंका दिया है। दो बदमाशों ने शनिवार और रविवार की दरम्यानी रात लगभग 1 बजे एक दुकान और उसके बाहर खड़ी बाइक पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। यह पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि दोनों युवक पैदल आए, पेट्रोल डाला और आग लगाकर मौके से फरार हो गए। आग इतनी भयानक थी कि बाइक पूरी तरह जलकर राख हो गई और दुकान को भी काफी नुकसान पहुंचा।इस घटना ने आम लोगों में डर और गुस्से का माहौल है।

आगरा के एटीएम से 500 रुपए निकालने पर निकले 1100 रुपए, कई लोगों ने उठाया मौके का फायदा

आगरा । एजेंसी

यूपी के आगरा से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक एटीएम से 500 रुपए निकालने पर 1100 रुपए निकलकर बाहर आ रहे हैं। इस घटना के सामने आने के बाद एटीएम पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और कई लोग 500 की जगह 1100 रुपए निकालकर ले गए। इस घटना का वीडियो भी वायरल हो रहा है। मामला आगरा के थाना मलपुरा के नगला बुद्धा का है और एटीएम वन इंडिया का बताया जा रहा है। दरअसल आगरा के इस एटीएम से अचानक ज्यादा पैसे निकलने लगे। जैसे ही ये खबर फैली, वैसे ही एटीएम पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और कई लोग ज्यादा पैसे निकालकर भी ले गए। एटभ्एम से 500 रुपए निकालने पर 1100 रुपए निकल रहे थे। एटीएम में गड़बड़ी की सूचना पर मौके पर जब पुलिस पहुंची तो उसने सावधानी बरतते हुए एटीएम को बंद कराया।

लेह में दौड़ेगी देश की पहली हाइड्रोजन फ्यूल सेल बस, ट्रायल रन शुरू

लेह । स्वच्छ ऊर्जा और हरित परिवहन की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए लद्दाख की राजधानी लेह से पहली हाइड्रोजन फ्यूल सेल बस सेवा की शुरुआत की गई है। अत्याधुनिक तकनीक से लैस इस बस को लेह की ऊंचाई और ठंडे मौसम को ध्यान में रखते हुए विशेष रूप से डिजाइन किया गया है। यह सेवा सोमवार या मंगलवार से शुरू होने की संभावना है।

ईरान-इजरायल युद्ध के कारण विदेश में प्रोफेशनल्स की नियुक्ति प्रभावित

ब्यूरो

- मध्य-पूर्व में लड़ाई के कारण पेशेवरों का अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर पर भी असर

नई दिल्ली। एक सर्वे में शामिल 22 प्रतिशत कर्मचारियों ने माना कि पहले इजरायल - गाजा मामला और अब इजरायल -ईरान युद्ध तथा अब इसमें अमेरिका के भी कूद जाने के कारण जो हालात हो गये हैं, उसके चलते उनका अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर प्रभावित हुआ है और वे देश से बाहर नहीं जा पा रहे हैं। 21% कर्मचारियों ने कहा कि उनकी टीम का मनोबल व आत्मविश्वास भी कम हो रहा है। इस तनाव का असर व्यवसाय पर भी पड़ रहा है। इस सर्वे के 63 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि उनकी कंपनियों ने नई भर्तियों पर फिलहाल रोक लगा दी है, और टीम के आकार को छोटा भी किया जा रहा है। मानव संसाधन सेवा प्रदाता जीनियस कंसल्टेंट्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि 15 % कंपनियों ने भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने के बाद अनुबंध आधारित व फ्रीलांस काम कराने पर फोकस किया है। यह रिपोर्ट 12 मई से जून के दौरान देश के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत 2006 कर्मचारियों के बीच किए गए एक ऑनलाइन सर्वे पर आधारित है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 36 % कर्मचारियों ने बताया कि तनाव के चलते उनकी वेतन वृद्धि, बोनस भी प्रभावित हुए हैं। 21 प्रतिशत लोगों ने कहा कि काम का दबाव भी बढ़ा है। सर्वे में शामिल 22 प्रतिशत कर्मचारियों ने माना कि युद्ध के हालात के चलते उनका अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर प्रभावित हुआ है और वे देश से बाहर नहीं जा पा रहे हैं। 21 % कर्मचारियों ने कहा कि उनकी टीम का मनोबल और आत्मविश्वास भी कम हो रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, 30 % कर्मचारियों ने अपनी नौकरी को लेकर चिंता जाहिर की, जबकि 26 % ने बताया कि वे हालात पर बारीकी से नजर रखे हुए हैं। सर्वे में शामिल 31%कर्मचारियों ने बताया कि उन्होंने नई नौकरी और अवसरों को तलाशना शुरू कर दिया है।

भारत में बलात्कार और हिंसा का हवाला देकर अमेरिका ने जारी की ट्रैवल एडवाइजरी, विवाद शुरू

एजेंसी। नई दिलली

अमेरिकी विदेश विभाग ने भारत में रहने वाले अमेरिकी नागरिकों और कामगारों के लिए लेवल 2 की ट्रैवल एडवाइजरी जारी कर एक बार फिर बहस छेड़ दी है। इस चौंकाने वाले फैसले में, अमेरिका ने अपने नागरिकों, विशेषकर महिलाओं को, भारत में किसी भी पर्यटन स्थल या अन्य सार्वजनिक स्थानों पर 'अधिक सावधानी बरतने' की सलाह दी है। विदेश विभाग ने अपनी एडवाइजरी में भारत में बलात्कार, हिंसा और आतंकवाद की घटनाओं में वृद्धि का हवाला दिया है।

अमेरिका ने भारत के लिए जारी की नई ट्रैवल एडवाइजरी : अमेरिकी विदेश विभाग ने 16 जून को अपनी ट्रैवल एडवाइजरी को अपडेट करते हुए भारत में अपने नागरिकों को 'अधिक सावधानी बरतने' की सलाह दी है। इस एडवाइजरी में अपराध और आतंकवाद को मुख्य कारण बताया गया है, जहां कुछ क्षेत्रों में जोखिम को 'अधिक' बताया गया है। एडवाइजरी के अनुसार, 'भारत में हिंसक अपराध और आतंकवाद होते हैं।' इसमें विशेष रूप से कहा गया है कि बलात्कार भारत में सबसे तेजी से बढ़ते अपराधों में से एक है।

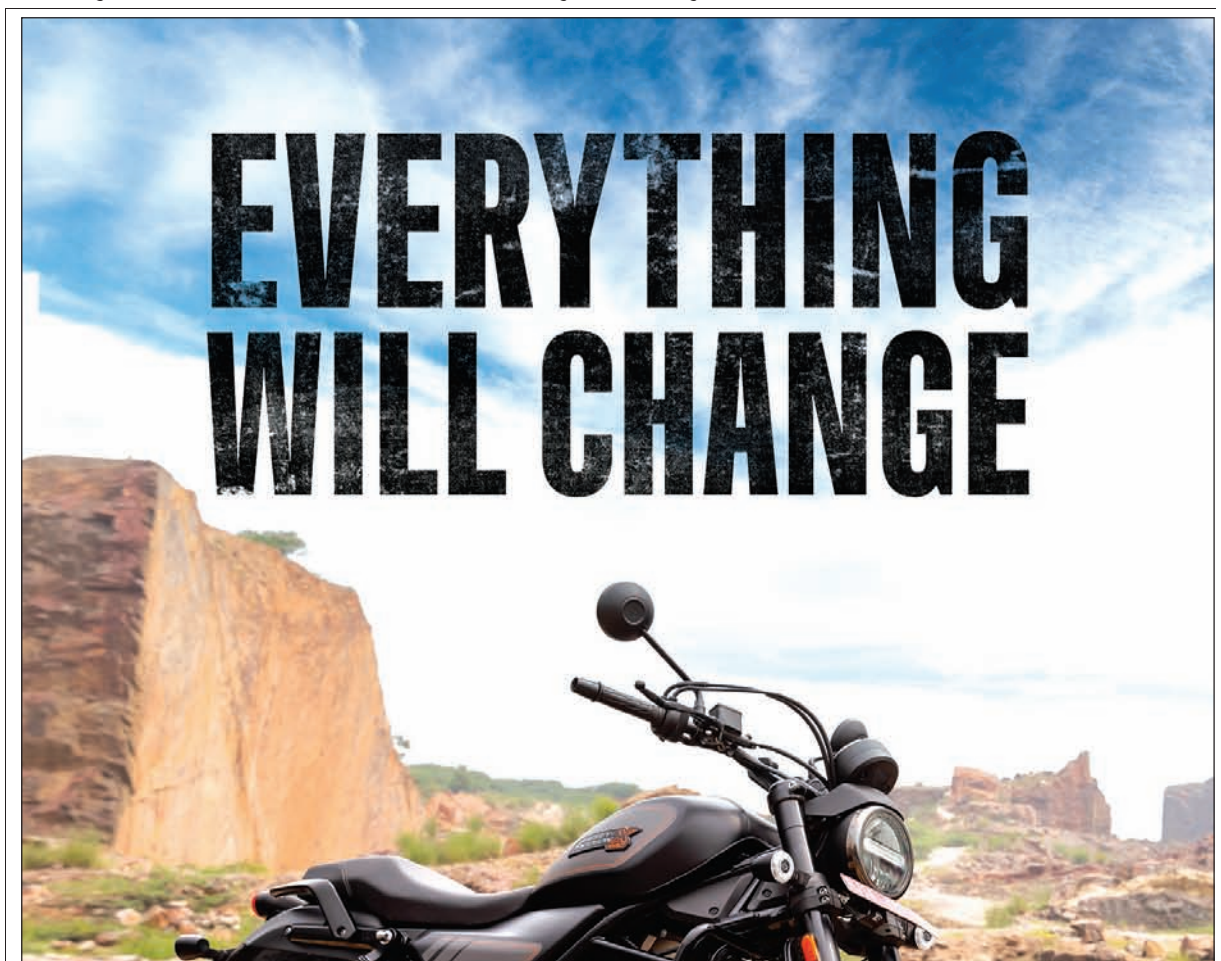

कहानी फिल्म जगत की

सलमान खान के फ्लैट तक पहुंच गई थी महिला फैन...

अभिनेता ने कपिल शर्मा शो पर सुनाई कहानी

हाल ही में एक महिला ने अभिनेता सलमान खान के गैलेक्सी अपार्टमेंट में घुसने की कोशिश की थी, अब भाईजान ने इस घटना के बारे में खुलकर बात की है। उन्होंने बताया कि महिला किसी तरह उनके फ्लैट तक पहुंच गई थी। आपको बता दें, यह घटना मई की शुरुआत में हुई थी।

सलमान खान द ग्रेट इंडियन कपिल शो सीजन 3 पर पहुंचे थे, जहां उन्होंने इस घटना के बारे में बात की। होस्ट कपिल शर्मा ने सलमान से उनके घर पर सूटकेस लेकर आने वाले प्रशंसकों के बारे में पूछा। इसपर सलमान ने कहा, 'हां, हाल ही में ऐसा कुछ हुआ था। बाहर सुरक्षा गार्ड थे। एक महिला ने उनसे कहा कि वह चौथी मंजिल पर जाना चाहती है और वह अंदर चली गई। उसने दरवाजे की घंटी बजाई, और हमारे नौकर ने दरवाजा खोला। हाल ही में एक महिला ने अभिनेता सलमान खान के गैलेक्सी अपार्टमेंट में घुसने की कोशिश की थी, अब भाईजान ने इस घटना के बारे में खुलकर बात की है। उन्होंने बताया कि महिला किसी तरह उनके फ्लैट तक पहुंच गई थी। आपको बता दें, यह घटना मई की शुरुआत में हुई थी।

राज्यसभा सांसद प्रतापगड़ी का हुआ स्वागत

रांची। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी दो दिवसीय झारखंड दौरे पर रविवार की शाम रांची पहुंचे। बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के प्रभारी जीनल एन गाला और प्रदेश अध्यक्ष मंजूर अंसारी ने ढोल नगाड़ा, झारखंडी नृत्य से उनका स्वागत किया। इसके बाद जुलूस-रैली की शक्ल में अंबेडकर चौक, अल्बर्ट एक्का चौक पर नमन करते हुए रांची जिला परिसदन में पहुंचे। यहां पर वे विभाग के कांग्रेस पदाधिकारियों के साथ संगठनात्मक विचार-विमर्श किया। इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष शहजादा अनवर, प्रदेश उपाध्यक्ष करीम अंसारी, जेडी तिग्गा, महमूद अली, प्रदेश महासचिव हसनैन आलम, महानगर अध्यक्ष हुसैन खान, जैतून जॉन, अरसादुल कादरी, तनवीर खान, मो सफार, राशिद अंसारी, अजहर पप्पू आदि कांग्रेस नेता मौजूद थे।

प्रदेश के 264 प्रखंडों में भाजपा का आक्रोश प्रदर्शन कल : आदित्य साहू

नवीन मेल संवाददाता

रांची। प्रदेश भाजपा ने कहा है कि राज्य की ध्वस्त विधि व्यवस्था, आकंठ भ्रष्टाचार, बुनियादी सुविधाओं का अभाव,गरीबों के पेंशन,किसानों के बकाए राशि, रोजगार देने, पेसा कानून लागू कराने, भाषा विवाद को ठीक करने, स्थानीय नीति, नियोजन नीति जैसे ज्वलंत मुद्दों पर प्रदर्शन करेगी। 24 जून को भाजपा कार्यकर्ता राज्य के सभी 264 प्रखंडों में आक्रोश प्रदर्शन कर प्रखंड विकास पदाधिकारी के माध्यम से उपायुक्त के नाम ज्ञापन सौंपेंगे। यह जानकारी पार्टी के प्रदेश महामंत्री एवम सांसद आदित्य साहू ने दी।

श्री साहू ने कहा कि हेमंत सरकार पार्ट 2 की कार्यशैली, नीति और नीयत में कोई परिवर्तन नहीं आया है। यह सरकार फिर से

● हेमंत सरकार पार्ट 2 की कार्यशैली, नीति और नीयत में कोई परिवर्तन नहीं आया है

राज्य के खजानों,खनिज संपदा को लूटने लुटवाने में लगी है। राज्य के पंचायतों से लेकर सचिवालय तक आकंठ भ्रष्टाचार है। कोई काम बिना पैसे का चढ़ावा चढ़ाए नहीं हो रहा।गरीब जनता अपने छोटे छोटे काम केलिए दर दर भटक रही। दलाल बिचौलिए सत्ता में हावी है।

कहा कि राज्य सरकार निकाय चुनाव को लगातार लटकाए रखी है। नियोजन नीति और भाषा विवाद में बेरोजगार युवक ठगे जा रहे। सड़क, बिजली, अस्पताल, दवाई, पढ़ाई सभी व्यवस्था चौपट हो चुकी है।

कहा कि राजधानी रांची सहित सुदूर ग्रामीण क्षेत्र सभी जगह भय व्याप्त है।लूट,हत्या बलात्कार की घटनाएं आम हो चुकी है। किसानों के धान के बकाए का भुगतान राज्य सरकार ने लटकाए रखा है। विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन, की राशि महीनों से नहीं मिल रही।

कहा कि इन सारे हालातों से जनता में आक्रोश है। भाजपा राज्य के जनभावनाओं के साथ खड़ी है। एक सशक्त विपक्ष के नाते पार्टी राज्य में अराजकता, भय और भ्रष्टाचार को चुपचाप नहीं देख सकती।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने भ्रष्ट और निकम्मी राज्य सरकार को जगाने केलिए सभी प्रखंडों में प्रदर्शन का निर्णय लिया है। लाखों की संख्या में 24 जून को भाजपा कार्यकर्ता आम जन के साथ प्रखंडों में प्रदर्शन करेंगे।

उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष एवम नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी गावां प्रखंड में, कार्यकारी अध्यक्ष डॉ रविंद्र कुमार राय धनवार,जमुआ प्रखंड में पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा खरसावां, रघुवर दास जमशेदपुर,चंपई सोरेन सरायकेला, प्रदेश महामंत्री एवं सांसद आदित्य साहू कांके, डॉ प्रदीप वर्मा नगड़ी, मनोज कुमार सिंह मेदिनीनगर, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी चंदनक्यारी में आक्रोश प्रदर्शन का नेतृत्व करेंगे।

श्री साहू ने बताया कि इसके अतिरिक्त अन्य प्रखंडों में पार्टी के प्रदेश पदाधिकारी, सांसद, विधायक, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गण, जिलाध्यक्षगण, मोर्चों के पदाधिकारीगण प्रदर्शन का नेतृत्व करेंगे।

जनता को असली मुद्दों से भटका रही भाजपा : विनोद कुमार पांडेय

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने आगामी 24 जून को भाजपा द्वारा घोषित आक्रोश प्रदर्शन को राजनीतिक नौटंकी करार देते हुए तीखा हमला बोला है। झामुमो महासचिव सह प्रवक्ता विनोद कुमार पांडेय ने रविवार को प्रेस बयान जारी कर कहा कि भाजपा राज्य की स्थिर सरकार को अस्थिर करने और जनता को भ्रमित करने की नाकाम कोशिश में एक बार भी जुटती दिख रही है। दिशाहीन भाजपा अपनी ताबूत में अंतिम कील ठोकने की दिशा में अग्रसर है। झामुमो महासचिव सह प्रवक्ता विनोद कुमार पांडेय ने कहा कि भाजपा को जनता ने 2019 में पूरी तरह नकार दिया था।

सत्ता से बाहर होते ही भाजपा को राज्य में हर जगह अव्यवस्था नजर आने लगी, जबकि सच्चाई यह है कि हेमंत सोरेन सरकार ने राज्य के हर वर्ग के लिए काम किया है-चाहे वह किसानों की कर्ज माफी हो, स्थानीय युवाओं के लिए नियोजन नीति हो या महिला सुरक्षा की दिशा में उठाए गए सख्त कदम। उन्होंने कहा कि भाजपा वही पार्टी है, जिसने अपने शासनकाल में न तो पेसा कानून लागू किया और न ही स्थानीय नीति बनाई। आज जब राज्य सरकार जनसरोकार से जुड़ी योजनाओं को जमीन पर उतार रही है, तब भाजपा सकारात्मक विपक्ष की भूमिका में नजर आने की बजाए दो तिहाई बहुमत से सत्ता पर काबिज हुई सरकार पर झूठे आरोप लगाकर न सिर्फ जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रही है, बल्कि जनादेश का अपमान करने से भी बाज नहीं आ रही है। दरअसल सत्ता से बाहर भाजपा के प्रदेश नेताओं को केंद्र सरकार की ताकत का गुमान है। उसी ताकत का दुरुपयोग पिछली हेमंत सरकार को परेशान करने के लिए किया और अब एक बार फिर से भाजपा अपने पतन के उसी रास्ते पर चलने जा रही है। झामुमो ने भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्रियों और नेताओं पर तंज कसते हुए कहा कि वे अपनी विफलताओं को छुपाने के लिए प्रदर्शन की राजनीति करने वाले हैं। जहां तक बात भ्रष्टाचार की ही बात है तो भाजपा शासनकाल में नियुक्ति घोटाला, भूमि लूट की घटनाओं को राज्य की जनता भूल नहीं पाई है और यही कारण है लगातार दो बार भाजपा को सत्ता से बेदखल रखने का जनादेश दिया है झारखंडवासियों ने। भाजपा के नेताओं को पहले अपने गिरेबां में झांककर देखना चाहिए।

सफल हुआ संजय सेठ का एक और प्रयास

सिल्ली ईलू बाईपास रेल लाइन का शीघ्र शुरू होगा काम

● रेलवे ने जारी किया टेंडर, 2027 तक पूर्ण होगा काम

नवीन मेल संवाददाता

रांची। सिल्ली ईलू बाईपास रेल लाइन के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। इसके लिए रेलवे ने टेंडर भी निकाल दिया है। 140 करोड़ की यह परियोजना 5.9 किमी लंबे रेल लाइन के निर्माण के लिए निकाली गई है। वर्ष 2027 तक इसका निर्माण कार्य पूर्ण किया जाना है। इसके निर्माण के साथ ही रांची से टाटा की दूरी कम होगी। मुरी रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों का दबाव भी कम होगा। वर्तमान समय में सिल्ली से मुरी होते हुए इलू जाने में 50 मिनट का समय लगता है। इससे समय की बचत होगी। रेल का समय भी बचेगा, रेल यात्रियों का भी समय बचेगा और यात्रा और भी सुगम हो सकेगी। इस रेलवे लाइन के निर्माण को लेकर वर्तमान रक्षा राज्यमंत्री सह रांची के सांसद संजय सेठ ने वर्ष 2022 में रेल मंत्री से मुलाकात की थी। इसकी उपयोगिता पर उनसे चर्चा कर, इसके निर्माण को आवश्यक बताया था। इसके बाद श्री सेठ लगातार इसका फॉलो अप करते रहे। उन्हीं की पहल पर रेलवे ने इस परियोजना को मंजूरी दी है और शीघ्र ही इसका निर्माण कार्य शुरू होगा। इस बाबत सुरक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने एक बयान में कहा कि यह पीएम की गारंटी वाली सरकार है, जहां हर गारंटी पूरी होने की गारंटी होती है। वर्ष 2022 में मैंने रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव से सिल्ली इलू बाईपास रेल लाइन के महत्व पर चर्चा किया था। इसकी निर्माण और उपयोगिता पर चर्चा किया था। साथ ही उसके निर्माण का आग्रह किया था। इस लाइन के निर्माण से रांची और टाटा की दूरी कम होगी। इसके साथ ही अब यहां इंजन बदलने की भी जरूरत नहीं पड़ेगी। यात्रियों का 1 घंटे से भी अधिक का समय बच सकेगा।

रिम्स-2 के लिए भूमि के अधिग्रहण पर स्थिति स्पष्ट करे कांग्रेस : विजय

रांची। नगड़ी में रिम्स 2 के निर्माण पर कांग्रेसी नेता बंधु तिर्की द्वारा मुख्यमंत्री को दिए गए ज्ञापन कि नगडी में रिम्स 2 का निर्माण रद्द किया जाए। वहीं दुसरी ओर स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने रिम्स-2 हर हाल में बनेगा और यह सरकारी जमीन पर होगा। वहीं पुलिस संरक्षण में नगड़ी की कृषि योग्य भूमि की घेराबंदी शुरू कराने पर कांग्रेस का दोहरा चरित्र" सामने आने पर आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष विजय शंकर नायक ने नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी और स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी के विरोधाभासी बयानों की हम निंदा करते हुए आदिवासी और रैयत समुदाय के हितों की रक्षा के लिए तत्काल कार्रवाई की मांग करते है। श्री नायक ने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी को नगड़ी में रिम्स-2 के लिए कृषि योग्य भूमि के अधिग्रहण पर अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

बीएयू में दो दिवसीय खरीफ अनुसंधान परिषद बैठक का समापन

एकल खेती व कृषि यंत्रीकरण की कमी झारखंड में प्रमुख बाधा : डॉ हिमांशु

नवीन मेल संवाददाता

रांची। अर्द्ध शुष्क उष्णकटिबंधीय फसलों संबंधी अंतरराष्ट्रीय फसल अनुसंधान संस्थान (इक्रीसैट), हैदराबाद के महानिदेशक डॉ हिमांशु पाठक ने झारखंड में कृषि विकास के लिए बेहतर फसल नियोजन, जल संसाधन प्रबंधन, धान की कटाई के बाद खाली पड़े खेत के बेहतर इस्तेमाल तथा सोलर ऊर्जा और लघु सिंचाई के क्षेत्र में अधिक निवेश पर जोर दिया है।

रविवार को बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के खरीफ अनुसंधान परिषद की बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि एकल खेती और कृषि यंत्रीकरण की कमी झारखंड में कृषि विकास की प्रमुख बाधायें हैं। फसलों में जलवायु लचीलापन बढ़ाना, फसल गहनता बढ़ाना, बीज पद्धति का शुद्धीकरण, मूल्य संवर्धन, क्षमता निर्माण, कटाई उपरांत प्रसंस्करण तथा वन से जुड़ी कृषि का विविधीकरण जैसे विषय शोध की प्राथमिकता होनी चाहिए।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सहायक महानिदेशक (पशु उत्पादन एवं प्रजनन) डॉ जीके गौड़ ने कहा कि देश के ग्रामीण क्षेत्र के विकास के लिए पशु आनुवंशिक संसाधनों का गुण निर्धारण और संरक्षण समय की मांग है। इसके लिए जिनोमिक सिलेक्शन और क्लोनिंग जैसे आधुनिक आनुवाशिक टूल्स का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। पशु अनुसंधान के क्षेत्र में डीएनए चिप का इस्तेमाल पर जोर देते उन्होंने कहा कि शोध प्रयास किसान-केंद्रित और व्यवहार योग्य होना चाहिए जिसे किसानों के खेत तक सुगमता से प्रसारित किया जा सके।

केंद्रीय तसर अनुसंधान संस्थान, रांची के निदेशक डॉ एनबी चौधरी ने कृषि लागत घटाने तथा पोषक तत्व एवं जल के प्रयोग की प्रभावशीलता बढ़ाने पर जोर दिया।

बीएयू के कुलपति डॉ एससी दुबे ने पशुओं के नस्ल गुण निर्धारण और आनुवंशिक सुधार से संबंधित छोटे शोध प्रस्ताव भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग तथा विज्ञान एवं प्रावैधिकी विभाग को समर्पित करने का सुझाव वैज्ञानिकों को दिया। कुलपति ने कृषि वानिकी अनुसंधान के क्षेत्र में भी विशेष प्रयास पर बोल दिया। बीएयू के अनुसंधान निदेशक डॉ पीके सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय का जनता दरबार कल

नवीन मेल संवाददाता

● जनता दरबार के माध्यम से कांग्रेस सीधे जनता से जमीनी स्तर पर जुड़कर समस्याओं के समाधान के लिए प्रयासरत है

रांची। ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह का जनता दरबार मंगलवार को कांग्रेस भवन में लगेगा। वे आम जनता की शिकायतों को सुनेंगी और उसका त्वरित समाधान निकाला जाएगा। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने बताया कि जन समस्याओं के समाधान के लिए कांग्रेस की ओर से लगातार जनता दरबार का आयोजन किया जा रहा है। कांग्रेस जनता की समस्या और उनके मुद्दों के प्रति हमेशा गंभीर रही है। पंचायत से लेकर राज्य स्तर तक जन समस्याओं के समाधान के लिए कांग्रेस लगातार आम लोगों से जनता दरबार के माध्यम से संपर्क स्थापित कर रही है। सरकार गठन के बाद से ही कांग्रेस के मंत्रियों द्वारा लगातार जनता दरबार का आयोजन किया जा रहा है।

बजट सत्र के पूर्व चारों मंत्रियों द्वारा जनता दरबार का आयोजन किया गया था। इसमें कई समस्याओं का समाधान मंत्रियों की पहल पर हुआ है। फिर से जनता दरबार का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें पांच जून को कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की और जून को स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी द्वारा जनता दरबार के माध्यम से लोगों की समस्याओं का निराकरण किया गया है। जनता दरबार के माध्यम से कांग्रेस सीधे जनता से जमीनी स्तर पर जुड़कर समस्याओं के समाधान के लिए प्रयासरत है। इस आयोजन से जनता सरकार को अपने निकट पा रही है और खुलकर अपनी बातों को रख रही है। जन समस्याओं के प्रति अधिकारियों को जवाबदेह बनाया जा रहा है और तय समय सीमा के अंदर आम लोगों की समस्याओं के निराकरण के लिए प्रयास हो रहा है।

रिम्स पार्ट-2 की बात करने वाली सरकार गरीबों को एंबुलेंस देने में असमर्थ : राफिया

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड राज्य के विभिन्न जिलों से लगातार ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं जो न केवल स्वास्थ्य सेवाओं की जर्जर स्थिति को उजागर करती हैं, बल्कि सरकार की प्राथमिकताओं पर भी गंभीर प्रश्नचिन्ह लगाती हैं। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता राफिया नाज ने झारखंड सरकार को कटघरे में खड़ा करते इस पर गहरी चिंता करते हुए कहा कि " रिम्स पार्ट-2 की बात करने वाली सरकार गरीबों एम्बुलेंस देने में असमर्थ " और उन्होंने कहा एक ओर सरकार 'सभी को स्वास्थ्य' का दावा करती है, वहीं दूसरी ओर ज़मीनी हालात इतने भयावह हैं कि गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति समय पर अस्पताल तक नहीं पहुंच पा रहा। यह एक साधारण प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि आम नागरिकों के जीवन और स्वास्थ्य के अधिकार का सीधा उल्लंघन है।

राफिया नाज़ ने कहा कि "गोड्डा जिले में एक मासूम बच्ची की मृत्यु की घटना का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह पूरी मानवता को झकझोर देने वाली त्रासदी है। "केवल एंबुलेंस समय पर न पहुंच पाने के कारण एक मासूम की जान चली गई, जबकि परिजनों ने बार-बार सहायता के लिए कॉल किए। इसी तरह की एक और घटना चतरा जिले में घटी, जहाँ सुकुल भुइयां की मौत भी एंबुलेंस की देरी के कारण हुई। इन घटनाओं ने यह साफ कर दिया है कि झारखंड में एंबुलेंस सेवा लगभग निष्क्रिय हो चुकी है।

उन्होंने कहा "राज्य में एंबुलेंस सेवा की स्थिति पर बोलते हुए राफिया नाज़ ने कहा कि झारखंड में 32% सेवा-योग्य एंबुलेंसें बंद हालत में हैं। उन्होंने यह सवाल उठाया कि जब जनता के टैक्स से इन सेवाओं को चलाया जा रहा है तो फिर रखरखाव और मरम्मत के लिए धन का प्रबंधन क्यों नहीं हो रहा? उन्होंने ज़ोर दिया कि यदि इतनी बड़ी संख्या में एंबुलेंसें निष्क्रिय हैं तो यह सीधे तौर पर जनता की जान के साथ खिलवाड़ है।"

राफिया नाज़ ने यह भी कहा राज्य में केवल वाहनों की ही नहीं, बल्कि संसाधनों और मानवबल की भी गंभीर कमी है। कई जिलों में एक ही एंबुलेंस पर पूरा प्रखंड निर्भर है। कई गाड़ियों में प्रशिक्षित चालक और सहायक कर्मियों की भारी कमी है, जिससे आपातकालीन सेवाएं प्रभावित हो रही हैं।" उन्होंने इसे "संवेदनशील शासन के खोखले दावे" करार दिया।

भाजपा आधी-अधूरी जानकारी पर आधारित आरोप मढ़ रही : झामुमो महासचिव

रांची। झामुमो के महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने कहा है कि भाजपा राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर आधी-अधूरी जानकारी पर आधारित आरोप मढ़ रही है। यह जनता को भ्रमित करने वाला भाजपा का राजनीतिक स्टंट है। उन्होंने कहा कि भाजपा को अगर वाकई राज्य की जनता की चिंता है, तो उन्हें जमीनी स्तर पर हो रहे सुधारों को देखना चाहिए, न कि केवल त्रासदी को राजनीतिक हथियार बनाना चाहिए। महासचिव पांडेय ने कहा, सरकार ने बीते वर्षों में स्वास्थ्य सेवा को मजबूत करने की दिशा में कई ठोस कदम उठाए हैं। एंबुलेंस सेवाओं के विस्तार और मरम्मत के लिए बजट आवंटित किया जा चुका है और यह प्रक्रिया प्रगति पर है। लेकिन यह भी समझना होगा कि एक पुरानी और उपेक्षित व्यवस्था को दुरुस्त करने में थोड़ा वक्त लगता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि रिम्स पार्ट-2 की योजना भविष्य की स्वास्थ्य जरूरतों को देखते हुए बनाई गई है और यह किसी एक सेवा की अनदेखी नहीं, बल्कि सम्पूर्ण स्वास्थ्य ढांचे के विस्तार का हिस्सा है।

तसर रेशम उद्योग पर केंद्रित संयुक्त समन्वय समिति की बैठक

केंद्रीय रेशम बोर्ड किसानों साथ के मिलकर कार्य करेगा : पी. शिवकुमार

नवीन मेल संवाददाता

रांची। तसर रेशम उद्योग के समग्र विकास के उद्देश्य से संयुक्त समन्वय समिति की बैठक का आयोजन केरेबो-केंद्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, पिस्का नगड़ी में किया गया। बैठक की अध्यक्षता, केंद्रीय रेशम बोर्ड ने सदस्य सचिव पी. शिवकुमार ने की। बैठक में श्री शिवकुमार ने तसर रेशम उद्योग की वर्तमान स्थिति, संभावनाओं और चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने राज्य रेशम विभागों के अधिकारियों और संस्थान के वैज्ञानिकों से संवाद कर उद्योग के बहुआयामी विकास हेतु समन्वित प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। ट्रॉपिकल तसर के साथ-साथ पूर्वोत्तर राज्यों में उत्पादित ओक तसर के विकास पर भी विशेष जोर दिया गया। सदस्य सचिव ने आश्वस्त किया कि तसर उद्योग के सशक्तिकरण के लिए केंद्रीय रेशम बोर्ड किसानों और राज्य सरकारों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करेगा। उन्होंने नवाचार, प्रशिक्षण और तकनीकी सहयोग के माध्यम से क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। बैठक के दौरान सीएसबी-सीटीआरटीआई निदेशक डॉ एनबी चौधरी ने संस्थान द्वारा तसर रेशम उद्योग के क्षेत्र में किए गए कार्यों और उपलब्धियों की जानकारी साझा की।

इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों से आए लगभग 45 प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ महेन्द्र सिंह राठौड़, वैज्ञानिक-डी द्वारा किया गया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ नरेश बाबू, संयुक्त सचिव, केंद्रीय रेशम बोर्ड द्वारा प्रस्तुत किया गया।

सारंडा का बदलता परिदृश्य पर आयोजित सेमिनार में बोले सरयू

सारंडा का बदलाव अब दिखने लगा है

● कार्यक्रम में मौजूद वक्ताओं ने कहा - पर्यावरण और विकास ये सब एक-दूसरे के पूरक

नवीन मेल संवाददाता

रांची। सारंडा का बदलता परिदृश्य विषय पर रविवार को प्रेस क्लब में आयोजित संगोष्ठी का आयोजन किया गया। आयोजन नेचर फाउंडेशन और युगांतर प्रकृति के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। आयोजित संगोष्ठी के दौरान जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक और सारंडा बचाओ अभियान के संयोजक सरयू राय ने कहा है कि अब सारंडा बदल रहा है। यह बदलाव दिख भी रहा है। सारंडा के परिप्रेक्ष्य में भारत सरकार ने अनेक वर्किंग प्लान बनाए। मेटल और माइनिंग की ट्रेडिंग सबके लिए खोल दिये जाने के बाद 2003 के आस-पास इनकी मांग बढ़ गई थी। सारंडा के जितना क्षेत्रफल है, उससे अधिक क्षेत्रफल के लिए खनन हेतु आवेदन खनन विभाग में आ गया था।

उन्होंने कहा कि जिसने कभी माइनिंग का नाम नहीं सुना था, उसने भी माइनिंग लीज के लिए आवेदन कर दिया था। माइनिंग लीज के जो वास्तविक धारक थे, वे सरफेस रेंट के लिए जरूरी धनराशि जमा करा पाने में असमर्थ थे। माइनिंग सेक्टर में बूम आने के बाद वे अन्य उद्योगपतियों के साथ गठजोड़ करके इसको चलाने लगे। इसके कारण अवैध माइनिंग धड़ल्ले से शुरु हो गई। अवैध माइनिंग के बारे में पूरे भारत में जोरदार चर्चा शुरु हो गई।

उन्होंने कहा उसी दरम्यान सारंडा बचाओ अभियान ने एक पीआईएल फाइल किया। इस पीआईएल को फाइल करने में जस्टिस डॉ. एस. एन. पाठक की अहम भूमिका थी। उन्होंने कहा तब वह सीनियर अधिवक्ता थे। उन्होंने कोई फीस नहीं ली और साथ में काम करते रहे। बाद में जज बने और अब तो रिटायर भी हो गए लेकिन केस अब तक चल रहा है। इसमें हम लोगों की भी कमी रही। हम लोग उदासीन हो गए। इसी कारण कोई फैसला नहीं हो पाया। फिलहाल अधिवक्ता दिवाकर उपाध्याय यह केस देख रहे हैं।

विकास का मतलब प्रकृति को नष्ट करना नहीं बल्कि इसके साथ चलना है : डॉ एसएन पाठक

मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति (रिटायर्ड) डा. एस. एन. पाठक ने कहा कि सारंडा जंगल जिसे कभी 700 पहाड़ियों की भूमि के रूप में जाना जाता था, जो हरे स्टील के रूप में जाने जाने वाले ऊँचे शाल के पेड़ों और मजबूत आदिवासी समुदायों से भरा हुआ था। सदियों तक सारंडा को एचओ मुंडा और संथाल लोगों के हाथों संरक्षित और पोषित किया गया था। जंगल सिर्फ पेड़ और जानवर नहीं थे। यह संस्कृति परंपरा और पूर्वी भारत की पारिस्थितिकी के लिए एक महत्वपूर्ण जीवन रेखा थी। लेकिन हाल के दशकों में इसे चुपचाप लेकिन लगातार खनन, वनों की कटाई, विस्थापन और कभी-कभी सिर्फ उदासीनता के कारण नुकसान पहुँचाया गया। एक न्यायाधीश के रूप में मुझे अक्सर विकास की जरूरतों को प्रकृति की रक्षा की जरूरत के खिलाफ तौलना पड़ता है और मैं यह स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि ये दोनों दुश्मन नहीं हैं। सच्चे विकास का मतलब प्रकृति को नष्ट करना नहीं है।

समारोह | आजसू पार्टी का स्थापना दिवस हरिवंश टाना भगत इनडोर स्टेडियम में मनाया गया

राज्य के नवनिर्माण का संकल्प लें : सुदेश महतो

● आजसू एक नए तेवर में दिख रही है

नवीन मेल संवाददाता

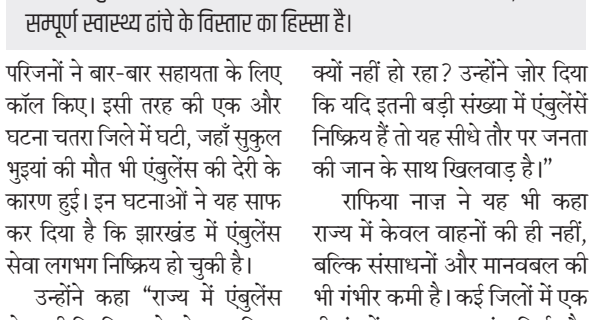

बलिदान दिवस केवल अतीत को याद करने का दिन नहीं

बलिदान दिवस केवल अतीत को याद करने का दिन नहीं है, बल्कि यह आत्ममंथन और भविष्य निर्माण का भी समय है। राज्य को एक नई सोच के साथ आगे लेकर जाने की आवश्यकता है। वर्तमान हेमंत सरकार झूठ बोलकर और गुमराह कर राजनीति कर रही है। महिलाओं को सत्ता हासिल करने का आधार बनाया गया और अब छह लाख महिलाओं का नाम मंईयां योजना से काटा जा रहा है। इसका जवाबदेह कौन होगा? सरकार को उखाड़ फेंकने की तैयारी करें।

रांची। आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो ने कहा कि झामुमो ने झारखंड आंदोलन की सौदेबाजी की, जबकि आजसू ने 1986 से 2000 तक सांसद-विधायक बनाए बिना संघर्ष किया। उसी संघर्ष का परिणाम है कि तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने अलग राज्य का निर्माण किया। अब राज्य के नव निर्माण का संकल्प लें। सुदेश महतो रविवार को खेलगांव स्थित हरिवंश टाना भगत इनडोर स्टेडियम में आजसू के स्थापना दिवस को संबोधित कर रहे थे। स्थापना दिवस का आयोजन बलिदान दिवस के रूप में किया गया। सुदेश महतो ने कहा कि यह दिन झारखंड आंदोलन के उन अमर शहीदों को समर्पित है, जिन्होंने राज्य की अस्मिता, अधिकारों और अस्तित्व की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया।

उन्होंने कहा है कि हेमंत सरकार में जनता के अधिकार छीने जा रहे हैं। जनता इस सरकार से मात्र छह माह में ही त्रस्त हो चुकी है। सरकारी तंत्र जनता को धमकाने में लगा है। जमीन के नाम पर अपराध का बोलबाला है। एक जमीन की छह बार रजिस्ट्री हो रही है और सीओ तथा थाना फर्जी करने वालों के पक्ष में वास्तविक मालिक को प्रताड़ित करते हैं। राज्य में न तो नियोजन नीति बनी, न विस्थापन नीति और न ही स्थानीय नीति। इस सरकार को जनता की कोई चिंता नहीं। आजसू कार्यकर्ता हेमंत सरकार को उखाड़ फेंकने की तैयारी करें। आज से आजसू एक नए तेवर में दिख रही है। अब राज्य के नवनिर्माण का संकल्प लेकर यहां से हमलोग जाएंगे। केंद्र सरकार द्वारा जाति जनगणना की घोषणा का स्वागत करते हुए उन्होंने जाति के आधार पर आरक्षण की मांग की। समारोह से पूर्व विभिन्न मोहल्लों से महानगर कार्यकर्ता मोटरसाइकिल जुलूस की शक्ल में खेलगांव स्थित समारोह स्थल पहुंचे। समारोह स्थल पर ही रक्तदान शिविर लगाया गया था, जिसमें दर्जनों कार्यकर्ताओं ने रक्तदान किया।

बीआईटी लालपुर में मनाया गया योग दिवस और हुआ पौधरोपण

नवीन मेल संवाददाता

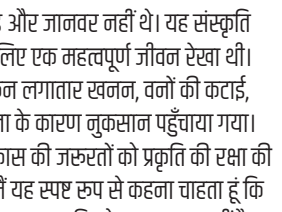

रांची। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर बीआईटी मेसरा लालपुर यूनिट के तत्वावधान में संस्थान के प्रभारी डॉ प्रणव कुमार के नेतृत्व में सहायक कुलसचिव मनोज गिरी के निर्देशन में सभी शिक्षकों और कर्मचारियों को योग कराया गया। साथ ही योग और उसकी शरीर में होने वाले रोगों के बारे में बताया गया। इस कार्यक्रम के उपरांत पौधरोपण कर प्रभारी डॉ प्रणव कुमार ने समाज को इस प्रकार के आयोजन पर बताया की इस प्रकार के आयोजन को हम अपने कार्यालय के आलावे मुहल्ले और सोसाइटी में भी करे जिससे युवाओं में योग और उसके होने वाले फायदे को समझ सके। योग एक पूजा है और पूजा जिस तरह प्रत्येक घर परिवार में किया जाता हैं ठीक उसी प्रकार हमे भी इससे अपने जीवन के प्रथम पहर में इससे करने की आदत बनाने की आवश्यकता है। आज के इस योग दिवस में संस्थान के जो वरिष्ठ शिक्षक और अधिकारियों ने भाग लिया डॉ अमृता प्रियम, डॉ सोमनाथ मुखर्जी, डॉ नागेंद्र प्रसाद तिवारी, सहित शिक्षक और कर्मचारियों के परिवार के सदस्यों ने भाग लिया योग के बाद प्रांगण में बरगद का वृक्ष लगाया गया जो प्रकृति के लिए प्रेम का परिचायक होने का प्रमाण है।

भारत को बेल्जियम ने 3-6 से हराया

एंटवर्प। भारतीय पुरुष हॉकी टीम शनिवार को एंटवर्प में चल रहे एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 में बेल्जियम से 3-6 से हार गई। भारत की तरफ से दिलप्रीत सिंह, मनदीप सिंह और अमित रोहिदास ने गोल दागा। भारतीय टीम ने दो गोल से पिछड़ने के बाद दिलप्रीत सिंह के 36वें मिनट और मनदीप सिंह के 38वें मिनट में किए गए गोल से वापसी की थी। वहीं, अमित रोहिदास ने 56वें मिनट में गोल दागकर टीम को मैच में बनाए रखा था। मैच के आखिरी क्षणों में लगे 3 गोल की वजह से टीम इंडिया को 3-6 से हार का सामना करना पड़ा। बेल्जियम के लिए आर्थर वैन डोरेन ने पहले और 54वें, अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स ने 28वें, रोमन डुवेकोट ने 49वें, थिब्यू स्टॉकब्रोक्स ने 53वें और टॉम बून ने 59वें मिनट में गोल दागे। मैच के पहले मिनट के 20 सेकंड में बेल्जियम ने दो पेनाल्टी कॉर्नर हासिल किए। गोलकीपर सूरज करकेरा ने अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स की ड्रैग-फ्लिक को रोक दिया, लेकिन आर्थर वैन डोरेन ने रिबाउंड पर गोल करके मेजबान टीम को बढ़त दिला दी। बेल्जियम की तेज शुरुआत की वजह से भारत पिछड़ गया। भारत ने मुकाबले में अपनी पकड़ मजबूत करनी शुरू कर दी।

बेल्जियम ने भारत को 1-5 से हराया

एंटवर्प। भारत की महिला हॉकी टीम शनिवार को एंटवर्प में एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024/25 (महिला) में बेल्जियम से 1-5 से हार गई। बेल्जियम के लिए 17 पेनल्टी कॉर्नर वाले रोमांचक मुकाबले में दीपिका (6') ने भारत को बढ़त दिलाई, इससे पहले हेलेन ब्रासेर (37', 55'), लूसी ब्रेने (41'), एम्ब्रे बॉलेनघिएन (54') और चार्लोट एंगलबर्ट (58') ने गोल करके मेजबान टीम की जीत पक्की कर दी। खास तौर पर बेल्जियम के सभी पांच गोल पेनल्टी कॉर्नर से हुए। भारत की शुरुआत खराब रही, क्योंकि बेल्जियम ने पहले मिनट में ही पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया। शुरुआती डर टल गया, और सविता ने जल्द ही स्कोरबोर्ड को अछूता रखने के लिए एक तेज बचाव किया। भारत के हाफ में एक अनफोर्स्ड एरर ने बेल्जियम को फिर से कब्जा दे दिया, लेकिन वैष्णवी ने एक महत्वपूर्ण इंटरसेप्शन के साथ दरवाजा बंद कर दिया। भारत ने दबाव की लहरों को झेलते हुए धैर्यपूर्वक ब्रेक पर अपने मौके का इंतजार किया। उनके पहले सर्कल में प्रवेश के परिणामस्वरूप एक पेनल्टी कॉर्नर मिला, और दीपिका के शॉट ने बेल्जियम के डिफेंडर से डिफ्लेक्शन लिया और फिर नेट में जाकर भारत को आगे कर दिया।

भारत ने रचा इतिहास

फ्रीस्टाइल टीम ने जीती चैंपियन ट्रॉफी

वुंग ताऊ (वियतनाम)। भारत ने शानदार प्रदर्शन जारी रखा, क्योंकि उसकी फ्रीस्टाइल टीम ने शनिवार को यहां वुंग ताऊ (वियतनाम) में आयोजित अंडर-23 सीनियर एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप 2025 में छह स्वर्ण पदक और एक रजत पदक जीतकर ओवरऑल चैंपियन ट्रॉफी अपने नाम की। यह किसी भी एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में फ्रीस्टाइल श्रेणी में भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। 61 किग्रा में निखिल, 65 किग्रा में सुजीत, 74 किग्रा में जयदीप, चंद्र मोहन (79 किग्रा), सचिन (92 किग्रा) और 97 किग्रा वर्ग में विक्की ने स्वर्ण पदक जीते। 125 किग्रा भार वर्ग में जसपूरन सिंह ने रजत पदक जीता। डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने शनिवार को एक बयान में कहा, ''भारतीय फ्रीस्टाइल टीम का मैट पर दबदबा ऐतिहासिक उपलब्धि है, जो अंतरराष्ट्रीय कुश्ती में देश की बढ़ती ताकत को दर्शाता है। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) इस ऐतिहासिक सफलता को हासिल करने में युवा मामले और खेल मंत्रालय, भारत सरकार, भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) और पूरे कुश्ती समुदाय के निरंतर समर्थन और मार्गदर्शन को स्वीकार करता है। इससे पहले शुक्रवार को भारतीय अंडर-23 महिला पहलवानों ने अपने शानदार प्रदर्शन से देश को गौरवान्वित किया और कुल 10 पदक जीते। कौशल और दृढ़ संकल्प के एक उल्लेखनीय प्रदर्शन में, भारतीय महिला कुश्ती टीम ने सभी 10 भार वर्गों में पदक हासिल करते हुए चैंपियन ट्रॉफी जीती - चार स्वर्ण, पांच रजत और एक कांस्य। 50 किग्रा वर्ग में प्रियांशी प्रजापत, 55 किग्रा वर्ग में रीना, 68 किग्रा वर्ग में सृष्टि और 76 किग्रा वर्ग में प्रिया ने भारत के लिए स्वर्ण पदक जीते। रजत पदक 57 किग्रा वर्ग में नेहा शर्मा, 62 किग्रा वर्ग में प्रगति, 65 किग्रा वर्ग में शिक्षा, 59 किग्रा वर्ग में तन्वी और 72 किग्रा वर्ग में ज्योति बेरवाल ने जीते।

कनाडा ने हासिल किया टी20 विश्व कप 2026 के लिए क्वालिफिकेशन

नई दिल्ली। कनाडा ने भारत और श्रीलंका में होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप-2026 के लिए क्वालीफाई कर लिया है। अमेरिका क्वालीफायर में कनाडा ने बहामास के खिलाफ जीत हासिल करके टूर्नामेंट में अपनी जगह पक्की की है, जो मौजूदा अभियान में उनकी लगातार पांचवीं जीत है। आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप अमेरिका रीजन फाइनल-2025 में 21 जून को कनाडा और बहामास के बीच मुकाबला खेला गया, जिसमें कनाडा ने सात विकेट से जीत दर्ज की। किंग सिटी में खेले गए इस मैच में बहामास की टीम महज 57 रन पर सिमट गई थी, जिसके बाद कनाडा ने महज 5.3 ओवरों में सात विकेट शेष रहते जीत दर्ज कर ली।

शुभमन गिल को इस तरह बल्लेबाजी करते देख अच्छा लगा : सौरव गांगुली

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड दौरे की शुरुआत शानदार अंदाज में की है। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने शुभमन गिल के नेतृत्व वाली युवा टीम की जमकर प्रशंसा की। सौरव गांगुली ने कहा, "शुभमन गिल ने बहुत ही अच्छा खेला। उसकी बल्लेबाजी में बहुत सुधार हुआ है। उसे इंग्लैंड में इस तरह बल्लेबाजी करते देखना काफी सुकूनदायक था।" भारतीय टीम ने लीड्स में अच्छी बल्लेबाजी की है और इंग्लैंड के खिलाफ पहली पारी में 471 रन बनाए हैं। क्या भारतीय टीम इस मैच में जीत दर्ज करने में कामयाब होगी। इस सवाल के जवाब में गांगुली ने कहा कि अभी कुछ कहना जल्दीबाजी होगी। टेस्ट में अभी काफी समय बचा हुआ है। भारतीय टीम आगे कैसा खेलती है। इस पर मैच का परिणाम निर्भर करेगा। दरअसल, इंग्लैंड दौरे से पहले रोहित शर्मा और विराट कोहली ने टेस्ट फॉर्मेट से संन्यास ले लिया था। इसके बाद शुभमन गिल को भारतीय टेस्ट टीम की कमान सौंपी गई। एक युवा कप्तान इंग्लैंड दौरे पर कैसा प्रदर्शन करेगा इस पर सबकी नजर थी। गिल का इंग्लैंड दौरे पर बतौर बल्लेबाज भी अच्छा रिकॉर्ड नहीं रहा था। लेकिन, लीड्स में गिल ने शतक लगाकर अपने सभी आलोचकों का मुंह बंद कर दिया। गिल ने 227 गेंदों में 147 रन की पारी खेली।

भारत की पहली पारी में **471 रन बनाए**

जसप्रीत बुमराह ने लिये तीन विकेट, कप्तान स्टोक्स 20 रन बनाकर आउट

एजेंसी। नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला लीड्स के हेडिंग्ले क्रिकेट ग्राउंड पर जारी है। 21 जून को मुकाबले का तीसरा दिन था। इंग्लैंड की टीम अपनी पहली पारी में बल्लेबाजी कर रही है। इंग्लैंड का स्कोर 270 रनों को पार कर चुका है और उसके 5 विकेट गिरे हैं। बता दें कि भारतीय टीम ने शुभमन गिल, ऋषभ पंत और यशस्वों जायसवाल के शतकों की मदद से अपनी पहली पारी में 471 रन बनाए थे। इंग्लैंड की पहली पारी में शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने शुरुआती ओवर में ही जैक क्राउली (4 रन) का विकेट गंवा दिया, जो जसप्रीत बुमराह का शिकार बने। इसके बाद बेन डकेट और ओली पोप के बीच दूसरे विकेट के लिए 122 रनों की साझेदारी हुई। जसप्रीत बुमराह ने बेन डकेट (62 रन) को बोल्ड करके इस पार्टनरशिप का अंत किया। फिर बुमराह ने खेल के दूसरे दिन जो रूट (28) का भी बड़ा विकेट लिया। हालांकि इस सबके बीच ओली पोप अपना शतक पूरा करने में सफल रहे थे।

ऐसी रही भारतीय टीम की पहली पारी

इससे पहले टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में 471 रन बनाए. कप्तान शुभमन गिल ने 19 चौके और एक सिक्स की मदद से 227 बॉल पर 147 रन बनाए. वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने 178 गेंदों पर 134 रनों की पारी खेली. पंत ने अपनी इनिंग्स में 12 चौके और 6 छक्के लगाए. सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने भी 16 चौके और एक छक्के की मदद से 159 बॉल पर 101 रनों का योगदान दिया. इंग्लैंड के लिए कप्तान बेन स्टोक्स और जोश टंग ने चार-चार विकेट झटके।

मांजरेकर ने बुमराह की तुलना रिचर्ड हेडली से की

लीड्स। भारत के पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने जसप्रीत बुमराह की हर बार आक्रमण पर आने पर विकेट चटकाने की उनकी क्षमता की प्रशंसा की और भारतीय तेज गेंदबाज की तुलना न्यूजीलैंड के महान गेंदबाज रिचर्ड हेडली से की, जो 400 टेस्ट विकेट तक पहुंचने वाले पहले खिलाड़ी थे। शुभमन गिल के करियर के सर्वश्रेष्ठ 147 और ऋषभ पंत के आश्चर्यजनक 134 रन (इस प्रारूप में उनका सातवां शतक) के बाद जब भारत 113 ओवर में 471 रन पर आउट हो गया, तो इंग्लैंड को खतरनाक बुमराह से निपटना पड़ा, जिन्होंने 3-45 विकेट लिए।

केंद्र सरकार देश में खेल के विकास में बड़ा योगदान दे रही : पौलमी घटक

पटना। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण द्वारा पटना में टेबल टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। युवा खिलाड़ियों को मार्गदर्शन देने के लिए इस खेल से जुड़े दिग्गजों को प्राधिकरण ने आमंत्रित किया था। पौलमी घटक और सौम्यादीप रॉय जैसे खिलाड़ियों ने देश में खेल के विकास में केंद्र सरकार के सहयोग की सराहना की। टेबल टेनिस खिलाड़ी और अर्जुन पुरस्कार विजेता पौलमी घटक ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, "जब से मोदी सरकार आई है। भारतीय खेल का चेहरा बदल गया है। सरकार ने खेलो इंडिया और टॉप्स जैसी योजना चलाई है। इसके तहत खिलाड़ियों को बिल्कुल निचले स्तर से चयनित किया जा रहा है। बच्चों को ट्रेनिंग दी जा रही है। उन्हें ट्रेनिंग के लिए प्रदेश से बाहर भी भेजा जा रहा है।

व्यापार/लाइफ व साइंस

मोदी सरकार ने देश में तेल और गैस खोज बढ़ाने की लिए एक मिलियन स्क्वायर किमी बेसिन खोला: हरदीप

नई दिल्ली। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने रविवार को कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार ने भारत के 3.5 मिलियन स्क्वायर किलोमीटर के तलछटी बेसिन में से एक मिलियन स्क्वायर किलोमीटर क्षेत्र को तेल एवं गैस खोज के लिए खोल दिया है, जो पहले हाइड्रोकार्बन खोज के लिए प्रतिबंधित था। केंद्रीय मंत्री ने कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व के कारण अब इस पूरे 'नो-गो' क्षेत्र को खोल दिया गया है, जिससे घरेलू उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा और आयात पर निर्भरता कम होगी।" उन्होंने आगे कहा कि खोज और उत्पादन को नियंत्रित करने के लिए नए कानून के साथ-साथ तेल और गैस खोज और उत्पादन (ईएंडपी) क्षेत्र में व्यापार को आसान बनाने की दिशा में कई उपाय किए गए हैं। मोदी सरकार ने देश में तेल और गैस की खोज में तेजी लाने के लिए पहले की नई खोज और लाइसेंसिंग नीति (एनईएलपी) को ओपन एकरेज लाइसेंसिंग पॉलिसी (ओएएलपी) से बदल दिया है। ओएएलपी के जरिए सरकार की कोशिश तेल और गैस क्षेत्र में जटिलताएं कम करना भी है। मंत्री ने कहा कि ओएएलपी की नौंवी बोली के तहत इन नए खोले गए क्षेत्रों के लिए लगभग 38 प्रतिशत बोलियां आईं, जबकि ओएएलपी दसवीं बोली के अगले दौर में यह आंकड़ा बढ़कर 75 प्रतिशत हो सकता है। उन्होंने बताया कि ओएएलपी की दसवीं बोली प्रक्रिया भारत का अब तक का सबसे बड़ा राउंड है।

ईरान-इजरायल संघर्ष में अमेरिका की एंट्री

ऑल-टाइम हाई पर तेल अवीव का शेयर बाजार

- तेल अवीव स्टॉक एक्सचेंज का बेंचमार्क टीए-125 इंडेक्स 1.6 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार कर था।

एजेंसी। नई दिल्ली

इजरायल का तेल अवीव स्टॉक एक्सचेंज रविवार को पांच प्रतिशत से अधिक बढ़कर ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गया। इजरायली शेयर बाजार में तेजी ऐसे समय पर आई जब ईरान के साथ चल रहे संघर्ष में अमेरिकी का प्रवेश हो गया है। तेल अवीव स्टॉक एक्सचेंज (टीएएसई) ने 6,490 का नया ऑल-टाइम हाई बनाया है।

फिलहाल यह 6,450 के करीब कारोबार कर रहा था, जो कि इसकी पिछली क्लोजिंग 6,137 से 5 प्रतिशत अधिक है। इजरायल के अन्य स्टॉक इंडेक्स में भी तेजी के साथ कारोबार हो रहा था। इजरायली मीडिया के मुताबिक, तेल अवीव स्टॉक एक्सचेंज का बेंचमार्क टीए-125 इंडेक्स 1.6 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार कर था। वहीं, इजरायल की ब्लू चिप कंपनियों का इंडेक्स टी-35 में 1.5 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखी गई। वहीं, टीए-इंश्योरेंश और फाइनेंशियल सर्विसेज इंडेक्स में 3.2 प्रतिशत से अधिक की बढ़त दर्ज की गई। इजरायल में शुक्रवार की छुट्टी रहने के कारण, वहां के शेयर बाजारों में रविवार को कारोबार होता है। रविवार की सुबह अमेरिका ने ईरान के तीन बड़े परमाणु ठिकानों पर हमला किया है, जिससे दोनों देश के बीच तनाव और बढ़ने की आशंका है और ईरान, इजरायल पर हमले कर रहा है।

इजरायल डिफेंस फोर्सेज ने पुष्टि की है कि ईरान ने रविवार सुबह इजरायल पर 30 से अधिक बैलिस्टिक मिसाइल दागीं। इन हमलों में करीब 16 लोगों के घायल होने की खबर है, जबकि कई इमारतें क्षतिग्रस्त हुई हैं। अमेरिका ने भारतीय समय के अनुसार रविवार सुबह 4.30 बजे ईरान की तीन प्रमुख न्यूक्लियर साइट्स फोर्डो, नतांज और एस्फाहान पर हमला किया, जिसके बाद ईरान की यह जवाबी कार्रवाई देखी गई है। ईरान के हमलों में तेल अवीव, हाइफा और यरुशलम सहित कई प्रमुख शहरों को निशाना बनाया गया है। इससे पहले गुरुवार को सुबह ईरान द्वारा इजरायल पर 25 मिसाइलों से किए गए नए अटैक में तेल-अवीव स्टॉक एक्सचेंज की बिल्डिंग को भी नुकसान पहुंचा था।

शीर्ष 10 में से 6 कंपनियों का मार्केट कैप 1.62 लाख करोड़ रुपए बढ़ा

नवीन मेल संवाददाता

मुंबई। देश की शीर्ष 10 में से छह कंपनियों के मार्केट कैप में बीते हफ्ते 1,62,288.06 करोड़ रुपए का इजाफा हुआ है। इसमें सबसे अधिक फायदा देश की दिग्गज टेलीकॉम कंपनी भारती एयरटेल को हुआ है। 16 जून से लेकर 20 जून तक के कारोबारी सत्र में भारती एयरटेल के अतिरिक्त, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और इन्फोसिस के मार्केट कैप में इजाफा हुआ है। हालांकि, इस दौरान टीसीएस, एलआईसी, बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में गिरावट दर्ज की गई। भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 54,055.96 करोड़ रुपए बढ़कर 11,04,469.29 करोड़ रुपए हो गया। एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्यांकन 38,503.91 करोड़ रुपए बढ़कर 15,07,281.79 करोड़ रुपए हो गया, जबकि इन्फोसिस का मार्केट कैप 8,433.06 करोड़ रुपए बढ़कर 6,73,751.09 करोड़ रुपए हो गया। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 8,012.13 करोड़ रुपए बढ़कर 10,18,387.76 करोड़ रुपए और भारतीय स्टेट बैंक का मार्केटकैप 3,212.86 करोड़ रुपए बढ़कर 7,10,399.75 करोड़ रुपए हो गया। हालांकि, बजाज फाइनेंस का बाजार मूल्यांकन 17,876.42 करोड़ रुपए घटकर 5,62,175.67 करोड़ रुपए रह गया है। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का एमकैप 4,613.06 करोड़ रुपए घटकर 12,42,577.89 करोड़ रुपए और हिंदुस्तान यूनिलीवर का एमकैप 3,336.42 करोड़ रुपए घटकर 5,41,557.29 करोड़ रुपए रह गया। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का बाजार मूल्यांकन 1,106.88 करोड़ रुपए घटकर 5,92,272.78 करोड़ रुपए रह गया।